शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 353 | गुवाहाटी | शनिवार, 22 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

पांच करोड़ रुपए के हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय वार्ता, सहयोग के... पेज 4
जल की कीमत को हमको समझना होगा : योगी पेज 5
राजस्थान विस : अन्नपूर्णा फूड-पैकेट योजना में भ्रष्टाचार पर भाजपा का... पेज 8

परिसीमन पर चुनाव आयोग की जन सुनवाई पूरी

सीईसी ने 1200 जनप्रतिनिधियों की सुनी बात

गुवाहाटी (एजे/हि.स.)। शुक्रवार को यहां संपन्न हुई सार्वजनिक सुनवाई के दौरान भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के समक्ष विविध अभ्यावेदन रखे गए। कुछ ने असम में परिसीमन अभ्यास के समय पर सवाल उठाया और इसे स्थगित करने की मांग की तो कुछ ने मसौदा प्रस्ताव का स्वागत किया। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने असम के विधानसभा और संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के लिए परिसीमन के मसौदे प्रस्ताव पर पिछले तीन दिनों में सुनवाई की। उन्होंने बैठकों के अनुकूल तरीके की सराहना की, जिसमें बिना किसी टकराव या शत्रुता के विभिन्न मुद्दों पर परस्पर विरोधी दावे पेश किए गए। ईसीआई ने एक बयान में कहा कि पिछले तीन दिनों में आयोजित सार्वजनिक बैठकों के दौरान आयोग ने समाज के विभिन्न वर्गों और संगठनों के सभी अभ्यावेदन को धैर्यपूर्वक सुना और संवैधानिक तथा वैधानिक प्रावधानों के तहत सभी अभ्यावेदन पर उचित विचार करने का आश्वासन भी दिया। बयान में आगे कहा गया कि सीईसी ने टकराव या शत्रुता पैदा किए बिना सम्मानजनक और मैत्रीपूर्ण तरीके से विभिन्न मुद्दों पर अपने परस्पर विरोधी दावों को उनके दृष्टिकोण के विस्तृत कारणों के साथ पेश करने की विभिन्न समूहों की क्षमता की सराहना की। कुमार ने आगे कहा कि ऐसा रवैया रचनात्मक संवाद और खुले दिमाग के लिए अनुकूल है, जिससे विविध दृष्टिकोणों की गहरी समझ बनती है। आयोग ने 31 जिलों से 1,200 से अधिक अभ्यावेदन सुने और 20 से अधिक राजनीतिक दलों के साथ बैठकें कीं। कुल मिलाकर, 6,000 से अधिक लोगों ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया। राष्ट्रीय पार्टियां – आम आदमी पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), भारतीय जनता पार्टी और राज्य पार्टियां ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ), असम गण परिषद (अगप), यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के प्रतिनिधियों ने सीईसी के साथ अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव साझा किए। संयुक्त विपक्षी फोरम की ओर से -शेष पृष्ठ दो पर

जीएसटी अपनाने के बाद असम में कर संग्रह 12 गुना बढ़ा : सीतारमण

गुवाहाटी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह और हस्तांतरण सफल रहा है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अलंकरण समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के बजट पर 2023 आरबीआई के आकलन के अनुसार, क्षेत्र के आठ राज्यों में 27.5 प्रतिशत की वार्षिक जीएसटी वृद्धि देखी गई है। इसके पारित होने के चार दिन बाद, असम जीएसटी अधिनियम को मंजूरी देने वाला पहला राज्य बन गया, और तब से, एकत्र किए गए करों की मात्रा 12 गुना बढ़ गई है। जीएसटी अपनाने से पहले, असम ने बिक्री कर में 558.26 करोड़ रुपए एकत्र किए; अब यह 7,097 करोड़ रुपए एकत्र करता है, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिक्किम और मेघालय ने भी एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है, पहले का राजस्व 263.5 करोड़ रुपए से -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर की घटना ने पूरे देश को शर्मसार किया : सीतारमण

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि मणिपुर की घटना से आज पूरा देश शर्मसार है। मणिपुर संवेदनशील और गंभीर परिस्थितियों से जूझ रहा है और साथ ही इस तरह की घटना ने सभी को आहत किया है। गुवाहाटी में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के अलंकरण समारोह में भाग लेते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने मणिपुर में हाल की घटना के बारे में संवाददाताओं से बात करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कल संसद सत्र की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री ने मणिपुर में हुई घटना पर खेद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय वित्त मंत्री ने त्रिपुरा में किया जीएसटी भवन का उद्घाटन

अगरतला (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में नवनिर्मित जीएसटी भवन का उद्घाटन किया। इस भवन से जीएसटी कर दाताओं को अत्याधुनिक तरीके से सेवाएं दी जाएंगी। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने कहा कि अगरतला जीएसटी भवन के बनने से यहां के लोगों को सही तरीके से सुविधाएं प्राप्त होंगी। इससे पूर्व अगरतला स्थित महाराजा वीर विक्रम हवाई अड्डे पर केंद्रीय वित्त मंत्री का स्वागत त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. मानिक साहा ने अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ की। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा, सीबीआईसी के अध्यक्ष विवेक जौहरी, बोर्ड के सदस्य और राज्य सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

इस्तीफे के सवाल को टाल गए सीएम, कहा–

राज्य में शांति कायम करना मेरा काम

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे की नए सिरे से मांग और मणिपुर के एक वायरल वीडियो पर संसद में हंगामे के बीच शुक्रवार को उनसे पद छोड़ने की मांग पर पूछे गए सवाल को वह टाल गए। वायरल वीडियो में कथित तौर पर दो महिलाओं को नग्न अवस्था में घुमाते हुए दिखाया गया है। सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि उनका काम राज्य में शांति बहाल करना और यह सुनिश्चित करना है कि वायरल वीडियो में कथित घटना के -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : मुख्य आरोपी के घर को महिलाओं ने फूंका

परिवार को गांव से निकालने का फरमान

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में दो महिलाओं के खिलाफ शर्मनाक कृत्य का वीडियो वायरल होने के बाद तनाव बना हुआ है। गुरुवार को मणिपुर के थौबल जिले के याइरीपोक गांव में स्थानीय महिलाओं के एक समूह ने शर्मनाक कृत्य के मुख्य आरोपी हुइरेम हेरोदास मैतेई के घर में आग लगा दी। गांव के लोगों ने आरोपी के परिवार को गांव से निकालने का भी निर्णय लिया है। पुलिस मामले के अन्य आरोपीं की गिरफ्तारी के लिए अभियान चला रही है। घटना के संबंध में पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि मणिपुर को शर्मसार करने वाली घटना के मुख्य आरोपी हेरोदास मैतेई की गिरफ्तारी के बाद नंगपक सेकमाई इलाके की उत्तेजित महिलाओं ने आरोपी के घर में आग लगा दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थौबल जिला पुलिस ने गुरुवार को इस -शेष पृष्ठ दो पर

अधिवक्ता संगठन ने एससी के समक्ष किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना के खिलाफ वकीलों के अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन की दिल्ली राज्य इकाई ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद यूनियन के राज्य सचिव सुनील कुमार ने मणिपुर के दिल्ली स्थित रेजिडेंट कमिश्नर को अपनी मांगें सौंपीं। प्रदर्शनकारी वकीलों ने मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने और दोषियों के खिलाफ जल्द -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पीएम आज 70 हजार युवाओं को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह 10:30 बजे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से 70,000 से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री इन व्यक्तियों को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि रोजगार मेला देशभर में 44 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। इस पहल का समर्थन करने वाले केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों व केंद्रशासित प्रदेशों में भर्तियां हो रही हैं। देशभर से चुने गए नए कर्मचारी राजस्व विभाग, वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, जल संसाधन विभाग, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग और गृह मंत्रालय सहित सरकार के विभिन्न मंत्रालयों -शेष पृष्ठ दो पर

लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को मणिपुर मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के चलते पहले 12 बजे तक और फिर बाद में सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे दोबारा शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। सदन के आवश्यक कामकाज के बाद शून्यकाल की कार्यवाही शुरू हुई। पीठासीन अधिकारी राजेंद्र अग्रवाल ने सदस्यों से सहयोग की अपील की। इसी बीच -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी मामला : वजूखाने को छोड़कर शेष हिस्से का होगा सर्वेक्षण

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर के एएसआई सर्वे का रास्ता साफ हो गया है। शुक्रवार को कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए सर्वे को मंजूरी दे दी है। वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी परिसर की वैज्ञानिक विधि से जांच की मंदिर पक्ष की मांग स्वीकार की। जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश ने मस्जिद पक्ष की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए ज्ञानवापी के वजूखाने को छोड़कर शेष हिस्से की एएसआइ सर्वे कराने का आदेश दिया है। इस मामले में सभी पक्षों की बहस पूरी हो चुकी थी। जिला जज डा. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में पिछली सुनवाई पर मस्जिद पक्ष ने प्रार्थना पत्र का विरोध करते हुए इसे खारिज करने की मांग की थी। वहीं मंदिर पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक विधि से जांच को इस मुकदमे के लिए बेहद अहम बताया था। बीते 12 मई को हाई कोर्ट ने एडवोकेट कमिश्नर की कार्रवाई के दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दूध के लिए हथिनी पालने की जरुरत नहीं होती अर्थात आवश्कयता के अनुसार साधन जुटाने चाहिए।

– आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

मैं तो सुपरमैन! स्कूल के फर्स्ट फ्लोर से मासूम ने लगा दी छलांग

कानपुर। यूपी के कानपुर जिले में एक स्कूल में तीसरी में पढ़ने वाले छात्र ने पहली मंजिल से छलांग लगा दी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि छात्र सुपरमैन जैसे वीडियो से प्रेरित था। आपको बता दें कि यह मामला जिले के किदवई नगर इलाके के एक स्कूल की है। जहां बच्चे स्केटिंग सीख रहे थे। पहली मंजिल पर खड़ा कक्षा तीन का छात्र इसे देख रहा था। अचानक वो जाली पर चढ़ा और फर्श पर कूद गया। -शेष पृष्ठ दो पर

मांडविया ने केंद्रीय अस्पतालों को केवल जेनेरिक दवाएं लिखने का दिया निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को लोकसभा को बताया कि सरकार का लक्ष्य आम आदमी की जेनेरिक दवाओं तक पहुंच में सुधार के लिए मार्च तक 10,000 प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) खोलने का है। उन्होंने बताया कि 30 जून तक देशभर में 9,512 पीएमबीजेके खोले जा चुके हैं। सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि भारतीय चिकित्सा परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002 में कहा गया है कि प्रत्येक चिकित्सक को स्पष्ट रूप से और विशेषकर बड़े अक्षरों में जेनेरिक नाम वाली दवाएं लिखनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने सभी केंद्र संचालित अस्पतालों को केवल जेनेरिक दवाएं लिखने का निर्देश दिया है। इसी तरह के निर्देश सभी सीजीएचएस डॉक्टरों और वेलनेस सेंटरों को भी जारी किए गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मुफ्त दवा पहल के तहत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक जेनेरिक दवाओं के मुफ्त प्रावधान के लिए सहायता प्रदान की जाती है। पीएमबीजेपी योजना को बढ़ावा देने के लिए फार्मास्यूटिकल्स विभाग और भारत का फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई), योजना की कार्यान्वयन एजेंसी, समय-समय पर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश सरकारों और जिला प्रशासनों से योजना के बारे में जागरूकता पैदा करने और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सरकारी अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र खोलने के लिए किराया मुक्त स्थान प्रदान करने का अनुरोध करती है। उन्होंने यह भी कहा कि सीडीएससीओ और स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कई नियामक -शेष पृष्ठ दो पर

चाकू-असलहा लेकर ममता के घर में घुस रहा शख्स गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा में सेंधमारी हुई है। मुख्यमंत्री के कालीघाट स्थित आवास में घुसने की कोशिश के आरोप में पुलिस ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने बताया कि व्यक्ति ने काला कोट पहन रखा था और उसकी पहचान नूर आलम के तौर पर हुई है। युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से चाकू और असलहा बरामद हुआ है। घटना के वक्त ममता बनर्जी अपने आवास पर ही थीं। गोयल ने कहा कि व्यक्ति ने हथियार, एक खुखरी, गांजा और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) एवं अन्य विभिन्न एजेंसियों -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

श्रीलंका के साथ विकासात्मक साझेदारी को मजबूत करने के लिए तत्पर भारत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत राष्ट्रपति विक्रमसिंघे के नेतृत्व में श्रीलंका के साथ अपनी विकासात्मक साझेदारी को जारी रखने और मजबूत करने के लिए तत्पर है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे गुरुवार को भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। भारत में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि श्रीलंका भारत की *नेबरहुड फर्स्ट* नीति और सागर (क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और विकास) विजन में एक विशेष स्थान रखता है। पिछले एक वर्ष में श्रीलंका को उसकी आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत का बहु-आयामी समर्थन,

श्रीलंका के साथ द्विपक्षीय संबंधों के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत जरूरत की घड़ी में हमेशा श्रीलंका के साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारी साझेदारी हमारे दोनों देशों और बड़े हिंद महासागर क्षेत्र के आम लोगों के लिए स्थायी और फायदेमंद है। दोनों नेताओं ने कहा कि भारत और श्रीलंका कई क्षेत्रों में कई प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं, और भारत-श्रीलंका विकास साझेदारी ने श्रीलंकाई लोगों के जीवन को सकारात्मक तरीके से प्रभावित किया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन मवेशियों की मौत

चिरांग (हिंस)। आकाशीय बिजली गिरने से तीन मवेशियों की मौत हो गई। यह घटना आज चिरांग जिले के सिदली राजस्व सर्किल के तहत बासुगांव शहर के पास शिलपाट गांव में हुई। आज सुबह करीब सात बजे गांव के मुगल हुसैन के घर पर अचानक जोरदार आवाज के साथ बिजली गिरी। बिजली गिरने से तीन गायों की तत्काल ही मौत हो गई। सौभाग्यवश घर के लोगों को कोई नुकसान नहीं हुआ। लेकिन, बिजली गिरने की तेज आवाज के कारण परिवार के सदस्यों को सुनने में तकलीफ पैदा हो गई। परिवार वालों को चिकित्सक के पास भेजा गया है। इस मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

Tender Notice

Tenders are invited from interested bidders for Supply of various categories of Linen at Nagaon Medical College & Hospital, Nagaon vide Tender Notice No: NagaonMC/38/2023-24/3307 dated 20.07.2023. Tenders must be submitted on or before 12 Noon of 08-08-2023. Detailed tender notice is available in the college website **www.nagaonmcassam.org.**

-- Janasanyog /C/7570/23

Sd/-
Principal cuin Chief Superintendent
Nagaon Medical College & Hospital, Nagaon

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
ORTHOPAEDIC SURGEON
DR. K. KRISHNAMOORTHY M.B., D.N.B.(ORTHO), D.ORTHO, MNAMS
Will be available only for consultation at **GUWAHATI CLINIC**
on **30th July'2023**
Patients suffering from Hip, Knee, Spine joint Problems and need Hip, Knee replacement surgery can register their names in advance at:
Apollo Clinic
Zoo Road, Chitraban Enclave, R.G. Baruah Road
Opp. NEXA & Café Cofee
Mob: **75779 44444, 70990 22721**

विश्व रिकॉर्ड बिहू प्रतिभागियों के लिए पुरस्कार समारोह आज

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय में शनिवार को सुबह 12.30 बजे आयोजित होने वाले एक समारोह में कामरूप जिले के बिहू प्रदर्शन के प्रतिभागियों को मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित किया हुआ प्रमाण पत्र और प्रत्येक को 25,000 रुपए से सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे बड़े बिहू नृत्य का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। यह कार्यक्रम अमीनगांव में एकीकृत उपायुक्त कार्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पर्यावरण एवं वन मंत्री चंद्रमोहन पटवारी के अलावा जिले के अंतर्गत सभी सांसद और विधायक शामिल होंगे। कामरूप जिले के सभी बिहुवा-बिहुवती को कार्यक्रम में शामिल होने का जिला प्रशासन की ओर से अनुरोध किया गया है। उल्लेखनीय है कि 11,339 बिहुआ नर्तकों की भागीदारी के साथ राज्य सरकार द्वारा एक मैदान प्रांगण में आयोजित सबसे बड़े बिहू नृत्य को गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में बीते 13 अप्रैल में दर्ज किया गया था। 14 अप्रैल को बिहू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में गुवाहाटी के सरोशजाई स्टेडियम में आयोजित किया गया था। राज्य सरकार ने इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहना के संकेत के रूप में कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रत्येक बिहुआ-बिहुवती को 25,000 रुपए का पारिश्रमिक और एक प्रमाण पत्र देने का निर्णय लिया है। पुरस्कार और प्रमाणपत्र असम के हर जिले में वितरित किए जाएंगे। यह कार्यक्रम कल कामरूप जिले में आयोजित किया जाएगा। समारोह में जिले के कुल 615 बिहुआ-बिहुवाती को प्रमाण पत्र और पारिश्रमिक से सम्मानित किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय मिलिंग और बेकिंग तकनीकी सम्मेलन का सफल समापन

गुवाहाटी। व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) ने 20 जुलाई से 21 जुलाई, 2023 तक दो महत्वपूर्ण दिनों तक चलने वाले अपने अभूतपूर्व अंतर्राष्ट्रीय मिलिंग और बेकिंग तकनीकी सम्मेलन का गुवाहाटी, असम में सफलतापूर्वक समापन किया। सम्मेलन में महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने और गेहूं आधारित उद्योगों के भविष्य का पता लगाने के लिए भारत, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के उद्योग विशेषज्ञों, विशेषज्ञों और प्रमुख व्यक्तियों को एक साथ लाया गया। पहले दिन की मुख्य बातें : सम्मेलन की शुरुआत उद्घाटन सत्र से हुई, जिसमें भारी उत्साह और उत्साह देखा गया। प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने क्षेत्र में गेहूं आधारित उद्योगों को आगे बढ़ाने में सम्मेलन के महत्व पर जोर देते हुए अपने संबोधन दिए असम रोलर फ्लोर मिल्स एसोसिएशन के मानद महासचिव दीपक मोरे ने उद्योग के भीतर नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सम्मेलन की क्षमता पर प्रकाश डालते हुए सभी उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया। व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) के अध्यक्ष अजय गोयल ने सम्मेलन के दृष्टिकोण और उद्देश्यों को साझा किया, जबकि सम्मानित अतिथि, असम औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक, मानवेंद्र प्रताप सिंह, आईएएस, ने क्षेत्र में गेहूं आधारित उद्योगों की वृद्धि और विकास के लिए सरकार का समर्थन व्यक्त किया। उद्घाटन सत्र में प्रतिष्ठित डब्ल्यूपीपीएस पुरस्कार प्रस्तुतियां भी हुईं, जिसमें गेहूं आधारित उद्योगों की प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। सीएसआईआर-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर की निदेशक डॉ. श्रीदेवी अन्नपूर्णा सिंह ने खाद्य प्रौद्योगिकी में प्रगति और भविष्य की खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने में गेहूं आधारित उत्पादों की भूमिका पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की। व्हीट प्रोडक्ट्स प्रमोशन सोसाइटी (डब्ल्यूपीपीएस) के अध्यक्ष श्री अजय गोयल ने सम्मेलन के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि हम डब्ल्यूपीपीएस-मिलिंग और बेकिंग तकनीकी सम्मेलन में अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने के लिए दुनिया भर के विशेषज्ञों को एक साथ लाने के लिए रोमांचित हैं। यह आयोजन गेहूं आधारित उद्योगों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने, नवाचार और सहयोग के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करेगा। हम सार्थक चर्चाओं और मूल्यवान नेटवर्किंग अवसरों की आशा करते हैं। इन चर्चाओं और विश्लेषणों के आधार पर, सम्मेलन के प्रतिभागियों ने भारत में गेहूं आधारित उद्योगों की सतत वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशों की एक श्रृंखला प्रस्तावित की : 1. एकीकृत बहु-क्षेत्रीय फोकस: गेहूं की आवश्यकताओं में भारी वृद्धि को देखते हुए, केंद्र और राज्य सरकार दोनों स्तरों पर शुरू से अंत तक अनुपालन को संबोधित करने के लिए एक एकीकृत बहु-विषयक संगठन बनाया जाना चाहिए। यह संगठन बढ़ती आबादी के लिए गेहूं के माध्यम से पर्याप्त भोजन और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। 2. भारतीय गेहूं बोर्ड की स्थापना: आपूर्ति श्रृंखला के सभी स्तरों के प्रतिनिधियों के साथ एक समर्पित कमोडिटी निकाय, भारतीय गेहूं बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए। यह निकाय एक थिंक टैंक और नीति सलाहकार इकाई के रूप में काम करेगा, जो भारत में गेहूं के उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण और उपयोग में स्वस्थ वृद्धि सुनिश्चित करेगा।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
UROLOGIST
Dr Nitesh Jain MBBS, MS(Gen Surg), M.Ch (Urology)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
ON 29th July'2023
Patients suffering from frequency of urine, Urinary incontinence, Bladder problems, Kidney stones & any renal stone, Sexual problems and Prostate enlargement etc may register their names in advance at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph : 8404037649, 03613102669, 0361-3102166

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
SPINE SURGEON
DR.MURULIDHARAN V MRCS(UK), MCh(Orth)(UK), FRCS (Trm& Orth) (UK) Fellow spine Surg(Nottingham)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
ON 30th July'2023
Patient seeking treatment for Cervical (Neck) Upper back, Lumbosacral(Lower back) pain & problems. Degeneration, Fracture, Infection & Tumos of Spine. Correction of Spine deformity in adult / children(Scoliosis / Kyphosis) or any Spinal problems can register their names at:
Apollo Clinic
ABODE GRAND, Opp Downtown Hospital
G.S.Road Dispur Guwahati
Ph: 7664812001, 7663812002

पृष्ठ एक का शेष

परिसीमन पर चुनाव...

राज्य में कांग्रेस, असम जातीय परिषद, सीपीआई (एम), रायजोर दल, सीपीआई, जातीय दल असम, एनसीपी, राजद, जनता दल (यू), टीएमसी, सीपीआई (एमएल) और अन्य शामिल हैं, और कई पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने भी सुनवाई में भाग लिया। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि कई संगठनों ने 2001 की जनगणना के आधार पर मसौदा प्रस्ताव का स्वागत किया तथा मसौदे से काफी हद तक संतुष्ट थे। इसमें कहा गया है कि अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों को 8 से बढ़ाकर 9 और अनुसूचित जनजाति (एसटी) विधानसभा सीटों को 16 से बढ़ाकर 19 करने का विभिन्न संगठनों ने व्यापक स्वागत किया है। साथ ही बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के तहत चार जिलों और तीन स्वायत्तशासी परिषद के लोगों और संगठनों ने भी प्रस्ताव का स्वागत किया। हालांकि, डिमा हसाओ, पश्चिम कार्बी आंग्लांग और कार्बी आंग्लांग जिलों में विधानसभा सीटों को और बढ़ाने की मांग की गई थी तथा बीटीआर के लोगों ने उदालगुड़ी और बाक्सा जिलों के लिए एक और एसटी संसदीय सीट बनाने की भी मांग की थी। यदि ऐसा नहीं होता है तो कम से कम दरंग लोकसभा सीट का नाम बदलकर उदालगुड़ी कर दिया जाए। उधर बराक घाटी के कुछ अभ्यावेदन ने करीमगंज के संसदीय क्षेत्र को अनारक्षित करने का स्वागत किया, हालांकि कई अभ्यावेदन ने मांग की कि घाटी में विधानसभा सीटों को 13 से 15 तक बहाल किया जाना चाहिए। हालांकि, कुछ अभ्यावेदन ने अभ्यास के समय पर सवाल उठाया, जबकि अन्य ने अपनाई गई पद्धति की बेहतर समझ की अनुमति देने के लिए इसे स्थगित करने की मांग भी की। वहीं निचले असम, मध्य असम और बराक घाटी जिलों के कुछ संगठनों ने भी निर्वाचन क्षेत्रों की सघनता, निकटता बनाए रखने और जहां तक संभव हो प्रशासनिक इकाइयों को बरकरार रखने का अनुरोध किया। कई संगठनों ने क्षेत्र के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और जातीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए कुछ संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के नामकरण में बदलाव का भी अनुरोध किया। शिबसागर जिले के कई लोगों ने ऐतिहासिक और राजनीतिक महत्व का हवाला देते हुए अपने जिले में आमगुरी विधानसभा क्षेत्र की बहाली के लिए अभ्यावेदन प्रस्तुत किया। ईसी बीच यूनाइटेड विपक्षी फोरम असम ने आयोग को अवगत कराया कि उसने परिसीमन प्रस्ताव के मसौदे को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है और मामला 25 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि कई अभ्यावेदन पूरी तरह से आकांक्षात्मक थे और अभ्यास की सीमा से परे कई मुद्दों को भी उठाया गया। मालूम हो कि कुमार, चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे और अरुण गोयल के साथ बुधवार को जन सुनवाई करने के लिए यहां पहुंचे थे। पहले दिन, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, पश्चिम कार्बी आंग्लांग, चिरांग, बाक्सा, डिमा हसाओ, कामरूप, उदालगुड़ी, कार्बी आंग्लांग और कोकराझार जिलों के सुझाव स्वीकार किए गए। ग्वालपाड़ा, बंगाईगांव, बरपेटा, नलबाड़ी, शोणितपुर, करीमगंज, दरंग, हैलाकांदी, कछार, दक्षिण शालमारा, नगांव, मोरीगांव और धुबड़ी के मसौदे पर प्रतिक्रिया दूसरे दिन अर्थात गुरुवार को सुनी गई। आज अंतिम दिन ईसीआई ने तिनसुकिया, धेमाजी, लखीमपुर, शिवसागर, जोरहाट, डिब्रूगढ़, चराइदेव, गोलाघाट और माजुली जिलों से प्रार्थनाएं सुनीं। गौरतलब है कि असम में अंतिम परिसीमन प्रक्रिया 1971 की जनगणना के आधार पर 1976 में हुई थी। परिसीमन की पूरी प्रक्रिया के खिलाफ कई राजनीतिक दलों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। ईसीआई ने 20 जून को असम में विधानसभा सीटों की संख्या 126 और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 14 बरकरार रखते हुए परिसीमन के मसौदे को अधिसूचित किया था। राज्य में सात राज्यसभा सीटें हैं। मसौदे के अनुसार, अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा सीटों को आठ से बढ़ाकर नौ और अनुसूचित जनजाति के लिए 16 से बढ़ाकर 19 कर दिया गया है। संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के लिए, एसटी श्रेणी के तहत दो और एससी समुदाय के लिए एक प्रस्तावित किया गया है। चुनाव आयोग ने विधानसभा और लोकसभा दोनों ही निर्वाचन क्षेत्रों की भौगोलिक सीमाओं को बदलने की भी योजना बनाई है, जबकि कुछ सीटें खत्म कर दी जाएंगी और कुछ नई सीटें बनाई जाएंगी।

जीएसटी अपनाने के ...

बढ़कर 3,036 करोड़ रुपए और बाद का 587.21 करोड़ रुपए से 2,078 करोड़ रुपए हो गया है। सीतारमण के अनुसार, जीएसटी ने प्रणाली में जबरदस्त सुधार लाया है, इससे अंततः लोगों को भी लाभ हुआ है। पूर्वोत्तर में 25 परिचालन भूमि सीमा शुल्क स्टेशन (एलसीएस) हैं, इनमें से 15 में इलेक्ट्रॉनिक सुविधाएं हैं। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया कि दिसंबर तक सभी एलसीएस कम्प्यूटरीकृत उपकरणों से लैस हो जाएंगे, जो तस्करी का पता लगाने और रोकने में सहायता करेंगे। सीतारमण असम और त्रिपुरा के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

मणिपुर की घटना ने ...

इस घटना का वर्णन करने के लिए कोई भाषा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में कार्रवाई करने की प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि दोषियों को उचित सजा मिलेगी। मणिपुर में हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दो महिलाओं को पुरुषों के एक समूह द्वारा नग्न करते और प्रताड़ित करते हुए देखा जा सकता है। यह घटना 4 मई की है। यह घटना इसलिए प्रकाश में नहीं आई, क्योंकि मणिपुर में सांप्रदायिक झड़पों के मद्देनजर इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। बुधवार को सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद देश भर के लोगों को इस जघन्य कृत्य के बारे में पता चला। देशवासियों ने इस घटना की कड़ी आलोचना की है। इस बीच, प्रधानमंत्री ने गुरुवार से शुरू हुए संसद के मानसून सत्र से पहले मणिपुर में हुई घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और इसे शर्मनाक करार दिया। उन्होंने दोषियों को उचित सजा देने का भी आदेश दिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने ...

तथा सीबीआईसी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि इस भवन को वर्ष 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने मंजूरी दी थी, जिसे वर्ष 2022 में केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को सौंपा गया। अगरतला के मंत्रीबारी रोड पर 3000 वर्ग मीटर यानी 0.71 एकड़ भूमि पर बने शानदार जीएसटी भवन के निर्माण पर 28 करोड़ रुपए की लागत आई है। नवनिर्मित जीएसटी सेवा केंद्र में सीजीएसटी अगरतला कमिश्नरेट का कार्यालय भी रहेगा।

राज्य में शांति कायम...

अपराधियों को सजा दी जाए। मणिपुर के सीएम ने बताया कि घटना के सिलसिले में अब तक मुख्य आरोपी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार दोषियों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करेगी। सभी दलों के विपक्षी नेताओं ने मणिपुर की घटना पर आक्रोश व्यक्त किया है और संसद के मौजूदा मानसून सत्र में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर दोनों सदनों में बार-बार व्यवधान देखा गया। घटना पर विपक्ष के उग्र विरोध-प्रदर्शन पर सिंह ने कहा कि मणिपुर में लोग सभी महिलाओं के साथ उसी तरह व्यवहार करते हैं जैसे वे अपनी माताओं और बहनों के साथ करते हैं और अपराध को कभी नजरअंदाज नहीं करते। उन्होंने आगे कहा कि इससे पता चलता है कि मणिपुर में राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन क्यों हो रहे हैं। सीएम ने कहा कि वायरल वीडियो सामने आने के बाद से हर कोई आक्रोश में है।

मणिपुर : मुख्य आरोपी...

अमानवीय कृत्य के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार लोगों में इस शर्मनाक घटना का मुख्य आरोपी 30 वर्षीय हुइरेम हेरोडास तथा याइरीपाक का विष्णु नाहा शामिल है। इसके अलावा वायरल वीडियो रिकॉर्ड करने वाले युमलेम्बम जीवन को भी पुलिस नोंगपोक सेकमाई से गिरफ्तार कर चुकी है। मुख्य आरोपी हुरेम हेरोडस याइरीपाक थाना अंतर्गत पेसी अवांग लेइकाई में अपनी मां के साथ रहता है और शादीशुदा है। पता चला है कि ग्रामीणों की एक बैठक में महिलाओं के खिलाफ इस तरह के जघन्य अपराधों में शामिल होने वाले आरोपी हेरोदास को उसके परिवार के साथ गांव पेसी अवांग लेइकाई से बाहर निकालने का भी निर्णय लिया है। पेसी गांव के लोगों ने पेसी युवा विकास क्लब मैदान में एक जनसभा कर इस अमानवीय घटना की निंदा की। पुलिस इस घटना में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए कोशिश कर रही है। पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में आरोपीं की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही अन्य आरोपीं को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उधर मणिपुर मामले के चारों आरोपियों को 11 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। मणिपुर पुलिस ने इसकी जानकारी दी है। बता दें कि ये घटना चार मई की है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से संसद से सड़क तक हंगामा हो रहा है। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया दी है। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच एक वीडियो सामने आया है, जिसमें महिलाओं को नग्न करके घुमाया जा रहा है। यह घटना राज्य की राजधानी इंफाल से लगभग 35 किलोमीटर दूर कांगपोकपी जिले के गांव बी. फीनोम में हुई। ग्राम प्रधान द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, चार मई को शाम लगभग तीन बजे 900-1000 की संख्या में कई संगठनों से जुड़े हथियारबंद लोग बी. फीनोम गांव में जबरदस्ती घुस आए। हिंसक भीड़ ने पहले सभी घरों में तोड़फोड़ और आगजनी की। बाद में इसी भीड़ द्वारा यहां की तीन महिलाओं को उनके कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया और भीड़ के सामने निर्वस्त्र कर दिया गया। हैवानियत यहीं सीमित नहीं रही, एक 21 साल की लड़की का दिन दहाड़े बेरहमी से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इसी दौरान बहन को बचाने आए 19 वर्षीय छोटे भाई की मौके पर ही हत्या कर दी गई। हालांकि, पीड़िता कुछ लोगों की मदद से मौके से भागने में सफल रहीं। वहीं वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कल चार आरोपियों की गिरफ्तारी की।

अधिवक्ता संगठन ने ...

कार्रवाई करने की मांग करते हुए नारे लगाए। यूनियन की ओर से सुप्रीम कोर्ट के सामने सभा का आयोजन किया। सभा को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के अखिल भारतीय महासचिव और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील पीवी सुरेंद्रनाथ ने कहा कि मणिपुर में कानून का शासन खत्म हो चुका है। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बढ़ रहे हैं। राज्य पिछले ढाई महीने से हिंसा की चपेट में है। यूनियन के दिल्ली राज्य इकाई के सचिव वकील सुनील कुमार ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार हिंसक और बर्बर वारदात में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। महिला वकीलों में खासा रोष है, यही वजह है कि वे आज सड़कों पर उतरी हैं। एफआईआर 18 मई को दर्ज की गई, लेकिन जब तक इसका वीडियो वायरल नहीं हुआ तब तक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। केंद्र और राज्य सरकार मूकदर्शक बनी रहीं। सभा को ऑल इंडिया लॉयर्स यूनियन के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष और वकील सोमदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया।

पीएम आज 70...

व विभागों में नियुक्त किये जाएंगे। प्रधानमंत्री की रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में रोजगार मेला एक कदम है। आशा है कि रोजगार मेला भविष्य में रोजगार सृजन में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को उनके सशक्तीकरण और राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। बयान के अनुसार नवनियुक्त व्यक्तियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक ऑनलाइन मॉड्यूल *कर्मयोगी प्रारंभ* के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिल रहा है, जहां 580 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम *एनीव्हेयर एनी डिवाइस* शिक्षण प्रारूप के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

लोकसभा की कार्यवाही...

संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि मणिपुर संवेदनशील मुद्दा है। सरकार इस पर चर्चा के लिए तैयार है और इससे पहले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी सरकार की ओर से आश्वासन दिया है। इसके बाद भी हंगामा जारी रहने पर कार्यवाही को सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि विपक्षी दल मणिपुर को केवल राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं और इस पर चर्चा नहीं चाहते। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए विपक्ष ने प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग की। अध्यक्ष ओम बिरला के कहने पर सरकार की ओर से राजनाथ सिंह ने आश्वासन दिया कि सरकार मणिपुर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना बेहद संवेदनशील है और प्रधानमंत्री ने स्वयं इसकी निंदा करते हुए कठोर कारवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ दल मणिपुर पर चर्चा करना ही नहीं चाहते। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय है। सरकार चर्चा के लिए तैयार है, ऐसे में विपक्ष को सहयोग देना चाहिए।

ज्ञानवापी मामला : वजूखाने ...

ज्ञानवापी परिसर में मिले शिवलिंग की कार्बन डेटिंग का आदेश दिया है। इसके बाद 19 मई को मंदिर पक्ष ने जिला वाराणसी की अदालत में पूरे ज्ञानवापी परिसर के वैज्ञानिक विधि से जांच की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दिया था। उनका कहना था कि ज्ञानवापी के उस हिस्से जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सील है को छोड़कर पूरे परिसर की वैज्ञानिक विधि से जांच की जानी चाहिए। इसके लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को आदेश देने की मांग किया। इसका विरोध करते हुए मस्जिद पक्ष ने अदालत में कहा कि इससे वहां मौजूद मस्जिद को नुकसान पहुंचेगा। इससे मुकदमे का महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रभावित होगा। उनका कहना था कि बीते वर्ष मई माह में पांच दिन एडवोकेट कमिश्नर की कार्यवाही हुई जिसकी रिपोर्ट अदालत में दाखिल है। इस पर अभी तक चर्चा नहीं हो सकी है। ऐसे में एक और सर्वे की मांग को खारिज किया जाना चाहिए।

मांडविया ने केंद्रीय ...

उपाय किए हैं। नकली और मिलावटी दवाओं के निर्माण के लिए कड़े दंड का प्रावधान करने के लिए औषधि और प्रसाधन सामग्री (संशोधन) अधिनियम 2008 के तहत औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 में संशोधन किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ अपराधों को संज्ञेय और गैर-जमानती भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत अपराधों के त्वरित निपटान के लिए विशेष अदालतें स्थापित की हैं। मांडविया ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) में स्वीकृत पदों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। दवाओं की प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए, ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स नियम, 1945 में संशोधन किया गया है, जिसमें प्रावधान किया गया है कि आवेदकों को कुछ दवाओं के मौखिक खुराक के निर्माण लाइसेंस के अनुदान के लिए आवेदन के साथ जैव-समतुल्यता अध्ययन का परिणाम प्रस्तुत करना होगा। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में संशोधन करके यह अनिवार्य कर दिया गया है कि विनिर्माण लाइसेंस देने से पहले, विनिर्माण प्रतिष्ठान का केंद्र सरकार और राज्य सरकार के औषधि निरीक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया जाएगा। मंत्री ने कहा, नियमों में संशोधन किया गया है, जिससे यह अनिवार्य हो गया है कि आवेदकों को प्राधिकरण द्वारा विनिर्माण लाइसेंस देने से पहले राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण को स्थिरता, सहायक पदार्थों की सुरक्षा आदि का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

चाकू-असलहा लेकर ...

के कई पहचान पत्र रखे थे। वह मुख्यमंत्री से मिलना चाहता था। यह एक गंभीर मुद्दा है। हम यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उसकी वास्तविक मंशा क्या थी। उसकी कार जब्त कर ली गई है। गोयल ने बताया कि व्यक्ति बेतुकी बातें कर रहा है। घटना कोलकाता के मध्य में *शहीद दिवस* रैली स्थल के लिए तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो के अपने कालीघाट स्थित आवास से रवाना होने से कुछ घंटे पहले हुई। उसकी कार में हथियार भी मिले हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने शुक्रवार को उन 13 बहादुर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने लोकतांत्रिक अधिकारों को बनाए रखने के लिए विरोध प्रदर्शन के दौरान अपनी जान गंवा दी थी। पार्टी ने ट्विटर पर कहा कि तीन दशक पहले, 21 जुलाई 1993 में उन 13 निडर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र के लोकाचार को बनाए रखने के लिए लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

मैं तो सुपरमैन...

इससे उसे गंभीर चोटें आई हैं। इस घटना से स्कूल में हड़कंप मच गया और आनन-फानन उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहीं, बताया जा रहा है कि बिल्डिंग से छलांग लगाने वाला बच्चा 8 साल का है और तीसरी कक्षा में पढ़ता है। घटना बुधवार की बताई जा रही है। जब दोपहर करीब 1 बजे स्कूल की पहली मंजिल पर बच्चा खड़ा था और वहां से नीचे स्केटिंग कर रहे बच्चों को देख रहा था। इसी दौरान बच्चा रेलिंग के पास मौजूद कूड़ेदान को पलट देता है और उसके ऊपर चढ़कर छज्जे की जाली पर खड़ा हो जाता है। जब तक नीचे मौजूद लोग कुछ समझ पाते तब तक बच्चे ने बिल्डिंग से छलांग लगा दी।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

सहज योग एक योग है, सब योगन शिरताज।
प्रकृति असंग उड़ाव है, पिपिल कपिल गति त्याज॥ 37॥

शब्दार्थ : (शिरताज) शिरमौर्य (असंग) अलग, संगरक्षित (उड़ा

काजीरंगा के रंगाजान में भीषण सड़क हादसा, दो घायल

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बीच से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर रंगाजान में हुए एक भीषण सड़क हादसा में एक टैंकर का चालक और हैंडीमैन गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों आज बताया है कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब गुरुवार की रात तेल टैंकर के चालक ने टैंकर पर से नियंत्रण खो दिया और टैंकर एक पेड़ से जा टकराया। टैंकर का चालक एक पेड़ के नीचे काफी देर तक फंसा रहा। हादसे में चालक समेत दो लोग घायल हो गए। जोरहाट की ओर से आने वाले तेल टैंकर (एनएल-01एल-6595) और पेड़ के बीच फंसे हुए ड्राइवर को काफी देर बाद बाहर निकाला गया और अस्पताल भेजा गया। इस संदर्भ में पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

ओएनजीसी के तेल क्षेत्र में लगी आग से फैली दहशत

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर के नाजिरा अंतर्गत गेलेकी में आज लगी भीषण आग को लेकर आसपास के ग्रामीणों के बीच दहशत फैल गई। ओएनजीसी के तेल क्षेत्र में लगी इस आग ने तुरंत ही भयानक रूप ले लिया। जानकारी के अनुसार यह घटना सरकिना में ओएनजीसी के एसके पेट्रो के रीग में हुई। आग लगने से बड़े नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

पांच करोड़ रुपए के हेरोइन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव पुलिस ने भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों की पहचान डबका निजामुद्दीन, धिंग के सद्दाम हुसैन और मोरीगांव के सानू शेख के रूप में की गई है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि नगांव पुलिस की टीम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय (नगांव) के नेतृत्व में एक अभियान चलाकर भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों के पास से 800 ग्राम ड्रग्स जब्त किया गया। बरामद ड्रग्स 60 साबुनदानी में छिपा कर रखा गया था। जब्त किए गए ड्रग्स की कीमत लगभग 5 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों शातिर तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है। भयावह आग में लाखों की संपत्ति जली तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के पेंगेरी बरडुमसा के निकटवर्ती 1 नंबर नयाकुजू गांव निवासी नीलकांत सैकिया के घर में अचानक लगी भयावह के चलते अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, इस हादसे में परिवार के तीनों सदस्यों की जान बच गई। पुलिस द्वारा आज दी गई खबरों के मुताबिक, रसोई गैस का रिसाव होने के कारण लगी आग ने देखते ही देखते भयावह रूप ले लिया। आग में घर का सारा सामान, दस्तावेज, रुपये, पालतू मुर्गियां, भंडार किए गए धान के साथ-साथ लाखों रुपए की किराना दुकान की वस्तुएं जलकर राख हो गई। आग से घर के आसपास के तामूल-पान, फलों के पेड़ और सब्जियां भी क्षतिग्रस्त हो गईं। दावा किया गया है कि हादसे में लगभग 45-50 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मणिपुर घटना के विरुद्ध महिला कांग्रेस का प्रदर्शन

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन के साथ ही अन्य जिलों में भी आज मणिपुर की घटना को लेकर महिला कांग्रेस ने विरोध जताया। साथ ही इस घटना के लिए केंद्र और राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया। राजीव भवन में जिला महिला कांग्रेस कमेटी (डीएमसीसी) के सदस्यों ने सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। इस कड़ी में दरंग जिला महिला कांग्रेस ने भी मणिपुर की घटना की कड़ी निंदा की है। महिला कांग्रेस ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। दरंग जिले में महिला कांग्रेस के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने मंगलदै के सरकार चौक पर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-15 को अवरुद्ध कर दिया। मणिपुर की घटना के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने केंद्र सरकार और मणिपुर राज्य सरकार के विरुद्ध जमकर नारे लगाए। ज्ञात हो कि गुवाहाटी में भी

हेरोइन समेत दो महिला गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने हेरोइन की तस्करी मामले में शामिल दो महिला ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान हसीना बेगम (धुबड़ी) और आसमा बेगम (हातीगांव) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के पास से 25 प्लास्टिक के छोटे-छोटे सीसी में भरकर रखे गए हेरोइन बरामद किया गया है। बरामद हेरोइन का वजन लगभग 34.75 ग्राम बताया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के पास से दो मोबाइल फोन भी किया गया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों महिलाओं से पूछताछ कर रही है।

मणिपुर की घटना : केंद्र और राज्य सरकार के विरुद्ध युवा कांग्रेस ने की नारेबाजी

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश युवा कांग्रेस ने मणिपुर हिंसा और दो महिलाओं को नग्न कर सड़क पर घुमाने की घटना का विरोध करते हुए आज भाजपा नेतृत्वाधीन केंद्र सरकार और मणिपुर सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस ने आज (शुक्रवार) को इटानगर स्थित कांग्रेस भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का पुतला जलाया। इस अवसर पर बोलते हुए, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष तार जॉनी ने मणिपुर हिंसा पर चुप्पी साधने के लिए केंद्र सरकार पर सवाल उठाया। घटना की निंदा करते हुए युवा कांग्रेस ने कहा कि मणिपुर पिछले दो महीनों से जल रहा है और महिलाएं असुरक्षा महसूस नहीं कर रही हैं। युवा कांग्रेस ने कहा कि प्रदर्शनकारियों द्वारा महिलाओं को सड़क पर नग्न घुमाया गया, लेकिन देश के प्रधान मंत्री और गृह मंत्री अभी भी चुप्पी साधे हुए हैं। साथ कहा कि हमारा विरोध प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मणिपुर के मुख्यमंत्री को जगाने के लिए है।

बेटी को ट्रेन में चढ़ाने स्टेशन आई महिला की मौत

बरपेटा (हिंस)। अपनी बेटी को ट्रेन में चढ़ाने स्टेशन पहुंची महिला की हुई मौत से सनसनी फैल गई है। पुलिस सूत्रों आज बताया है कि गुरुवार की रात बरपेटा स्टेशन पर मृतक महिला अपनी बेटी को विदा करने के लिए आई थी। दिल्ली के लिए रवाना होने वाली गाड़ी पर बेटी के साथ मृतक महिला भी चढ़ गई थी। गाड़ी खुलने के बाद जल्दबाजी में आकर चलती ट्रेन से उतरते हुए महिला गिर गई। उसी समय ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान सूरातन नेसा के रूप में हुई है। मृतक महिला का घर गोवर्धना में बताया गया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इस संदर्भ में पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

एसएसबी ने किया स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) रानीघुली के कार्यकारी कमांडेंट लोकेश कुमार सिंह ने नेतृत्व में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मानव के साथ-साथ पशुओं का भी जांच की गई। कार्यक्रम का आयोजन एसएसबी के द्वितीय कमान अधिकारी के मार्गदर्शन व डॉ. सौम्या हलदर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. ई. चौबा सिंह, कमांडेंट, पशु चिकित्सा तथा संजीव कुमार उपकमांडेंट के नेतृत्व में किया गया। सीमा चौकी नाहारानी (जो कोकराझाड़ जिले के अंतर्गत है) में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत वहां के सुदूर सीमाई क्षेत्र में रह रहे नागरिकों एवं पशुओं के लिए चलाया गया। इस नागरिक कार्यक्रम का उद्घाटन सीमाई नागरिकों की उपस्थिति में एसएसबी के डॉ. ई चौबा सिंह, कमांडेंट, पशु चिकित्सा के द्वारा किया गया। वहीं एसएसबी के डॉ. सौम्या हलदर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि एसएसबी द्वारा समय-समय पर नागरिकों के साथ संवाद स्थापित करने और सीमा क्षेत्र के ग्रामीणों को उनके घर तक मानव एवं पशु चिकित्सा सुविधा प्रदान करने तथा उनके साथ समन्वय बनाने के लिए इस तरह

के शिविरों का आयोजन किया जाता रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सीमाई क्षेत्र के कुल 39 ग्रामीणों एवं 20 पशुओं को जांच कर दवाईयां उपलब्ध करवाई गई।

पार्वती नाथ कांवड़ संघ, नगांव के सौ कांवड़ियां बाबा धाम के लिए रवाना

नगांव (निसं)। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी देवघर स्थित बाबाधाम में पावन गंगाजल का कांवड़ चढ़ाने के लिए पार्वती नाथ कांवड़ संघ के बैनर तले तकरीबन 100 कांवड़ियों का जत्था आज नगांव से बाबाधाम के लिए रवाना हुआ। बोलबम के जयकारों से आज गुवाहाटी रेलवे स्टेशन भक्ति के वातावरण में तब्दील हो गया। गगनभेदी बोल बम के नारों के बीच पार्वती नाथ कांवड़ संघ के भक्त पूरे श्रद्धा भाव से ब्रह्मपुत्र मेल से आज सुल्तानगंज के लिए रवाना हो गए। आगामी 23 जुलाई को सुल्तानगंज से पतित पावनी गंगा जल अपने कावड़ में भरकर पैदल यात्रा करते हुए 28 जुलाई को बाबाधाम में कांवड़ियों का जत्था भोले शंकर को जल चढ़ाएंगे। उल्लेखनीय है कि पैदल यात्रा के दौरान प्रत्येक पड़ाव में भक्तिमय माहौल के बीच पंडित लीलाधर शर्मा के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच

भोले बाबा का रुद्राभिषेक किया जाएगा। साथ ही धनबाद के प्रख्यात भजन गायिका अर्चना सिंह और भजन गायक तरुण कुमार अपने भजनों के माध्यम से कांवड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। यह पूरा कार्यक्रम पार्वती नाथ कांवड़ संघ के अध्यक्ष पवन आलमपुरिया के नेतृत्व में संपन्न होगा। बोलबम के पावन वातावरण के बीच पार्वती नाथ कांवड़ संघ कांवड़ियों के लिए प्रत्येक पड़ाव में ठहरने और भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई है। कांवड़ यात्रा को लेकर शिवभक्तों में काफी उत्साह का माहौल है। इन सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अनीता आलमपुरिया, गरीमा आलमपुरिया, सुमित चांदगोठिया, दिनेश केजरीवाल,अजय शर्मा,भरत चौरसिया, प्रवेश जैन तथा हरी जितानी पूरी व्यवस्था को देख रहे हैं, जिससे कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। उल्लेखनीय है कि हर साल पार्वती नाथ कांवड़ संघ अपनी कांवड़ यात्रा को लेकर महीने भर पहले से ही तैयारी में जुट जाती है। इस बार भी शिवभक्तों के बीच काफी उत्साह का माहौल बना हुआ है।

काराईखैती हाई स्कूल में पूर्व छात्र का मिलन समारोह

नगरबेड़ा (विभास) बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कराईखैती हाई स्कूल के साथ संलग्न फकड़ उद्दीन अली अहमद एमई मदरसा, नंबर 1706 कराईखैती पूर्वपाड़ा प्राथमिक विद्यालय और आलोपति मध्यपाड़ा प्राइमरी स्कूल के नंबर 1222 एलुमनाई कांफ्रेंस माइन आयोजित किया जाएगा। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष काजी हायेत अली और स्कूल प्रमुख बाबर अली के आह्वान पर एक आम सभा की बैठक आयोजित की जाएगी। इसलिए, स्कूल के सभी पूर्व छात्रों के साथ-साथ स्कूल से पहले से जुड़े हर स्कूल ने सम्मेलन के हर कार्यक्रम में ईमानदारी से अपनी उपस्थिति और समर्थन करने की मांग किया है।

सिक्किम तक पहली बार पहुंचेगी रेल सेवक-रंगपो रेल परियोजना 55 फीसदी पूरी

गुवाहाटी (हिंस)। सेवक-रंगपो नई रेल लिंक रेलवे परियोजना पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। भारतीय रेल की राजधानी कनेक्टिविटी परियोजनाओं के तहत पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों की राजधानियों को जोड़ने के लिए नई रेलवे लाइनों का निर्माण चल रहा है। अन्य कनेक्टिविटी परियोजनाओं में सिक्किम और देश के बाकी हिस्सों के बीच रेल संपर्क स्थापित करने के लिए सेवक-रंगपो नई रेल लिंक रेलवे परियोजना का कार्य भी तेजी से चल रहा है। सेवक-रंगपो परियोजना ने अब तक 55 प्रतिशत भौतिक प्रगति हासिल की है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने शुक्रवार को बताया है कि सेवक-रंगपो रेल लाइन परियोजना की कुल लंबाई 44.96 किमी (पश्चिम बंगाल में 41.55 किमी और सिक्किम में 3.41 किमी) है। 44.96 किमी की कुल लंबाई में 38.623 किमी (86 प्रतिशत) सुरंगों में, 2.24 किमी (5 प्रतिशत) ब्रिजों में और 4.79 किमी (9 प्रतिशत) स्टेशन यार्ड के ओपेन कटिंग/फिलिंग में है। सुरंग निर्माण कार्यों के लिए न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) को अपनाया गया है। 30.11 किमी सुरंग खनन का कार्य और 4.2 किमी सुरंग लाइनिंग का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। प्रस्तावित लाइन में 14 सुरंगें हैं, इनमें सबसे लंबी सुरंग 5.30 किमी और सबसे छोटी सुरंग 538 मीटर लंबी है।

आदिवासी वेलफेयर डेवलपमेंट काउंसिल के कार्यकारी सदस्यों का अभिनंदन कार्यक्रम

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के डालाबाड़ी पार्ट 2 के सिंदालीझोरा खेल मैदान में अखिल असम आदिवासी डेवलपमेंट काउंसिल के कार्यकारी सदस्यों का अभिनंदन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत झंडा फहरा कर काउंसिल के सवागत समिति के अध्यक्ष पिटू उरांग ने किया। इसके बाद शहीद तर्पण समाजसेवी डीएन भगत ने किया। इस मौके पर पौधा रोपण कार्यक्रम में अध्यापक उदय उरांग ने किया। तत्पश्चात एक खुली सभा आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आदिवासी वेलफेयर डिप्लोमेन काउंसिल के चेयरमैन अशीम हासदा उपस्थित थे। इसके अलावा कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित आदिवासी वेलफेयर डेवलपमेंट काउंसलि के प्रमुख दुर्गा हासदा, वाईस चैयरमेन सुभाष तिर्की, कार्यकारी सदस्य अमृत बेक, जागीर सोरेन, तिर्की टुडू, मंडल हासदा सहित सभी कार्यकारी सदस्य उपस्थित थे। वहीं बीटीसी के कार्यकारी सदस्य अरुप दे भी मौजूद थे। इन सभी उपस्थित अतिथिओं का सम्मान किया गया। सभी उपस्थिति अतिथियो ने मंच सांझा किया।

सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा के अध्यक्षीय चुनाव आज

गुवाहाटी। मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा के सत्र 2023-- 25 के लिए अध्यक्षीय प्रणाली के चुनाव आज शनिवार को सांगानेरिया धर्मशाला में संपन्न होंगे। चुनाव अधिकारी किरण तापड़िया ने बताया कि दोपहर 12.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक सम्मेलन महिला शाखा की 299 सदस्याएं अपना मताधिकार का प्रयोग करेंगीं। इस चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए संतोष शर्मा और सुनीता भीलवाड़िया दो उम्मीदवार मैदान में है। सह चुनाव अधिकारी रेनू चौधरी और संतोष काबरा ने संयुक्त रूप से बताया कि चुनाव को सुचारू रूप से एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा का सहयोग लिया गया है। जिसमें शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, संस्थापक अध्यक्ष संपत मिश्र और पूर्व अध्यक्ष निरंजन सिकरिया के अलावा शाखा मंत्री संजय खेतान, कोषाध्यक्ष उमाशंकर गट्टानी, राजेश जम्मड और संतोष जैन अपना सहयोग देंगे। प्रांतीय कार्यालय से भी प्रांतीय संयुक्त मंत्रीद्वय पंकज पौदार और मनोज काला चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। चुनाव के परिणाम 4.30 बजे मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के पश्चात तुरंत ही दे दिए जाएंगे।

गौरतलब है कि चार वर्ष पहले महिला समिति से पूर्ण रूप से स्वतंत्र शाखा के अस्तित्व में आई महिला शाखा का मतदान प्रक्रिया से यह पहला चुनाव है। इस चुनाव में काफी गहमागहमी भी देखी जा रही है। दो उम्मीदवार में से एक उम्मीदवार संतोष शर्मा मारवाड़ी युवा मंच की प्रांतीय अध्यक्ष एवं मारवाड़ी सम्मेलन की मंडलीय उपाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी है। इसके अलावा वर्तमान में ये भारतीय अटल सेना राष्ट्रीयवादी महिला मोर्चा की प्रांतीय अध्यक्ष हैं तथा राष्ट्रीय सामाजिक विकास समिति की प्रदेश चेयरमैन भी है। दूसरी ओर दुसरी उम्मीदवार सुनीता भीलवाड़िया तत्कालीन गुवाहाटी नगर निगम के आठ नंबर वार्ड की बीजेपी से 5 साल तक पार्षद के रूप में काफी लोकप्रिय हुई थी। वर्तमान में ये अग्रवाल सखी की अध्यक्ष हैं तथा कुमारपाडा असम साहित्य सभा की आजीवन सदस्य भी है। सुनीता मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा की कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुकी है। इस तरह अगर देखा जाए तो दोनों ही उम्मीदवार अपने-अपने क्षेत्र में काफी अनुभवी हैं एवं समाज में अपना एक विशिष्ठ स्थान भी रखती है, अर्थात इस चुनाव में दोनों के बीच कांटे की टक्कर होगी। अनुमान यह लगाया जा रहा है कि हार जीत का परिणाम महज चंद वोटों से ही होगा। दोनों में से चाहे कोई भी जीत कर आए मगर यह तय है कि इस वर्ष से महिला शाखा की सूरत बदल जाएगी एवं काफी परिवर्तन की आशाएं भी लगाई जा रही हैं। दोनों ओर से चुनाव प्रचार चरम पर है। अब यह देखना है कि परिणाम में ऊंट किस करवट बैठता है।

प्रधानमंत्री मोदी और श्रीलंकाई राष्ट्रपति के बीच द्विपक्षीय वार्ता, सहयोग के कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान उन्होंने भारत की सुरक्षा चिंताओं से उन्हें अवगत कराया और श्रीलंकाई तमिलों के प्रति देश की प्रतिबद्धता पूरा करने आग्रह किया। श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे गुरुवार को भारत की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे थे। शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनका हैदराबाद हाउस में स्वागत किया। यहां दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं की मौजूदगी में कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। भारत, श्रीलंका ने नवीकरणीय ऊर्जा, त्रिंकोमाली जिले में परियोजनाओं के आर्थिक विकास और यूपीआई उपयोग पर समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त बयान दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने श्रीलंकाई तमिलों का मुद्दा उठाया।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि श्रीलंका सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। समानता, न्याय और शांति के लिए पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी। साथ ही उन्होंने मछुआरों के मुद्दे को मानवीय नजरिये से देखने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा और विकास हित एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इन मुद्दों पर श्रीलंका सरकार को भारत की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की पड़ोसी प्रथम की नीति और सागर विजन दोनों में ही श्रीलंका का महत्वपूर्ण स्थान है। इस संबंध में आज हमने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार साझा किए। प्रधानमंत्री ने भारत की ओर से एक बार फिर दोहराया कि एक निकटतम मित्र होने के नाते भारत हमेशा संकटकाल में श्रीलंका के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि दोनों देशों ने आज एक विजन डॉक्यूमेंट अपनाया है। यह विजन दोनों देशों के बीच समुद्री, वायु, ऊर्जा और संपर्क के क्षेत्र में सहयोग को मजबूती देगा। विजन पर्यटन, बिजली, वाणिज्य, उच्च शिक्षा और कौशल विकास में आपसी सहयोग को गति देने से जुड़ा है। इस विषय में भारत की श्रीलंका के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता भी शामिल है। उन्होंने बताया कि व्यापार और लोगों की यात्रा को बढ़ाने के लिए हमने तमिलनाडु के नागपट्टिनम और श्रीलंका के कांकेसंतुरई के बीच यात्री नौका सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। भारत श्रीलंका के साथ बिजली ग्रिड के काम को गति प्रदान करेगा। दोनों देश श्रीलंका के साथ भूमि पुल, तेल पाइपलाइन की व्यवहार्यता पर काम करेंगे।

मणिपुर की घटना पर संसद में चर्चा नहीं चाहती मोदी सरकार : कांग्रेस

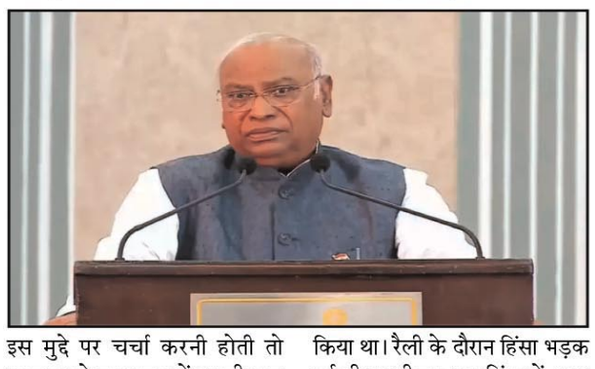

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर संसद में चर्चा नहीं चाहती है। इस मुद्दे पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। अधीर रंजन चौधरी ने आज मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मणिपुर की घटनाओं की चर्चा पूरी दुनिया में हैं। इस लिए कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने संसद के दोनों सदनों में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की थी लेकिन सरकार ने इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया। चौधरी ने आरोप लगाया कि सरकार विपक्षी दलों को संसद में बोलने का मौका नहीं दे रही है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर हिंसा के मुद्दे संसद में जवाब नहीं देना चाहते हैं। अगर उन्हें इस मुद्दे पर चर्चा करनी होती तो गुरुवार को वह सदन में अपनी बात न रखते। खड़गे ने कहा कि मणिपुर के हालात किसी से छिपे नहीं है। ऐसे में वहां के मुख्यमंत्री को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी। अभी तक इस हिंसा में 100 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने को लेकर भी विपक्ष ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस घटना की निंदा की है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से ऐसे मुद्दों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने को कहा है।

पैक्स के मजबूत होने से देश का हर गांव होगा मजबूत : अमित शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्राथमिक कृषि ऋण सोसाइटी (पैक्स) के मजबूत होने से देश का हर गांव और हर परिवार मजबूत होगा। केंद्र सरकार पैक्स को अब गांव-गांव पहुंचा रही है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। शनिवार तक 17 हजार से अधिक पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के रूप में काम करने लगेंगे। गृहमंत्री शाह पैक्स द्वारा सीएससी की सेवाओं के शुभारंभ पर आयोजित राष्ट्रीय महासंगोष्ठी-2023 को शुक्रवार को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि आज फैक्स और सीएससी दोनों एक हो रहे हैं। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। कार्यक्रम को केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार के काम करने के तरीके अलग हैं। हम देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं को पहुंचा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री जन-धन योजना शुरू की तो कई लोगों ने आलोचना की लेकिन आज 40 करोड़ लोगों के खाते जन-धन योजना के तहत खोले गए। 80 करोड़ लोगों को मोबाइल सेवा से जोड़ा गया। अभ तक मोदी सरकार 30 लाख करोड़ रुपये सीधे लोगों के खाते में भेज चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी योजनाओं का लाभ 100 फीसदी जनता तक पहुंच रही है। मोदी सरकार ने डिजिटल इंडिया के माध्यम से बिचौलियों की कमर तोड़ने का काम किया है। पैक्स को सीएससी से जोड़े जाने से किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ होगा। देश में पांच लाख 19 हजार से अधिक सीएससी कार्य कर रहे हैं। पैक्स की ताकत मिलने से ये केंद्र और प्रभावी होंगे।

मोदी सरनेम केसः राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस

-4 अगस्त को मामले की अगली सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरनेम केस में कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा गुजरात हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गुजरात सरकार और मामले के शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया। राहुल गांधी का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि सजा के फैसले पर या तब रोक लगाई जाए या फिर जल्द सुनवाई हो। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना सुनवाई के सजा के फैसले पर रोक नहीं लगा सकते हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की ओर से यह नोटिस जारी किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को अगली सुनवाई तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस स्तर पर सीमित प्रश्न यह है कि क्या दोषसिद्धि निलंबित करने योग्य है? वहीं सुनवाई से पूर्व मामले की सुनवाई करने वाले दो न्यायाधीशों में जस्टिस बी आर गवई ने खुद को मामले से अलग कर लिया। उन्होंने फैसले पर स्पष्टीकरण देकर कहा, मुझे दिक्कत है, मेरे पिता 40 साल से ज्यादा कांग्रेस से जुड़े रहे हैं। मेरे भाई अभी भी राजनीति में हैं। वकील सिंघवी ने 18 जुलाई को मामले का उल्लेख कर याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था, जिसके बाद प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई थी। राहुल गांधी ने अपनी याचिका में कहा है कि यदि सात जुलाई के आदेश पर रोक नहीं लगी तब इससे स्वतंत्र भाषण, स्वतंत्र अभिव्यक्ति, स्वतंत्र विचार और स्वतंत्र वक्तव्य का दम घुट जाएगा। राहुल गांधी ने 13 अप्रैल, 2019 को कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली के दौरान संबोधन में पीएम मोदी के सरनेम को लेकर टिप्पणी की थी, जिसके बाद गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने गांधी के खिलाफ 2019 में आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया था।

चर्चा नहीं, केवल राजनीति चाहता विपक्ष : राजनाथ सिंह

अजय त्यागी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि विपक्षी दल मणिपुर को केवल राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं और इस पर चर्चा नहीं चाहते। लोकसभा की कार्यवाही आज शुरू होने पर मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए विपक्ष ने प्रश्नकाल स्थगित करने की मांग की। अध्यक्ष ओम बिरला के कहने पर सत्ता पक्ष की ओर से केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर आश्वासन दिया कि सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना बेहद संवेदनशील है और प्रधानमंत्री ने स्वयं इसकी निंदा करते हुए कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसके बावजूद विपक्षीदल मणिपुर पर चर्चा नहीं करना ही नहीं चाहते। लोकसभा अध्यक्ष ने भी कहा संसदीय कार्यवाही में प्रश्नकाल महत्वपूर्ण समय है। प्रश्नकाल होने दिया जाए। सरकार मणिपुर पर चर्चा के लिए तैयार है, ऐसे में विपक्ष को सहयोग देना चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष की अपील के बाद भी कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों के सदस्य नारेबाजी व हंगामा करते रहे। वे संसद की सारी कार्यवाही रोककर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग पर अड़े रहे। भारी शोर शराबे के बीच अध्यक्ष ने लोकसभा की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

पंजाब में बारिश से रद्द हुई परीक्षाएं 24 जुलाई से, नया कार्यक्रम जारी

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा बारिश के कारण रद्द की गई परीक्षाएं अब 24 जुलाई से आयोजित की जाएंगी। बोर्ड ने इस संबंध में परीक्षाओं का नया कार्यक्रम जारी कर दिया है। पंजाब में बीती 10 व 11 जुलाई को भारी बारिश के कारण कई जिलों में बाढ़ आ गई थी, जिसके चलते पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 15 जुलाई तक होने वाली सभी परीक्षाओं को रद्द कर दिया था। अब पंजाब के हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं, जिसके चलते पंजाब बोर्ड ने रद्द की गई परीक्षाओं का 24 जुलाई से एक अगस्त तक आयोजन करने का फैसला किया है। बोर्ड ने शुक्रवार को आठवीं कक्षा का परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया है। बोर्ड प्रवक्ता के अनुसार 24 जुलाई को विज्ञान, 25 जुलाई को गणित, 26 जुलाई को कंप्यूटर साइंस, 27 जुलाई को दूसरी भाषा पंजाब,हिंदी व उर्दू, 28 जुलाई को स्वास्थ्य एवं शरीरिक शिक्षा तथा एक अगस्त को इलैक्टिव सब्जेक्ट की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

भूकंप ने राजस्थान से लेकर मणिपुर तक हिला डाला, 1 घंटे में 3 बार कांपी धरती

नई दिल्ली (ईएमएस)। शुक्रवार तड़के भूकंप के तेज झटकों से तीन बार धरती कांपी। जिसके कारण यहां राजस्थान से लेकर मणिपुर तक हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। एक ओर जहां राजस्थान में भूकंप के बार-बार झटके महसूस किए गए, वहीं मणिपुर में भी भूकंप से धरती हिली है। जानकारी के अनुसार राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक घंटे में तीन बार धरती हिली और भूकंप के झटकों से सहमे लोग घरों से बाहर निकल आए। देखते ही देखते जयपुर समेत आसपास के इलाकों में भूकंप के ताबड़तोड़ झटकों से पूरा शहर सहम गया और लोग घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर भागते दिखे। जयपुर में रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता क्रमशः 3।1, 3।4 और 4।4 मापी गई। फिलहाल किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। जयपुर शहर में शुक्रवार सुबह एक घंटे के अंतराल में तीन बार भूकंप के झटके महसूस किए गए और तीनों बार इसकी तीव्रता अलग-अलग मापी गई। जयपुर में सबसे लेटेस्ट भूकंप के झटके सुबह 4 बजकर 25 मिनट पर महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.4 थी। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इसकी सूचना देते हुए बताया कि इस भूकंप की गहराई 10 किलोमीटर थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इससे पहले 4.22 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसकी तीव्रता 3.4 मापी गई थी। वहीं, सबसे जोरदार भूकंप 4 बजकर 9 मिनट पर आया था। जयपुर में सुबह 4.9 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता 4.9 मापी गई। हालांकि, अब तक इन तीनों भूकंप के झटकों से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, भूकंप इतना तेज था कि सो रहे लोगों की भी नींद खुल गई और वे घरों से बाहर भागते दिखे। झटकों से सहमे लोग फोन पर अपने परिजनों का हालचाल लेते दिखे। इसी तरह मणिपुर में भी सुबह-सुबह भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, मणिपुर के उखरूल में तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई। मणिपुर में इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की अब तक कोई खबर नहीं है। इस तरह से महज कुछ मिनट के अंतराल पर राजस्थान से लेकर मणिपुर तक धरती डोलती दिखी।

सरकारी अफसरों को अदालत में पेशी पर बार-बार तलब नहीं किया जाएगा

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। अब सरकारी अफसरों को पेशी पर बार-बार नहीं आना पड़ेगा। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों को कारण बताते हुए आदेश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों को सरकारी अधिकारियों को किसी मामले में पेशी के लिए तुरंत न बुलाने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि उन्हें अदालतों में पेश होने के बजाय नागरिकों के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने में अपना कीमती समय बिताना चाहिए। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने बिहार के शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव केके पाठक को जमानती वारंट जारी करने के लिए पटना उच्च न्यायालय के फैसले पर आपत्ति जताई और आदेश पर रोक लगा दी। अदालत ने राज्य सरकार की अपील पर यह आदेश दिया। वहीं राज्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एएन एसनाडकर्णी और वकील ऋषि कावस्थी ने 143 मामलों में एचसी के एक न्यायाधीश के आदेश को रिकॉर्ड पर रखा, जिसमें राज्य सरकार के अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया था। यह देखते हुए कि सरकारी अधिकारी अदालत के आदेश को लागू करने के लिए बाध्य हैं और अवज्ञा के लिए उन्हें तलब किया जा सकता है, सुप्रीम कोर्ट की पीठ नेकहा कि तलब करने के आदेश अनावश्यक रूप से पारित नहीं किए जाने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत में उनकी उपस्थिति कीमती समय बर्बाद करती है जिसका उपयोग अन्यथा नागरिकों को सेवा प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। अचानक इस तरह के निर्देश जारी करना इसे कमजोर करता है। गौरतलब है कि पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश पीबी बजनथ्री की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अवमानना से संबंधित मामले में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक को 13 जुलाई को हर हाल में कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया था। यह आदेश एक सात साल पुराने मामले में दिया गया था।

चुनावी दंगल- ताई उतरी मैदान में, बेटे मिलिंद के लिए टिकिट मांगा, कैलाश विजयवर्गीय पर भी साधा निशाना

इंदौर (ईएमएस) मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी की वरिष्ठ नेत्री, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और इन्दौर लोकसभा सीट से लगातार आठ बार सासंद चुनी गई पद्म भूषण सुमित्रा महाजन ताई भी सक्रिय हो गई हैं। तीस साल तक बीजेपी से सांसद रही सुमित्रा महाजन पार्टी गाइड लाइन से हटकर नेता पुत्रों को टिकट देने की वकालत करते बेटे मिलिंद महाजन को टिकट दिलाने के लिए लॉबिंग कर रही हैं, वे राऊ से अपने बेटे के लिए टिकट चाह रही हैं। सुमित्रा महाजन का कहना है कि बेटा काबिल है तो उसे टिकट मिलना ही चाहिए। यही नहीं सुमित्रा महाजन ने बीजेपी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय पर भी परोक्ष रूप में निशाना साधते कहा कि मैं भी बीजेपी महासचिव रही हूं चाहती तो अपने बेटे को उस समय टिकट दिला देती लेकिन मैं शुरू से ही एक बात कहती रही हूं कि जो काबिल है,जो जीत सकता है,उसे टिकट देना चाहिए. उसे नकारना नहीं चाहिए. नेता पुत्र होने की वजह से टिकट नहीं कटना चाहिए. दूसरी बात ये भी है कि कोई जीतने लायक नहीं है फिर भी नेता पुत्र होने के कारण उसे टिकट दे दिया जाए ये ठीक नहीं। इन्दौरी राजनीति के जानकार सुमित्रा महाजन और कैलाश विजयवर्गीय की राजनीति को अच्छे से समझते हैं। गत लोकसभा चुनाव के समय से ही बीजेपी में एक तरह से हाशिए पर होकर सक्रिय राजनीति से दूर इन्दौर की आठ बार सासंद रही सुमित्रा महाजन के प्रदेश विधानसभा चुनाव के ठीक पहले अचानक इस तरह मुखर होने से स्थानीय बीजेपी के साथ इन्दौर की राजनीति में भी हलचल मचा दी है कांग्रेसियों को तो बीजेपी को घेरने का बैठै बिठाए शानदार मौका मिल गया है, वे भी सुमित्रा महाजन के सुर में सुर मिलाते कहने लगे हैं कि सुमित्रा महाजन 30 साल तक इंदौर की सांसद रहीं वे केंद्र में मंत्री समेत कई संवैधानिक पदों पर रही हैं लेकिन बीजेपी ने अब उन्हें दूध से मक्खी की तरह निकालकर फेंक दिया है उनके बेटे को टिकट देना चाहिए जब कैलाश विजयवर्गीय अपने बेटे को टिकट दिलवा चुके हैं और आज उनका बेटा विधायक है केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल, नरेंद्र सिंह तोमर समेत बीजेपी के नेता अपने बेटों के लिए टिकट की मांग रहे हैं तो सुमित्रा महाजन को भी पीछे नहीं किया जाना चाहिए उनके बेटे को इस बार विधानसभा चुनाव में टिकट मिलना चाहिए।

नौसेना की क्विज 'जी-20 थिंक' हुई अंतरराष्ट्रीय, फाइनल 22 नवम्बर को इंडिया गेट पर होगा

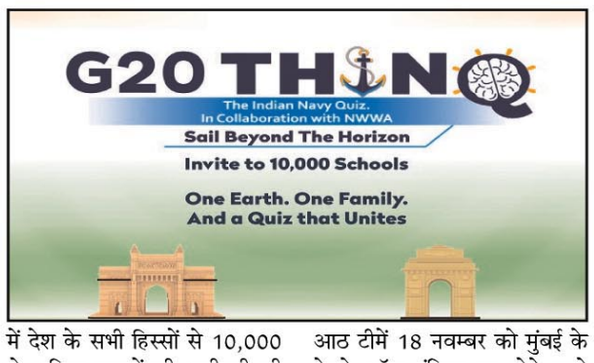

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने 'जी-20 थिंक' का दूसरा संस्करण लॉन्च किया है, जो अब राष्ट्रीय से बढ़कर अंतरराष्ट्रीय हो गया है, जिसका फाइनल 22 नवम्बर को इंडिया गेट पर होगा। इस अंतरराष्ट्रीय राउंड में जी-20 के 9 देशों के आमंत्रित अतिथि शामिल होंगे। इससे पहले नेशनल राउंड में देश के सभी हिस्सों से 10,000 से अधिक स्कूलों ने भागीदारी की है, जिसका फाइनल मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर 18 नवम्बर को होगा। भारतीय नौसेना की अंतरराष्ट्रीय क्विज 'जी-20 थिंक' का आयोजन जी-20 सचिवालय, भारतीय नौसेना और नौसेना कल्याण और कल्याण एसोसिएशन के तत्वावधान में किया जा रहा है। क्विज की अवधारणा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के रूप में की गई है, जो विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों के युवाओं को एक साथ लाकर उन्हें 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना में स्थायी मित्रता बनाने में सक्षम बनाती है।

यह प्रतियोगिता कक्षा 9 से 12 के स्कूली बच्चों के लिए है। प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण 31 जुलाई को बंद होंगे। राष्ट्रीय स्तर की 'थिंक-22' प्रतियोगिता में पिछले साल देशभर से 6425 स्कूलों ने भाग लिया था, जिसकी सफलता के बाद इस साल इस प्रतियोगिता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाया गया है। राष्ट्रीय दौर में देश के सभी हिस्सों से 10,000 से अधिक स्कूलों की भागीदारी की है। कई ऑनलाइन राउंड के बाद 16 नवम्बर को मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल के लिए सोलह स्कूलों का चयन किया जाएगा। इसके बाद शीर्ष आठ टीमें 18 नवम्बर को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर होने वाले फाइनल में राष्ट्रीय ताज के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। अंतरराष्ट्रीय दौर के लिए भारतीय टीम में दो मुख्य क्विजर्स और एक स्टैंडबाय शामिल होंगे, जिनका चयन प्रतिष्ठित जूरी के जरिये होगा। सभी सोलह सेमीफाइनल टीमों को नौसेना डॉकयार्ड का दौरा करने और जहाजों, पनडुब्बियों पर नौसेना कर्मियों के साथ बातचीत करने का अवसर भी मिलेगा। अंतरराष्ट्रीय दौर में जी-20 के 9 देशों के आमंत्रित सदस्य शामिल होंगे, जिसमें प्रत्येक देश कक्षा 9 से 12 के दो छात्रों की एक टीम को नामांकित करेगा। प्रश्नोत्तरी अंग्रेजी में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगी। उचित प्रक्रिया के बाद अंतरराष्ट्रीय फाइनल प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दिल्ली के इंडिया गेट पर 22 नवम्बर को अंतरराष्ट्रीय टीमों का चयन किया जाएगा।

काशी से दुनिया को आध्यात्मिक सूत्र में पिरोयेंगे मोहन भागवत

– दुनिया के 25 देशों के मंदिरों के प्रतिनिधि व महंतों का होगा समागम
– तीन दिवसीय महासम्मेलन के बहाने करोड़ों अनुयायियों से जुड़ेंगे सरसंघचालक

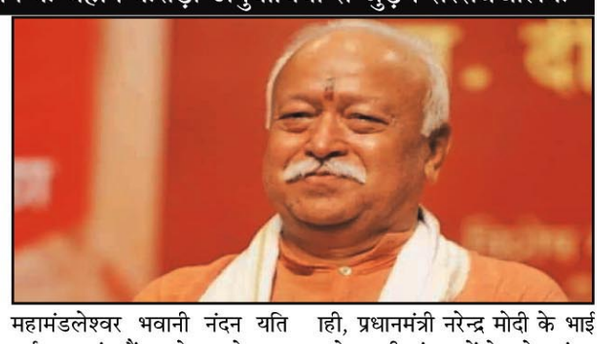

मीरजापुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत पूर्वांचल से दुनिया को आध्यात्मिक सूत्र में पिरोएंगे ही, सांस्कृतिक राजधानी काशी से धार्मिक एकजुटता का शंखनाद करेंगे। गाजीपुर के सिद्धपीठ हथियाराम मठ के महंत महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति, मीरजापुर के चुनार सक्तेशगढ़ स्थित परमहंस आश्रम पर स्वामी अड़गड़ानंद महाराज, मां विंध्यवासिनी की आंचल में विंध्याचल के महुआरी कला स्थित देवरहा हंस बाबा आश्रम पर देवरहा हंस बाबा का आशीर्वाद लेने व संत महात्माओं से मुलाकात करने के साथ अखंड भारत के निर्माण के लिए रामदूत हनुमान को 51 मन लड्डू का भोग लगाया। मोहन भागवत ने आदिशक्ति जगत जननी मां विंध्यवासिनी व विंध्य पर्वत पर विराजमान मां काली व मां अष्टभुजा का दर्शन-पूजन किया। विंध्य धरा पर शक्ति साधना के बाद सरसंघचालक अब काशी की ओर बढ़ चले हैं, जहां दुनिया के 25 देशों के मंदिरों के प्रतिनिधि व महंतों का समागम होगा। रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर सिगरा में 22 जुलाई को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय महासम्मेलन सरसंघचालक शामिल होंगे।। गाजीपुर में सिद्धपीठ हथियाराम मठ है। साकार ब्रह्म के उपासक शैव समुदाय के हथियाराम मठ की परंपरा 800 साल पुरानी है। दत्तात्रेय और शंकराचार्य से शुरू हुई गद्दी परपंरा का प्रमाण प्राचीन किताबों में मिलता है। गाजीपुर के इस मठ की शाखाएं हरिद्वार के ज्वालापुर में शंकर आश्रम, इंदौर में विश्वनाथ धाम, हल्द्वानी में महालक्ष्मी अष्टादास का विख्यात मंदिर, वाराणसी में चार, बलिया, मऊ के साथ ही हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, बिहार आदि प्रांतों के साथ ही विदेशों में भी हैं। यहां बड़ी संख्या में उनके अनुयायी हैं। मठ से जूना अखाड़े में पांच महंतों ने जगह पाई। पांचवें महामंडलेश्वर भवानी नंदन यति वर्तमान महंत हैं। इनके पहले जूना महामंडलेश्वर बालकृष्ण यति, परेशानंद यति, आत्मप्रकाश यति और सोमेश्वर यति हथियाराम मठ से महंत बने। मीरजापुर के सक्तेशगढ़ में स्वामी अड़गड़ानंद का आश्रम है। यथार्थ गीता को साधारण शब्दों में व्याख्यान करने वाले स्वामी अड़गड़ानंद 23 साल की उम्र में अपने गुरु संत परमानंद के पास वर्ष 1955 में सत्य की खोज में आए थे। सक्तेशगढ़ में आश्रम के लिए राजा विजयपुर ने एक किमी परिक्षेत्र की जमीन दान में दी थी। आश्रम की स्थापना 1991 में हुई। स्वामी अड़गड़ानंद का प्रमुख आश्रम मीरजापुर में है। इसके अलावा देशभर में 64 जगहों पर उनकी शाखाएं हैं। मुंबई के पालघर, मध्यप्रदेश के बरचर, दिल्ली के फरीदाबाद, उत्तराखंड के चकोरी, पिथौरागढ़, देहरादून में आश्रम के अलावा मीरजापुर में कछवां के बरैनी स्थित जगतानंद आश्रम भी है। मठ के अमेरिका में दो और नेपाल में भी एक आश्रम है। सक्तेशगढ़ के स्वामी अड़गड़ानंद आश्रम में 100 साधु रहते हैं। स्वामी अड़गड़ानंद आश्रम का संचालन संत नारद महाराज की देखरेख में होता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत वर्ष फोन कर उनका हालचाल जाना था। आश्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, विहिप के अशोक सिंघल, कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाई समेत बड़ी संख्या में देश के सांसद और विधायक महाराज का आशीर्वाद लेने आते रहे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी दो बार आश्रम आए। विंध्याचल स्थित देवरहा बाबा आश्रम शक्ति और तपोस्थली के साथ राजनीति का प्रमुख केंद्र है। आश्रम में कांग्रेस से लेकर भाजपा के कई दिग्गज नेता दर्शन के लिए आते हैं। देवरहा बाबा आश्रम में मोहन भागवत इससे पहले भी कई बार आ चुके हैं। योगी देवरहा बाबा आश्रम मीरजापुर के विंध्यवासिनी धाम से कुछ दूर विंध्य पर्वत पर है। तीन मंजिला आश्रम में 108 कमरे हैं। सिद्धी योग से देवरहा बाबा 250 साल तक जीवित रहे। बाबा देवरहा 19 मई 1990 को समाधि ली। पाण्डुलिपियों के अनुसार बाबा मथुरा में यमुना के किनारे रहा करते थे। उन्होंने कभी अन्न नहीं खाया। बाबा केवल यमुना नदी का पानी, दूध, शहद और श्रीफल के रस का सेवन करते थे। उत्तर प्रदेश सहित बिहार, झारखंड, दिल्ली, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, जम्मू और महाराष्ट्र आदि प्रांतों से बड़ी संख्या में शिष्य आश्रम आते हैं। देवरहा बाबा आश्रम का पूर्वांचल में खासा प्रभाव है। बड़ी हस्तियों ने यहां मत्था टेका है। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पूर्व गृहमंत्री नेता भूटा सिंह, कांग्रेस की सोनिया गांधी, देश के पहले राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद शामिल हैं।

जल की कीमत को हमको समझना होगा : योगी

–भूजल सप्ताह के समापन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां लोकभवन में भूजल सप्ताह के समापन समारोह में बोलते हुए कहा कि जल है तो जीवन है। भारतीय मनीषा इस बात को हमेशा मानते हैं। जल को हम जीवन के पर्याय को मानते हैं। यह सृष्टि के लिए आवश्यक है। जल की कीमत को हमको समझना होगा। उसे बचाने के लिए जागरूकता कार्यक्रम से लेकर अन्य कदम उठाने होंगे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भूगर्भीय जल के गिरते हुए स्तर और नदियों, तालाबों को गंदगी के ढेर में बदलने का कार्य किया गया। आज कहीं भी देखिये जो नदी पहाड़ से निकलती है, अगर उसके किनारे कोई नगर या औद्योगिक शहर नहीं है तो उसका जल नवम्बर दिसम्बर में अविरल होता है। साफ स्वच्छ होता है। किसी नदी के किनारे कोई शहर या बस्ती या औद्योगिक शहर होता है तो उसका जल मार्च अप्रैल में ही काला होता है। उन्होंने कहा कि जल की कीमत को हमको समझना होगा। रेन वाटर हार्वेस्टिंग इसी क्रम का हिस्सा है। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में हर नगर हर जनपद में एक अमृत सरोवर बने, यह इसी क्रम का हिस्सा है। जीव जन्तु सृष्टि को जिंदा रखना है तो हमको सोचना ही पड़ेगा। प्रकृति की मार जब पड़ती है त्राहि होती है। पश्चिमी क्षेत्र में देखिये बाढ़ और पानी है। पूर्वी क्षेत्र में पानी का नामोनिशान नहीं है। हमको इसलिए एक सार्थक प्रयास करना होगा। भूजल सप्ताह इसी दिशा में कार्य करने के लिए है। हमारे तालाब इस दिशा मे कार्य कर सकते हैं। इससे रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नियम बनाया था कि जल प्रदूषण पर जुमार्ने का प्रावधान है। साथ ही किसी नए सरकारी भवन के निर्माण में वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था भी जरूरी है। व्यापक जनजागरूकता और जन भागीदारी से कार्य आसान हो सकता है। विंध्य, बुंदेलखंड में एक समय लोग 05, 07 किलोमीटर दूर से सिर पर पानी लाद कर लाते थे। गंदे तालाबों से पानी की व्यबस्था करनी पड़ती थी। आज हर घर नल हर घर जल योजना से बुंदेलखंड विंध्य क्षेत्र में स्वच्छ साफ पेयजल का सपना साकार हो रहा है। आज उत्तर प्रदेश में विकास खंड क्रिटिकल स्टेज की ओर जा रहे हैं। जल संरक्षण की आवश्यकता है, कल वृक्षारोपण का वृहद अभियान होगा और इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस के दिन 05 करोड़ पौध फिर से लगाए जाएंगे। हमको जल संरक्षण की ओर सोचना होगा। बरसात में छत का पानी बर्बाद न जाए। भुगर्भ जल स्तर को बनाये रखना होगा। कैच द रेन कार्यक्रम इसी कार्यक्रम का हिस्सा है। हमको जल संरक्षण की तैयारी शुरू करनी होगी। अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा। पुराने तालाबों, पुराने कुओं को भी फिर से संरक्षित करना होगा। बरगद पीपल जैसे वृक्ष लगाने होंगे। जनांदोलन बनाना होगा। तभी हम और हमारा कार्यक्रम सफल होगा। इस कार्यक्रम में सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्य मंत्री दिनेश खटीक, जल संरक्षण क्षेत्र में कार्य करने वाले महानुभाव, प्रगतिशील किसान समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

मणिपुर में दिल दहला देने वाली घटना, संसद में सार्थक चर्चा हो : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई दरिंदगी की घटना को दुखद और शर्मनाक बताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि दोषियों को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि दोबारा इस तरह की घटना न हो। साथ ही साथ संसद में इस पर जरूर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री मायवती ने अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ भीड़ द्वारा जो दरिन्दगी की गई, वह अत्यन्त ही दुःखद, शर्मनाक एवं दिल को दहलाने वाली घटना है। राज्य व केन्द्र की सरकार को भी ऐसे आपराधिक तत्वों को इतनी सख़्त सजा दिलवानी चाहिए कि इस प्रकार के जघन्य अपराध की आगे कहीं भी पुनरावृत्ति न हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना को लेकर अब जो राजनीति की जा रही है, वह भी अनुचित एवं चिन्तनीय है। संसद में इस पर जरूर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। जबकि इस घटना का सुप्रीम कोर्ट ने भी खुद संज्ञान लिया है। इसे दबाया नहीं जा सकता है। अर्थात मणिपुर की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर सभी को गंभीर होना जरूरी।

मुस्लिमों द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर खोले गए ढाबे बंद हों : यशवीर महाराज

मेरठ, (हि.स.)। मुस्लिमों द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर खोले गए ढाबों को बंद कराने के लिए मुजफ्फरनगर में जिलाधिकारी कार्यालय के सामने स्वामी यशवीर महाराज भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मुस्लिम ढाबों से हिन्दू देवी-देवताओं के नाम के बोर्ड उतरवाने की मांग की। ऐसा नहीं होने पर लंबे आंदोलन की चेतावनी दी है। मुजफ्फरनगर जनपद के बघरा आश्रम के स्वामी यशवीर महाराज ने मुजफ्फरनगर से हरिद्वार तक संचालित मुस्लिम होटल संचालकों को उनके होटलों पर लगे हिंदू देवी-देवताओं के फोटो उतारने की चेतावनी दी। मुस्लिमों द्वारा हिन्दू देवी-देवताओं के नाम से अपने ढाबों और होटलों का संचालन किया जा रहा है। कांवड़ यात्रा के दौरान स्वामी यशवीर जी महाराज ने होटल संचालकों को बोर्ड हटाने की चेतावनी दी थी। उस समय पुलिस प्रशासन ने इन होटलों को बंद करवा दिया था। कांवड़ यात्रा संपन्न होने के बाद ये होटल फिर से बेरोकटोक चलने लगे। स्वामी यशवीर ने शुक्रवार को मुजफ्फरनगर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी दी थी। शुक्रवार को स्वामी यशवीर ने अपने समर्थकों के साथ डीएम ऑफिस के सामने भूख हड़ताल शुरू कर दी। स्वामी यशवीर ने कहा कि हिन्दू नाम और देवी-देवताओं के नाम पर मुस्लिमों द्वारा चलाए जा रहे ढाबों से ऐसे बोर्ड हटाए जाए। मुस्लिम अपने धर्म के हिसाब से होटल-ढाबों के नाम पर रखे। हाईवे से गुजरने वाले हिन्दू समाज के लोग हिन्दू देवी-देवताओं के नाम से खुले होटलों पर भोजन करते हैं। ऐसे में उनके साथ विधर्मी लोग कुछ भी खिला सकते हैं। ऐसे होटलों से हिन्दू नाम के बोर्ड हटाए जाए। स्वामी यशवीर जी महाराज ने आरोप लगाया कि गुरुवार की देर रात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने फोन पर धमकाया और गंभीर धाराएं लगाकर जेल भेजने की धमकी दी। लेकिन वह इन धमकियों से नहीं डरेंगे और होटलों से हिन्दू नाम के बोर्ड हटवा कर रहेंगे। स्वामी यशवीर महाराज मुस्लिम समाज के लोगों की हिन्दू धर्म में घर वापसी कराते रहे हैं। इसके लिए वह विशेष घर वापसी अभियान चला रहे हैं। अब मुस्लिमों द्वारा हिन्दू नाम और देवी-देवताओं के नाम से चलाए जा रहे होटल-ढाबों के खिलाफ अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के खिलाफ परिवाद में परिवादी का बयान दर्ज

वाराणसी, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर पर विवादित टिप्पणी मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के खिलाफ परिवाद में शुक्रवार को परिवादी अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी का बयान दर्ज हुआ। स्पेशल कोर्ट (एमपी-एमएलए) के जज उज्ज्वल उपाध्याय ने परिवाद में गवाहों के बयान के लिए 23 जुलाई की तिथि मुकर्रर की है। ये जानकारी परिवादी शशांक शेखर त्रिपाठी ने दी। अधिवक्ता ने जज उज्ज्वल उपाध्याय के कोर्ट में परिवाद दाखिल किया है। परिवाद के अनुसार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिवराव गोलवलकर के खिलाफ दिग्विजय सिंह ने कूटरचित फोटो एवं भ्रामक तथ्यों का प्रकाशन और प्रसारण सोशल मीडिया पर किया। ऐसा करके दिग्विजय ने सामाजिक विद्वेष पैदा कर संघ की सामाजिक छवि धूमिल करने का प्रयास किया। इस प्रकरण पर कोर्ट में परिवादी शशांक शेखर त्रिपाठी का बयान दर्ज किया गया। वादी अधिवक्ता की तरफ से गोलवलकर के कार्यों के बारे में भी जानकारी दी गई। परिवादी की तरफ से कोर्ट से आईटी एक्ट और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत दिग्विजय सिंह को तलब कर विधिक कार्यवाही का अनुरोध किया गया है।

हाई कोर्ट ने भाजपा नेता अभय सिंह समेत अन्य को दी जमानत

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एसएन प्रसाद और जस्टिस सुभाष चंद की खंडपीठ में शुक्रवार को जमशेदपुर में दंगा भड़काने के आरोपित भाजपा नेता अभय सिंह और अन्य की जमानत याचिका पर फैसला सुना दिया है। अदालत ने अभय सिंह के साथ 30 से ज्यादा आरोपितों को जमानत की सुविधा प्रदान की है, जिसके बाद अब वह अदालत द्वारा जमानत के लिए दी गई शर्तों का पालन करने के बाद जेल से बाहर आ सकते हैं। इस केस से जुड़े सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने 12 जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रखा था।अभय सिंह की ओर से हाई कोर्ट के वरीय अधिवक्ता आर एस मजूमदार और रोहन मजूमदार ने बहस की।राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता भोलानाथ ओझा ने बहस की। सरकार की ओर से की गई बहस में अदालत को बताया गया था कि केस डायरी में अभय सिंह पर दंगा भड़काने की साजिश में शामिल होने की बात सामने आयी है। निचली अदालत से जमानत नहीं मिलने के बाद अभय सिंह ने हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है।

हाई कोर्ट को राज्य सरकार ने बताया, 162 भू-माफियाओं के खिलाफ 190 केस दर्ज

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में राज्य सरकार ने बताया कि 162 भू-माफियाओं के खिलाफ 190 केस दर्ज किये गये हैं। भू-माफियाओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस स्वर्गीय एमवाई इकबाल की जमीन पर बने बाउंड्रीवाल को तोड़े जाने के मामले में कोर्ट के स्वतः संज्ञान की सुनवाई के दौरान शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से हा कोर्ट को यह जानकारी दी गयी। मामले में महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता प्रत्युष चित्रेश ने कोर्ट को रांची शहर की पेट्रोलिंग प्लान की जानकारी दी। कोर्ट को बताया गया कि शहर में 30 पीसीआर वैन 62 टाइगर मोबाइल, 15 हाई पेट्रोलिंग वाहन, 18 शक्ति कमांडो आदि सुरक्षा की व्यवस्था में लगाये गये हैं। पेट्रोलिंग पार्टी की मॉनिटरिंग भी की जा रही है। साथ ही जगह-जगह पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पूरी रात नाइट पुलिस पेट्रोलिंग की व्यवस्था की गई है। पूरी रांची में 17 जगहों पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग को लेकर बैरिकेडिंग की गयी है। रांची जिले में 646 सीसीटीवी लगे हैं जबकि 536 स्मार्ट सीसीटीवी भी लगाये गये हैं। ट्रैफिक पुलिस सेल को 118 कॉलर कैमरा मुहैया कराया गया है, जिसमें एचडी कैमरा एवं ऑडियो विजुअल सुविधाएं सुविधा उपलब्ध करायी गयी हैं। सुरक्षा के मद्देनजर रांची जिले में 30 पीसीआर वैन, 62 टाइगर मोबाइल, 15 हाई पेट्रोलिंग वाहन, 18 शक्ति कमांडो तैनात रहते हैं। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 23 अगस्त निर्धारित करते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि अगली सुनवाई में क्राइम रिपोर्टिंग डाटा प्रस्तुत किया जाये। साथ ही सेक्सुअल आफेंस की घटनाओं के बारे में भी जानकारी देने को कहा है। मामले में रांची एसएसपी एवं गृह सचिव की ओर से शपथ पत्र दाखिल किया गया। उल्लेखनीय है कि 25 जून को चर्च रोड के विक्रांत चौक (डॉक्टर फतेहउल्लाह रोड) के सामने स्थित सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस स्वर्गीय एमवाई इकबाल की जमीन पर बनी बाउंड्री वॉल को भूमाफियाओं ने तोड़ दिया। वहां तैनात गार्डों ने बाद में भू-माफियाओं ने खदेड़ दिया।

मुख्यमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में चयनित झारखंड के सात दिव्यांग खिलाड़ियों को दी बधाई

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मलेशिया में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में चयनित झारखंड के सात दिव्यांग खिलाड़ियों ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत ही खुशी की बात है कि हमारे राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित दिव्यांग खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में प्रदर्शन करने का मौका मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि मलेशिया में आयोजित इस प्रतियोगिता में झारखंड से चयनित इन सभी खिलाड़ियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने यहां के खिलाड़ियों के विकास के लिए एक बेहतर खेल नीति बनाई है। इस नई खेल नीति का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को अधिक से अधिक मदद पहुंचाकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय फलक पर पहचान देना है।

प्रवेशोत्सव को सफल बनाने के लिए निकाली गई जागरूकता रैली

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा चल रहे "प्रवेशोत्सव" विशेष नामांकन अभियान की सफलता के लिए शुक्रवार को वीरपुर प्रखंड के उच्च विद्यालय खरमौली के द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली का नेतृत्व प्रधानाध्यापक संत कुमार सहनी ने किया। जागरूकता रैली का उद्देश्य आठवीं कक्षा उत्तीर्ण एवं छह से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को नामांकन के लिए जागरूक करना था। आठवीं पास नौवीं कक्षा में कदम रखें, जिससे उनके मौलिक अधिकार की प्राप्ति संभव हो सके। रैली में पिरामल फाउंडेशन के एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स कोलैबोरेटिव टीम के सदस्य-सह-प्रोग्राम लीड दीपक मिश्रा, गांधी फैलो अभिषेक तिवारी एवं अर्पित पाल आदि शामिल हुई। प्रधानाध्यापक संत कुमार सहनी ने बताया हम समुदायों के साथ जुड़ रहे हैं। उच्च शिक्षा का समर्थन के साथ आजीवन सीखने के रास्ते खोल रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के इस महत्वपूर्ण एसडीजी-चार के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में हमारे साथ जुड़ें तथा हम सब मिलकर प्रवेशोत्सव को सफल बनाएं। जागरूकता रैली पूरे पोषक क्षेत्र का भ्रमण कर पुनः विद्यालय परिसर आकर संपन्न हो गया।

हीरागज यादव की पुलिस हिरासत में मौत मामले की होगी मजिस्ट्रियल जांच : एसपी

बेगूसराय, (हि.स.)। बखरी थाना क्षेत्र के बदिया गांव निवासी 50 वर्षीय कुख्यात अपराधी हीरागज यादव के पुलिस हिरासत में मौत मामले की मजिस्ट्रियल जांच कराया जाएगा। मौत के कारण की जानकारी के लिए डॉक्टरों की टीम द्वारा शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम किया गया है। शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी योगेन्द्र कुमार ने बताया कि गुरुवार को बखरी थानाध्यक्ष को शिकायत मिली कि बदिया में हीरागज यादव द्वारा अपने पड़ोसी के घर में आग लगा दिया गया एवं फायरिंग की गई है। सूचना मिलते ही थाना की गश्ती टीम घटनास्थल पर पहुंची तो झोपड़ी में आग लगा था। पुलिस ने आग लगाने वाले संदिग्ध व्यक्ति हीरागज यादव को हिरासत में ले लिया। उस पर आर्म्स एक्ट, शांति भंग करने एवं बवाल करने के कारण धारा-341, 323, 354-बी, 379, 385, 387, 427, 435, 506, 34 एवं 27 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। थाना में देर शाम अचानक वह गिरकर बेहोश हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, तो चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बखरी डीएसपी चंदन कुमार द्वारा अविलंब घटना स्थल पर पहुंच कर जांच की गई, जिसमें पाया गया कि हीरागज यादव तबियत अचानक खराब होने से गिर पड़े थे। मृतक हीरागज यादव का मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट दंडाधिकारी के द्वारा तैयार कर तथा तीन सदस्यीय चिकित्सकीय टीम द्वारा वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया गया है। एसपी ने बताया कि ऐसे मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की गाइडलाइन के अनुसार पोस्टमार्टम कराया गया है। इसके साथ ही मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत के कारण का खुलासा हो जाएगा। परिजनों को सभी तथ्यों से अवगत करा दिया गया है। एसपी ने बताया कि उन्होंने खुद थाना पहुंचकर एक-एक पहलुओं की गहनता से जांच की है। मृतक हीरागज यादव का लंबा आपराधिक इतिहास है। बेगूसराय एवं खगड़िया जिला में हत्या के मामले दर्ज हैं। हत्या के मामले में 12 साल जेल में रहकर कुछ दिन पहले निकला है। परिजन अगर किसी प्रकार का आरोप लगाते हैं तो हम उनकी भी बात सुनेंगे और मामले की जांच करेंगे।

मुख्यमंत्री ने 34 अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को बिहार अग्निशमन सेवा के सुदृढ़ीकरण के लिए 34 अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि बिहार की जनता के लिए आपातकालीन सेवा के रूप में बिहार अग्निशमन सेवा द्वारा अपने उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से अग्नि से सुरक्षा एवं बचाव के कार्य लगातार किये जा रहे है। प्रभावी अग्निशमन कार्य को और बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने के लिए आज 34 अग्निशमन वाहनों को रवाना किया गया। शामिल किए गए अग्निशमन वाहन 5 हजार लीटर वाटर टैंक क्षमता के हैं। इन वाहनों में 72 प्रकार के उपकरण लगे हैं, जिनका आवश्यकतानुसार अग्निशमन कर्मी अग्निकांड की स्थिति में उपयोग करेंगे। इन अग्निशमन वाहनों को बिहार अग्निशमन सेवा में सम्मिलित किये जाने से कार्य क्षमता में और वृद्धि होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पुलिस महानिदेशक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवायें शोभा अहोतकर ने हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार अग्निशमन सेवा के बहुआयामी विकास एवं उपलब्धियों पर आधारित एक बुकलेट का विमोचन किया।

संपादकीय

विपक्षी गठबंधन की सीमाएं

यह हमारा सरोकार नहीं है कि विपक्ष को गठबंधन के मोर्चे तक लाने वाले नीतीश कुमार 'इंडिया' से नाखुश हैं और असहज भी हैं। खुद उन्होंने ऐसी अटकलों को खारिज किया है और दोहराया है कि विपक्ष एकजुट आगे बढ़ेगा और 2024 की लड़ाई जीतेगा। अलबत्ता विपक्षी गठबंधन के कुछ चेहरे और बयान दो दिन में ही सार्वजनिक होने लगे हैं कि राज्यों के राजनीतिक गठबंधन और उनके संतुलन भिन्न होते हैं, लिहाजा राज्यों में चुनावी गठबंधन स्थानीय नेता और काडर ही तय करेंगे। बड़ा सहज सवाल है कि राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' की स्थापना के तुरंत बाद, बेंगलुरु में ही, सीपीएम के महासचिव सीताराम येचुरी को यह बयान देने की क्या जरूरत थी कि पश्चिम बंगाल में हम लोकतंत्र की हत्या करने वाली तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं कर सकते? येचुरी अपनी पार्टी के शीर्षस्थ नेता हैं, लिहाजा उनके बयान के मायने समझे जा सकते हैं। कुछ ऐसे ही बयान पंजाब से आए हैं, जिनमें राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की किसी भी संभावना को खारिज किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और उनके पार्टी प्रवक्ता कह रहे हैं कि हमने राज्यों के सामंजस्य को एक तरफ रखा है। 'इंडिया' की लड़ाई देश, संविधान, लोकतंत्र बचाने की है। उसके मद्देनजर ही समविचारक दल एक साझा मंच पर जमा हुए हैं और यह मोर्चा बना है। हम एक हकीकत स्पष्ट कर दें कि न तो देश को कुछ हुआ है और न ही संविधान, लोकतंत्र खत्म होने जा रहे हैं। इनसे ज्यादा शक्तिशाली देश में और कोई ताकत नहीं है। प्रधानमंत्री भी हैं, तो इन्हीं की व्यवस्था के मुताबिक हैं। फिजूल मिथक थोपे जा रहे हैं।

बड़ा सहज सवाल है कि राष्ट्रीय स्तर पर 'इंडिया' की स्थापना के तुरंत बाद, बेंगलुरु में ही, सीपीएम के महासचिव सीताराम येचुरी को यह बयान देने की क्या जरूरत थी कि पश्चिम बंगाल में हम लोकतंत्र की हत्या करने वाली तृणमूल कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं कर सकते? येचुरी अपनी पार्टी के शीर्षस्थ नेता हैं, लिहाजा उनके बयान के मायने समझे जा सकते हैं। कुछ ऐसे ही बयान पंजाब से आए हैं, जिनमें राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की किसी भी संभावना को खारिज किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और उनके पार्टी प्रवक्ता कह रहे हैं कि हमने राज्यों के सामंजस्य को एक तरफ रखा है। 'इंडिया' की लड़ाई देश, संविधान, लोकतंत्र बचाने की है। उसके मद्देनजर ही समविचारक दल एक साझा मंच पर जमा हुए हैं और यह मोर्चा बना है। हम एक हकीकत स्पष्ट कर दें कि न तो देश को कुछ हुआ है और न ही संविधान, लोकतंत्र खत्म होने जा रहे हैं। इनसे ज्यादा शक्तिशाली देश में और कोई ताकत नहीं है। प्रधानमंत्री भी हैं, तो इन्हीं की व्यवस्था के मुताबिक हैं। फिजूल मिथक थोपे जा रहे हैं।

दलीलों को सुनें, तो संविधान और लोकतंत्र के लिए, राज्यों की जनता भी, वोट देगी। वे लोग 'इंडिया' को वोट देंगे अथवा तितर-बितर, विरोधाभासी दलों के पक्ष में मतदान करेंगे? यदि देश का जनमत ही विभाजित होता है, तो फिर विपक्ष की साझा, सामूहिक लड़ाई का निष्कर्ष क्या रहेगा? हमारा सवाल यह भी है कि कहीं 'इंडिया' गांठों वाला गठबंधन तो साबित नहीं होगा? अंतर्विरोधों की स्थितियां और भी हैं। मसलन-शरद पवार, लालू यादव, अखिलेश यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन आदि विपक्ष के बड़े नेताओं को, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, बोलने का मौका नहीं दिया गया। स्टालिन की पार्टी द्रमुक 23 लोकसभा सांसदों के साथ दक्षिण भारत की सबसे बड़ी और 'इंडिया' की दूसरे स्थान की पार्टी है। स्टालिन का रुख पटना, बेंगलुरु में एक जैसा ही रहा है। राजनीतिक और चुनावी सवाल यह भी है कि 'इंडिया' का सीधा मुकाबला भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए से है और यह हिंदी पट्टी में कड़ा मुकाबला दिखेगा। तो उन राज्यों, इलाकों में 'इंडिया' की स्वीकृति कितनी होगी? दरअसल हम देश को 'इंडिया' और 'भारत' में बांट कर देखने के आदी नहीं हैं। हमारी शहर बनाम गांव वाली सोच भी नहीं है। यह जरूर मानते हैं कि हमारे गांव अब भी बहुत पिछड़े हैं। तो फिर अंग्रेजी बनाम हिंदी से उनके क्या सरोकार हो सकते हैं? 'इंडिया' और 'भारत' के मायने उनके लिए देश से ही हैं, जिसके हम सभी नागरिक हैं। बहरहाल 'इंडिया' मीडिया में छपने लगा है और नई दिल्ली के बाराखंभा रोड के थाने में एक शिकायत भी दर्ज कराई गई है।

कुछ अलग

नई टीम के साथ भाजपा

विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवा चुकी भाजपा ने खुद को मुकम्मल करने के इरादे से अपनी टीम को नए स्वरूप में पेश किया है। पार्टी ने 17 संगठनात्मक जिला अध्यक्षों की टीम में आठ पुरानों को छोडक़र नौ नए चेहरों पर भरोसा जता कर, आगामी चुनाव की हसरतों में शक्ति का संचार किया है, तो पार्टी पदाधिकारियों की नई पेशकश में अपने ही इरादों को साधा है। अतीत के जिन सबकों में पुनः डा. राजीव बिंदल की रहनुमाई में प्रदेश भाजपा का दस्तूर बनाना शुरू किया, उन्हीं के दबाव में पार्टी अपना दौर बदल रही है। संगठनात्मक तौर पर भाजपा की शक्ति का आलम यह है कि यहां राजनीति में रणनीति रोजाना रूप धारण करके चुनाव की अभिलाषा को पूर्ण करती है। पार्टी ने सत्ता की क्षतिपूर्ति के हिसाब से चंद चेहरे बदले, तो जहां विधानसभा चुनाव से आहत नहीं हुई वहां पुराने मोहरों पर भी भरोसा कायम रखा। जाहिर है पार्टी आइंदा अपनी टीम को नई घुट्टी पिलाना चाहती है, तो यह कांग्रेस की वर्तमान सत्ता और सत्तारूढ़ दल की हैसियत की आजमाइश भी होगी। चौबीस घंटे काम के मोर्चे पर भाजपा का श्रृंगार बाकी सभी दलों से भिन्न है और इसलिए आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में यह पार्टी अपने सियासी अमल और अमला दुरुस्त कर रही है। त्रिलोक कपूर का पुनः महामंत्री बनना, भाजपा की मिट्टी और मिट्टी के लाल की बड़ी निशानी है। कहना न होगा कि पूर्व की सत्ता में भाजपा जहां आत्ममुग्ध थी, वहां अब विपक्ष में भाजपा कहीं अधिक सक्रिय, तीव्र और गहरी सियासत को तरजीह दे रही है। बेशक रिवाज बदलने के नारे के नीचे भाजपा का कद अगर उस समय पिचक गया तो यह उस समय के नेतृत्व का भी खोट रहा और यह भी कि जिन परिस्थितियों में तब डा. बिंदल की भूमिका को नगण्य किया, वह भी खरा साबित नहीं हुआ। सत्ता में पार्टी का साथ चलना अकसर भ्रमित होता है, क्योंकि सरकार के आचरण में यह दंभ भर जाता है कि वह ही अकेले राजनीति का पूरा खेत जोत लेगी, परंतु जो पक्ष नजरअंदाज हो जाता है, वही खाई खोद देता है। डा. बिंदल की दक्षता इन खाइयों या कुछ नेताओं के घाव भरने में अगर सफल होती है, तो ये प्रयोग नई संजीवनी लेकर आएंगे, वरना राजनीतिक खुशफहमियां तो पहले भी रही हैं। डा. बिंदल ने अपनी बिसात बिछाते हुए कुछ घोड़े और कुछ हाथी, ऊंट तथा प्यादे चुने हैं। यह भाजपा की मानसिकता में नई ऊर्जा और नए संकल्प भरने के साथ-साथ क्षेत्रीय संतुलन भरने की कवायद हो सकती है। विडंबना यह केवल भाजपा की ही नहीं, बल्कि हर सरकार की हैसियत में जब कुछ हेवीवेट नेता नजर आते हैं, तो क्षेत्र विशेष या तो पूर्ण प्रभुत्व के मद में डूब जाते हैं या किसी इलाके को माइनस करके जीतने का अभियान बना दिया जाता है। भाजपा की पिछली तमाम सरकारों या यूं कहें कि शांता कुमार के दौर के बाद आई तमाम सत्ताओं ने कांगड़ा माइनस करके खुद को अव्वल बनाने का सोचा, तो सत्ता की सियासत बार-बार हारी। ऐसे में सवाल अब बिंदल के उस करिश्मे को देख रहे हैं, जो समूचे प्रदेश की व्याख्या में समाधान, सम्मान और संरचना करेंगे। पिछले चुनाव में भाजपा का जहाज कांगड़ा के रूठे पानी में डूबा तो खुड्डेलाइन लगे नेताओं के अभिशाप की कहानी स्वीकार करनी होगी। यह कहानी किशन कपूर, रमेश धवाला, सरवीण चौधरी या विपिन सिंह परमार का बोरिया बिस्तर गोल करने जैसी साजिश का पटाक्षेप करती है। ऐसे में रूठे दिल मिलाने, खोए हुए स्वाभिमान जगाने और भाजपा की चुनावी जीत की परंपराओं को जगाए रखने की पहल में डा. राजीव बिंदल को उत्साह से देख रहे समर्थक को फिर से कितना साथ ले जाती है यह टीम, देखना होगा। भाजपा की टीम का श्रृंगार भले ही विपक्ष की पोशाक में नजर आए, लेकिन वर्तमान सत्तारूढ़ कांग्रेस को भी अपनी संरचना में संतुलन पैदा करने की आवश्यकता दिखाई दे रही है।

ईरान के बादशाह नादिरशाह के 1739 के हमले ने तो दिल्ली में मुगल सत्ता के केन्द्र को हिला कर रख दिया था

महाराजा रणजीत सिंह का योगदान

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

सप्त सिन्धु की सातवीं नदी सरस्वती अरसा पहले सूख गई थी, लेकिन आदि बद्री में उसका स्रोत अभी भी बचा हुआ है। घग्घर और टांगरी नदी सरस्वती नदी के बचे हुए अवशेष ही हैं। लेकिन अनेकों आक्रमणकारियों के हमलों के कारण यह भौगोलिक रूप से तो विद्यमान रहा, परन्तु राजनीतिक व सांस्कृतिक रूप से खंड खंड हो गया। इस क्षेत्र में 1699 में दशगुरु परम्परा के दशम गुरु श्री गोविन्द सिंह जी ने देश धर्म की रक्षा के लिए खालसा पंथ की स्थापना की थी। गोविन्द सिंह जी द्वारा गठित खालसा पंथ ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। खालसा पंथ ने विदेशी मुगल सत्ता से लोहा लेने की सुप्त ताकत को पुनः जागृत कर दिया। कालान्तर में इस चेतना एवं जागृति को राजौरी-पुंछ के बन्दा बहादुर ने धार दी। उसने 1710 में सरहिन्द को जीत कर सदियों से पराजित हो रहे सप्त सिन्धु क्षेत्र में नई जान डाल दी।

विशाल सप्त सिन्धु क्षेत्र अपने आप में पूरे पश्चिमोत्तर भारत को समेटे हुए है। बस इतना ध्यान रहना चाहिए कि पश्चिमोत्तर भारत से अभिप्राय 15 अगस्त 1947 के पहले के भारत से है। इस विशाल क्षेत्र में सैकड़ों नदियां और नाले हैं, लेकिन वे सभी सतलुज, व्यास, जेहलम, रावी व चिनाब इत्यादि नदियों में मिल जाते हैं और ये पांचों नदियां सिन्धु नदी में मिलती हैं। इस प्रकार विशाल सिन्धु नदी अन्त में समुद्र में मिल जाती है। सप्त सिन्धु की सातवीं नदी सरस्वती अरसा पहले सूख गई थी, लेकिन आदि बद्री में उसका स्रोत अभी भी बचा हुआ है। घग्घर और टांगरी नदी सरस्वती नदी के बचे हुए अवशेष ही हैं। लेकिन अनेकों आक्रमणकारियों के हमलों के कारण यह भौगोलिक रूप से तो विद्यमान रहा, परन्तु राजनीतिक व सांस्कृतिक रूप से खंड खंड हो गया। इस क्षेत्र में 1699 में दशगुरु परम्परा के दशम गुरु श्री गोविन्द सिंह जी ने देश धर्म की रक्षा के लिए खालसा पंथ की स्थापना की थी। गोविन्द सिंह जी द्वारा गठित खालसा पंथ ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। खालसा पंथ ने विदेशी मुगल सत्ता से लोहा लेने की सुप्त ताकत को पुनः जागृत कर दिया। कालान्तर में इस चेतना एवं जागृति को राजौरी-पुंछ के बन्दा बहादुर ने धार दी। उसने 1710 में सरहिन्द को जीत कर सदियों से पराजित हो रहे सप्त सिन्धु क्षेत्र में नई जान डाल दी। लेकिन ईरान के बादशाह नादिरशाह के 1739 के हमले ने तो दिल्ली में मुगल सत्ता के केन्द्र को हिला कर रख दिया था। इसके परिणामस्वरूप सत्ता की केन्द्रीय व्यवस्था छिन्न भिन्न होने लगी। लाहौर के मुगल सूबेदार जकरिया खान की मौत के बाद उसके बेटों में ही घमासान होने लगा। लेकिन इन जकरिया खानों की विदेशी सत्ता से ही स्वतंत्र होने की चिंगारी सप्त सिन्धु क्षेत्र/पंजाब में भी प्रज्वलित होने लगी थी। अब तक इस क्षेत्र में खालसा पंथ अपनी जडें. जमा चुका था। 'प्रत्येक घर का बड़ा बेटा खालसा पंथ का', यह भावना तो गुरु गोविन्द के समय में ही पनपने लगी थी। यही कारण था कि नादिरशाह के हमलों से जो अव्यवस्था पैदा हुई थी, उसके परिणामस्वरूप सप्त सिन्धु/पंजाब क्षेत्र में भी

खालसा पंथ के शक्ति केन्द्र दिखाई देने लगे थे। इन्हें मिसल कहा जाता था। लेकिन इसी अव्यवस्था का लाभ अफगानिस्तान का अहमद शाह अब्दाली ने भी उठाया। उसने मुगलों का स्थान लेने के लिए 1747 से लेकर 1767 तक भारत पर आठ बार हमले किए। लेकिन इसका सर्वाधिक दंश पंजाब/सप्त सिन्धु क्षेत्र को ही झेलना पड़ा। मिसलों के सरदारों से जगह जगह अब्दाली के सैनिकों की झड़प होती रहती थी। इन मिसलों में से एक मिसल चढ़त सिंह की भी थी। चढ़त सिंह के पूर्वज गुजरांवाला के सुकरचक गांव के थे। इसलिए यह मिसल सुकरचकिया के नाम से प्रसिद्ध हुई। इधर सप्त सिन्धु क्षेत्र में अहमद शाह अब्दाली के सैनिकों से पंजाब भिड़ रहा था, उधर कुछ अरसा पहले हिन्दुस्तान में व्यापार करने के लिए आई ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी का भी अठारहवीं सदी के मध्य में ही भारत के राजनीतिक क्षितिज पर उदय हो रहा था। 1757 में प्लासी की लड़ाई में मीर जाफर की सहायता से बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला को परास्त कर अंग्रेजों ने भी यहां यूनियन जैक गाड़ दिया था और अब वे देश भर में अपने पैर पसारते पसारते सप्त सिन्धु क्षेत्र की ओर बढ़ रहे थे। इन्हीं दिनों इस क्षेत्र में महाराजा रणजीत सिंह (1780-1839) का राजनीतिक क्षेत्र में उदय होता है। रणजीत सिंह यदुवंशी भट्टी समुदाय से ताल्लुक रखते थे। सप्त सिन्धु क्षेत्र, जैसा कि ऊपर संकेत दिया गया है, राजनीतिक रूप से अनेक छोटे छोटे क्षेत्रों में विभाजित था। सतलुज तक तो अंग्रेजों ने कब्जा कर ही लिया था। रणजीत सिंह समझ गए थे कि यदि अंग्रेजों से मुकाबला करना है तो सप्त सिन्धु क्षेत्र के एकीकरण की ओर कदम बढ़ाना होगा। अब तक पंजाब में मिसलों के नाम से स्थानीय शक्ति केन्द्र आकार लेने लगे। इनमें भंगी, कन्हैया, रामगढिया, सिंहपुरिया, सुकरचकिया, आहलूवालिया, नकई, डल्लेवाला, निशानवालिया, करोडसिंघिया, निहंग मिसल, फुलकियां, फैजलपुरिया मिसलें महत्वपूर्ण थीं। अपने पिता की मौत के बाद रणजीत सिंह 1792 में सुकरचकिया मिसल के सरदार बन गए थे। उन दिनों लाहौर में भंगी और कन्हैया मिसल का कब्जा था। रणजीत सिंह ने सबसे पहले इसी ओर ध्यान दिया। अन्ततः 1799 में उसने लाहौर के किले पर कब्जा कर लिया और स्वयं को पंजाब का नरेश घोषित कर दिया। इस प्रकार सप्त सिन्धु के एकीकरण का अभियान 1799 में ही शुरू हो गया था। विधाता ने रणजीत सिंह को उच्चकोटि की बुद्धि दी थी और साथ ही उसके अन्दर साहस, वीरता तथा युद्ध कौशल पर्याप्त मात्रा में था। उसने देखा कि अंग्रेज कोलकाता से चलकर यमुना के तट तक आ पहुंचे हैं और दूसरी ओर काबुल नरेश शाहजमां ने पंजाब पर फिर से अपना आधिपत्य जमाने के लिए हाथ-पैर मारना शुरू कर दिया है। उसने सोचा कहीं ऐसा न हो कि अपनी जन्मभूमि को स्वतंत्र करवाने का शुभ कार्य जो कि खालसा पंथ ने आरम्भ किया हुआ था, रुक जाए और हमारी आठ सौ साल की पुरानी पराधीनता चिरस्थायी हो जाए। अतएव वह इस बात पर कटिबद्ध हो गया कि किसी प्रकार भी हो, इन दुर्लभ छोटी छोटी रियासतों को समाप्त करके पंजाब में एक शक्तिशाली राष्ट्रीय सत्ता स्थापित कर दी जाए, जिससे कोई भी विदेशी आक्रमणकारी अब इस ओर आंख उठा कर न देख सके। इसके लिए उसने परम्परागत तौर तरीके छोड़ कर वे नए तरीके भी अपनाए जिससे वह शक्तिशाली अंग्रेजों का भी सामना कर सके। यही कारण था कि उसने अपने राज्य की सेना ईस्ट इंडिया कम्पनी की सेना की तर्ज पर प्रशिक्षित की और प्रशिक्षण के लिए विदेशी प्रशिक्षकों का उपयोग भी किया। 1808 तक आते आते रणजीत सिंह ने जेहलम और सतलुज के बीच के सभी क्षेत्रों का एकीकरण करने में सफलता प्राप्त कर ली। इधर महाराजा रणजीत सिंह सप्त सिन्धु क्षेत्र के एकीकरण के प्रयास में लगे हुए थे, उधर ईस्ट इंडिया कम्पनी धीरे धीरे पंजाब की ओर सरक रही थी। एक दूसरे की शक्ति तौलने का प्रयास हो रहा था। दोनों की अपनी सीमाएं थीं। दरअसल इसी काल में यूरोप में फ्रांस और इंग्लैंड में घमासान छिड़ा हुआ था। ब्रिटेन को खतरा था कि हो सकता है फ्रांस भारत पर भी हमला कर दे। यह खतरा और बढ़ गया जब 1807 में रूस और फ्रांस में सन्धि हो गई। अंग्रेजों ने अनुमान लगाया कि यदि महाराजा रणजीत सिंह से समझौता हो जाए तो फ्रांस के हमले की स्थिति में वे अंग्रेजों का साथ देंगे। रणजीत सिंह की रणनीति थी कि यदि अंग्रेज सतलुज को अपने राज्य की सीमा मान लेते हैं तो वे निश्चिंत होकर नदी के दक्षिण स्थित क्षेत्रों का एकीकरण कर, एक ताकतवर शक्ति केन्द्र की स्थापना कर सकेंगे। कम्पनी ने समझौते के लिए बातचीत करने के लिए चाल्ज मैटकाफ को अपना राजदूत नियुक्त किया। महीनों तक दोनों पक्षों में बातचीत चलती रही। रणजीत सिंह ने बातचीत के दौरान ही मालवा की रियासतों को अपने राज्य में मिलाना शुरू कर दिया। कम्पनी ने भी अपने सैनिक सतलुज नदी की ओर भेजने शुरू कर दिए। रणजीत सिंह ने इसका उत्तर अपने सैनिक सतलुज के पार भेज कर दिया।

क्या शिक्षा विभाग राज्य में खेलों को बढ़ावा देगा?

हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडियों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है। खेलों से नियमित रोजी रोटी मिलने वालों को चाहिए कि वे नमक का कुछ तो हक अदा करें। अगर खिलाड़ी के रूप में नहीं हो सकता है तो प्रशिक्षण व प्रबंधन तो आसानी से हो ही सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंतर्गत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैंकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है, मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है।

हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने दो वर्ष पहले अपने पूर्व में रहे खिलाड़ी शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों के लिए एक पत्र निकाला था। इस पत्र में शिक्षा निदेशालय ने शौकिया प्रशिक्षण करवाने वाले इच्छुक शिक्षकों व कर्मचारियों के नाम मांगे थे ताकि उन्हें प्रशिक्षण सुविधाओं वाली जगहों पर नियुक्त किया जा सके। मगर आज तक भेजे गए उन नामों का कुछ पता नहीं चला कि उनका क्या हुआ। अब फिर एक पत्र शिक्षा निदेशालय की तरफ से निकला है। उसमें आज शिमला में संयुक्त निदेशक हायर एजुकेशन की अध्यक्षता में खेलों के उत्थान के लिए बनाई गई कमेटी की बैठक हो रही है जो राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के विभिन्न पहलुओं पर राय देगी। हिमाचल प्रदेश में सैंकड़ों खिलाड़ी खेल आरक्षण के अंतर्गत विभिन्न विभागों में नौकरी कर रहे हैं। दर्जन भर खिलाडियों को छोड़ कर न तो कोई खेल कर रहा है और न ही प्रशिक्षण व अन्य खेल प्रबंधन से जुड़ा है। खेलों से नियमित रोजी रोटी मिलने वालों को चाहिए कि वे नमक का कुछ तो हक अदा करें। अगर खिलाड़ी के रूप में नहीं हो सकता है तो प्रशिक्षण व प्रबंधन तो आसानी से हो ही सकता है। हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के विभिन्न विभागों में खेल आरक्षण के अंतर्गत तीन प्रतिशत पदों पर भर्ती करती है। शिक्षा विभाग में अब तक सैंकड़ों प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक व अन्य पदों पर खेल आरक्षण से शिक्षक नियुक्त हैं। हिमाचल प्रदेश का हर बच्चा विद्यालय जा रहा है। वैसे तो विद्यालय में विद्यार्थियों की फिटनेस व खेलों के लिए शारीरिक शिक्षा का शिक्षक नियुक्त होता है, मगर वह हर खेल के लिए प्रशिक्षण नहीं दे सकता है। भविष्य के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के लिए किशोरावस्था से ही सही तकनीक के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्व बढ़ जाता है। अरबों की आबादी में किसी खेल विशेष में सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए क्षमतावान प्रशिक्षक का प्रारंभिक स्तर से होना बेहद अनिवार्य हो जाता है जो सही उम्र में सही तकनीक सिखा कर भविष्य में खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। हिमाचल प्रदेश में खेल प्रशिक्षण के लिए शुरू से वह वातावरण ही नहीं बन पा रहा है जिससे बाद में प्रशिक्षक खिलाड़ी से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठतम परिणाम दिला सके। खेल प्रशिक्षण दस साल से भी अधिक समय तक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। इतने लंबे खेल प्रशिक्षण को प्राप्त कर कुछ एक खिलाड़ी ही अपने प्रदेश व देश को गौरव दिला पाते हैं। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय स्तर पर शारीरिक शिक्षकों की कमी सबके सामने है। विद्यालय जीवन ही वह समय है जब खिलाड़ी तकनीक को सीख रहा होता है। हिमाचल प्रदेश में लगातार प्रशिक्षण के लिए विद्यालय खुलने से पहले व बंद होने के बाद हिमाचल प्रदेश में शारीरिक शिक्षकों को छोड़ कर अन्य विषयों के शिक्षक जो पूर्व में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, अपने पढ़ाई के कार्य के साथ साथ विभिन्न खेलों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चला कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश व देश का नाम पूर्व में रोशन करते रहे हैं और वर्तमान में कर भी रहे हैं। हमीरपुर शहर के वरिष्ठ माध्यमिक कन्या राजकीय विद्यालय में चार दशक पूर्व नियुक्त प्रयोगशाला सहायक अमरनाथ शर्मा ने हमीरपुर से महिला हाकी के लिए निचले स्तर पर बहुत अच्छा काम किया था। इस तरह और कई नाम हैं जिन्होंने अपनी ड्यूटी के साथ खेल प्रशिक्षण में भी सराहनीय कार्य किया है। वर्तमान में बिलासपुर जिले के दूरदराज मोरसिंघी गांव के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में राजनीति शास्त्र की प्रवक्ता व पूर्व अंतरराष्ट्रीय हैण्डबाल खिलाड़ी स्नेह लता के प्रशिक्षण कार्यक्रम से राष्ट्रीय स्तर पर हर आयु वर्ग की महिला प्रतियोगिताओं में हिमाचल विजेता है। पिछले एशियाड में भारतीय महिला हैण्डबाल टीम में चार खिलाड़ी हिमाचल प्रदेश से थी। इस साल की राष्ट्रीय महिला हैण्डबाल प्रतियोगिता की विजेता हिमाचल प्रदेश की टीम में अधिकांश खिलाड़ी मोरसिंघी नर्सरी से हैं। स्नेह लता की पहली नियुक्ति शिक्षा विभाग में सोलन जिले के नवगांव वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हुई थी। उसी समय से स्नेह लता ने हैण्डबाल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की थी। एक दशक पूर्व हमीरपुर जिले के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कक्डयार में नियुक्त प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक कुलवीर सिंह ने एथलेटिक्स में प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया था। उसके अच्छे परिणाम रहे थे, मगर बाद में ऐसी जगह ट्रांसफर हो गई जहां प्ले फील्ड व समय की दिक्कत के कारण उनका प्रशिक्षण कार्यक्रम बंद हो गया। हमीरपुर में आज अपने समय के स्टार धावक अनिल शर्मा व रजनीश शर्मा जो दोनों ही प्रशिक्षित स्नातक अध्यापक के पद पर शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं, अपनी ड्यूटी के बाद शाम के समय अणु सिंथेटिक ट्रैक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हुए हैं। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग में कई खेलों के खिलाड़ी शिक्षक के पदों पर नियुक्त हैं। पिछले कई सालों से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरोट में नियुक्त प्रशिक्षित कला स्नातक अध्यापक पुनित सैनी फुटबॉल के बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं।

नागरिक बोध

साफगोई बरते सरकार

मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने के वायरल हुए विडियो ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब तलब किया है। सीजेआई जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने यहां तक कह दिया कि हम सरकार को थोड़ा वक्त दे रहे हैं, वह कदम उठाती है तो ठीक वरना हम खुद कदम उठाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मीडियाकर्मियों से बातचीत में इस पर गहरा दुख और गुस्सा जताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं से पूरा देश शर्मसार होता है। उन्होंने देश के सभी मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों में कानून व्यवस्था की स्थिति दुरुस्त करने में कोई कोर-कसर बाकी न रखें। इसमें दो राय नहीं कि विडियो के जरिए जिस तरह की घटना सामने आई है, वह वीभत्स है। लेकिन विडियो भले अब वायरल हुआ हो, यह घटना आज की नहीं बल्कि 4 मई की है। और, ढाई महीने पहले की इस घटना में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी भी गुरुवार को हुई जब मणिपुर प्रशासन पर चौतरफा दबाव पड़ा। ध्यान रहे, यह अपनी तरह का इकलौता मामला नहीं है। महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा की भी कई घटनाएं राज्य में इस बीच हुई हैं। 3 मई से ही मणिपुर में हिंसा, लूट, आगजनी का जो सिलसिला शुरू हुआ वह अब तक नहीं थमा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कुछ समय पहले शांति प्रयासों के

तहत तीन दिन वहां रहकर आए थे, लेकिन इसका भी कोई ठोस असर नहीं दिखा। जो शांति समितियां केंद्रीय गृहमंत्री की पहल पर बनाई गई थीं, वे कोई खास परिणाम नहीं दे पाईं। वहां न केवल राज्य सरकार की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं बल्कि इंटरनेट पर रोक जैसी वजहों से सभी सूचनाएं भी बाहर नहीं आ रहीं। फैक्ट फाइंडिंग टीम के सदस्यों के खिलाफ भी पुलिस केस हो गए। विदेश यात्रा से लौटने के बाद प्रधानमंत्री ने मणिपुर के हालात पर एक उच्चस्तरीय बैठक ली। दरअसल, सरकार की ओर से राज्य में शांति कायम करने की और क्या कोशिशें हो रही हैं और पिछले प्रयासों का क्या असर हुआ है, इस बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। जब संसद का मॉनसून सत्र शुरू हुआ तो यह उम्मीद की जा रही थी कि कम से कम सदन में इस पर गंभीर चर्चा होगी, जिसमें सबकी साझा चिंता झलकेगी और सरकार के प्रयासों की दिशा स्पष्ट होगी। लेकिन पहले दिन जहां विपक्ष प्रधानमंत्री के बयान की मांग करते हुए हंगामा करता रहा, वहीं सत्ता पक्ष ने यह कहते हुए पल्ला झाड़ लिया कि विपक्ष तय कर चुका है कि संसद में कामकाज नहीं चलने देगा। यह स्थिति वाकई दुर्भाग्यपूर्ण है।

देश दुनीया से

आरक्षण का जिन्न

शाम को बेटा घर लौटा तो बेहद अनमना था। मुझे चिंता हुई और उसके पास जाकर बालों में हाथ फेरकर मैंने पूछा- 'क्यों बेटा, क्या बात है? तुम इतने परेशान क्यों हो? हौसला रखो, तुम्हारी नौकरी जल्दी ही कहीं न कहीं लग जाएगी। इतना पस्त होने की आवश्यकता नहीं है।' बेटा उदास भाव से बोला-'पापा आरक्षण का जिन्न बोतल से फिर बाहर आ गया है। रही-सही आशा और धूमिल हो गई। अब ये प्रतियोगी परीक्षाएं देने का क्या लाभ है? आरक्षण में इन सवर्णों की तो दुर्गति हो गई है। प्राइवेट सेक्टर तक में इसे लागू करने की तैयारी की जा रही है। आपकी अकेली पांच हजार की पेंशन से यह घर चलेगा कैसे?' एक पल को तो मैं सन्न रह गया। फिर संयत स्वर में उसे मैंने ढाढस दिया-'घबराओ नहीं बेटा, आरक्षण राजनीति का भाग बन गया है, जिसे राजनेता अपने-अपने शासनकाल में वोट बैंक सुनिश्चित करने को काम में लेते रहते हैं। तुम तो अपनी परीक्षाओं की तैयारी करो। मैरिट के आधार पर तुम्हारा सिलेक्शन कहीं न कहीं हो जाएगा।' बेटा बेचैनी से खड़ा हो गया और कमरे में व्यग्रता से टहलता हुआ बोला- 'पापा, परीक्षाओं को जाने दो। मुझे एक सलाह चाहिए और वह यह कि क्या मैं समुद्री डाकू बन जाऊं?' मुझे हृदयाघात सा हुआ। मैं बोला-'यह तुम आज कैसी बहकी-बहकी बातें कर रहे हो? मैं तुम्हारा आशय समझा नहीं!' 'इसमें नहीं समझने की क्या बात है पापा। आजकल समुद्री डाकुओं की मांग फिर सिर उठा रही है। मुझे एक जगह से ऑफर मिला है कि मैं चाहूं तो एक गिरोह में शमिल हो जाऊं!' बेटे ने कहा तो मैं बोला-'पढ़े-लिखे नौजवान हो। समुद्री डाकू बनने का काम हमारा नहीं है। आरक्षण से इतना मत डरो। सरकार पिछड़ों को आगे लाना चाहती है, लाने दो। तुम इतना बुरा विचार मत पालो।' बेटा बोला-'आप आरक्षण की तरफदारी कर रहे हैं। पिछड़ों को आगे लाने के लिए मैरिटोरियस लोगों के पेट पर लात मारी जाएगी? आपकी पेंशन से बंटता क्या है? सिवाय रूखा-सूखा भोजन और अभावों की लम्बी फेहरिस्त के, मुझे समुद्री डाकू बन जाने दीजिए, विद इन नो टाइम इस घर के हालात न बदल दूं तो मेर

टाइटन सबमरीन अरबपतियों के लिए ट्रैप थी: कंपनी सीईओ के दोस्त का दावा- उन्हें पता था ट्रिप खतरनाक है, फिर भी जान जोखिम में डाली

कैनबरा।
अटलांटिक महासागर में डूबे टाइटैनिक शिप के मलबे को देखने गई टाइटन सबमरीन हादसे का शिकार होकर पानी में डूब गई थी। हादसे में सबमरीन में सवार पांच अरबपतियों की मौत हो गई थी। इसमें टाइटन सबमरीन बनाने वाली कंपनी ओशनगेट के सीईओ स्टॉकटन रश भी शामिल थे।

हादसे के लगभग एक महीने बाद रश के करीबी दोस्त कार्ल स्टेनली ने उनको लेकर कई दावे किए हैं। स्टेनली ने कहा है कि टाइटन सबमरीन अरबपतियों के लिए बनाया गया एक माउस ट्रैप था। रश को पता था कि लोगों को टाइटैनिक का मलबा दिखाने वाली ट्रिप एक दिन खतरनाक साबित हो सकती है। इसके बावजूद उन्होंने सबमरीन बनाने का काम जारी रखा।

फेमस होने के लिए स्टॉकटन ने लोग की जान खतरे में डाली

कार्ल स्टेनली ने मीडिया हाउस 60 मिनट्स ऑस्ट्रेलिया को ओशेनगेट कंपनी के सीईओ से जुड़ी जानकारी दी है। स्टेनली ने बताया कि उन्होंने रश को टाइटन के ढांचे को लेकर चेताया था। उन्होंने बताया कि टाइटन के ढांचे को एयरोस्पेस ग्रेड कार्बन फाइबर से बनाया गया था जबकि सबमरीन में आमतौर पर स्टील या टाइटेनियम जैसे मैटल का यूज होता है। स्टेनली ने आरोप लगाया कि स्टॉकटन ने टाइटन के रूप में अरबपतियों को फंसाने का एक ट्रैप डिजाइन किया था। उन्होंने कहा कि वह पहचान हासिल करने के लिए हर संभव कोशिश करने को तैयार था। भले ही इसके लिए उसे लोगों की जान जोखिम में क्यों न डालनी पड़े।

सबमरीन में गन शॉट जैसी आवाजें सुनाई देती थी

स्टेनली ने बताया कि वो 2019 में टेस्ट के दौरान टाइटन की सवारी करने वाले पहले यात्रियों में से एक थे। यात्रा का अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया- समुद्र की गहराई में जाना वाकई जोखिम भरा काम है। जब मैं वहां गया था तो हर तीन-चार मिनट में गोली चलने जैसे आवाजें सुनाई दे रही थीं। समुद्र के नीचे इस तरह की आवाजें सुनकर डर लगा जाहिर सी बात है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि कार्बन के फाइबर से बनी ट्यूब के फेल होने से ही हादसा हुआ।

टाइटन सबमरीन को लेकर सिर्फ कार्ल स्टेनली ही नहीं बल्कि कंपनी के एक पूर्व कर्मचारी ने भी सवाल उठाए थे। रिपोर्ट के मुताबिक 2018 में कंपनी ने एक कर्मचारी को निकाल दिया था।

न्यूज ब्रीफ

पीएम सुनक की पार्टी को भारी नुकसान, उपचुनाव में तीन में से सिर्फ एक पर मिली जीत

लंदन। पिछले महीने ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने पार्टीगेट कांड पर संसदीय समिति की जांच रिपोर्ट आने के बाद संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, उनके सहयोगी निगेल एडम्स ने भी इस्तीफा दे दिया था, जिसकी वजह से लंदन में उनकी सीट खाली हो गई थी। बस यही सीट सुनक के लिए एकमात्र अच्छी खबर बनी। सत्ताधारी कंजर्वेटिव ने इस सीट पर कब्जा कर लिया। तीन सीटों पर हुए उपचुनाव को सुनक के रिपोर्ट कार्ड की तरह पेश किया गया था। कहा जा रहा है कि अगले साल होने वाले आम चुनाव में इस उपचुनाव से सुनक की स्थिति का पता लगाया जा सकता है। कंजर्वेटिव पार्टी (टोरीज) के स्टीव टकवेल ने उक्सब्रिज और साउथ रुइस्लिप पर जीत हासिल कर ली। मात्र 495 वोटों से जीत हासिल की है। लंदन में हुई सुनक की एकमात्र जीत का श्रेय काफी हद तक लेबर मेयर सादिक खान के खिलाफ लोगों के गुस्से को दिया जा रहा है। बता दें, ब्रिटेन की राजधानी के बाहरी क्षेत्रों में अल्ट्रा लो एमिशन जोन (यूएलईजेड) का विस्तार करने की योजना पर खान के खिलाफ लोगों में रोष है। विपक्षी लेबर पार्टी ने 20 हजार से अधिक बहुमत पाकर उत्तरी इंग्लैंड में सेल्बी और आइंस्टी निर्वाचन क्षेत्र पर जीत हासिल कर ली है। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक परिणाम है जो दिखाता है कि लोग हम में विश्वास दिखा रहे हैं। वह एक बदली हुई पार्टी देख रहे हैं जो पूरी तरह से एक महत्वाकांक्षी, व्यावहारिक योजना के साथ कामकाजी लोगों की प्राथमिकताओं पर केंद्रित है। 'सदन की बेबी' कही जाने वालीं भारतीय मूल की लेबर सांसद नादिया व्हिटोम को पछाड़कर 25 वर्षीय कीर माथेर संसद के सबसे कम उम्र के सदस्य बन गए हैं।

पाकिस्तान में सीमा हैदर के बहाने हिंदुओं पर हमले: सिंध में डकैतों से मुकाबला करने के लिए हिंदू बनाएंगे बचाव दल

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में डकैत अल्पसंख्यक हिंदुओं और उनके मंदिरों को लगातार निशाना बना रहे हैं। वह भारत में जांच एजेंसियों के रडार पर चल रही सीमा रिंद (सीमा हैदर) का नाम लेकर भी हिंदुओं को प्रताड़ित कर रहे हैं। पाकिस्तानी सरकार भी इन डकैतों से बचाव के लिए हिंदू समुदाय को पर्याप्त सुरक्षा देने में नाकाम है। इसी कारण पाकिस्तान में पहली बार हिंदू समुदाय अपनी और मंदिरों की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बचाव दल बनाने जा रहा है। इससे पहले, खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने प्रांत में सिखों को निशाना बनाए जाने के बाद आत्मरक्षा के लिए हथियार लाइसेंस दिए जाने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, तब सिखों ने उसे ठुकराते हुए कहा था कि इससे स्थिति और बिगड़ सकती है। नाम न छापने की शर्त पर एक हिंदू ने बताया कि सरकार हमें और हमारे मंदिरों को सुरक्षा देने में नाकाम है। इसी कारण हम अपनी सुरक्षा के इंतजाम खुद करेंगे। कराची के अलावा भी सिंध में 600 से अधिक मंदिर हैं। सरकार ने केवल 400 पुलिस कर्मियों की तैनाती की है।

यूरोप में भीषण गर्मी के बीच ग्रीस के जंगलों में लगी आग, 35 वर्ग किलोमीटर का जंगल हुआ राख

एथेंस। यूरोप इन दिनों भीषण गर्मी और गर्म हवाओं से जूझ रहा है। ऐसे में ग्रीस के जंगलों में आग लगने की खबर है। आग इतनी भीषण है कि उसमें अभी तक 35 वर्ग किलोमीटर का जंगल जलकर राख हो चुका है। प्रभावित जगहों से बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुधवार की रात आग काबू में आ गई थी लेकिन गुरुवार को तेज हवाएं चलने से यह फिर बेकाबू हो गई। ग्रीस के अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता थिआनिस आर्टोपोइस ने ताजा बयान में बताया कि बीते 24 घंटे में ग्रीस के जंगलों में 62 जगहों पर आग लगने की घटना हुई है। ग्रीस के पश्चिमी अट्टिका इलाके में आग के चलते लोगों को सुरक्षित निकाला जा रहा है। कुछ लोग अपने घरों को छोड़कर जाने को तैयार नहीं और वह प्रशासन के आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 72 वर्षीय क्रिसोला रीनेरी ने दावा किया कि उनके कुछ रिश्तेदार उनका घर बचाने के लिए आए थे लेकिन प्रशासन ने इलाके की पानी की सप्लाई ही रोक दी। लोगों का कहना है कि जंगलों की आग फैलने के कारण उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ग्रीस और रोड्स आईलैंड में आपातकाल लागू कर दिया गया है। बता दें कि अल नीनो प्रभाव के चलते यूरोप इन दिनों भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। यूरोप में गर्मी रोज नए रिकॉर्ड तोड़ रही है।

रूस के हमले में चीनी कॉन्सुलेट को नुकसान

जेलेंस्की बोले- चीन के लिए रखा 60 हजार टन अनाज तबाह; निशाने पर यूक्रेन के पोर्ट शहर

कीव।
यूक्रेन जंग के बीच गुरुवार को रूस ने ओडेसा शहर पर हमला किया, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई। इस हमले में चीन के कॉन्सुलेट ऑफिस को भी नुकसान पहुंचा है। ओडेसा के गवर्नर ने बिल्डिंग की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें एक खिड़की टूटी नजर आ रही है। इसके अलावा, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया था कि एक पोर्ट सिटी पर रूस के हमले में चीन को भेजने के लिए रखा 60 हजार टन कृषि उत्पाद (अनाज) नष्ट हो गया। दरअसल, 17 जुलाई को रूस ने यूक्रेन के साथ 'ब्लैक सी ग्रेन डील' खत्म कर दी थी। इससे ठीक एक दिन पहले क्रीमिया ब्रिज पर अटैक में 2 लोगों की मौत हो गई थी।

ये ब्रिज रूस के लिए यूक्रेन में मिलिट्री सप्लाई का अहम रूट है। रूस ने इस हमले के लिए यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद से रूस लगातार यूक्रेन की पोर्ट सिटीज पर जवाबी हमले कर रहा है। यूक्रेन की मिलिट्री के मुताबिक, रूस ने 19 मिसाइल और 19 ड्रोन्स से हमला किया। यूक्रेन इसमें से सिर्फ 5 मिसाइल और 13 ड्रोन्स को मार गिराने में कामयाब हो पाया।

ब्लैक सी पोर्ट पर दिखने वाले जहाजों पर हमले की धमकी

इससे पहले बुधवार को रूस ने कहा था कि यूक्रेन के ब्लैक सी पोर्ट पर दिखने वाले जहाजों को मिलिट्री टारगेट समझा जाएगा। रूस ने कहा था कि वो किसी भी जहाज पर हमले से नहीं कतराएगा। ग्रेन डील खत्म होने के बाद भी कीव ने वादा किया था कि रूस के डील से हटने के बाद भी वो टेंपरेरी शिपिंग रूट बनाकर ग्रेन्स को एक्सपोर्ट करना जारी रखेगा।

क्या थी ब्लैक सी ग्रेन डील

यूक्रेन फूड सप्लाई के मामले में दुनिया के अव्वल देशों में से एक है। ब्लैक सी से गुजरने वाले उसके ग्रेन शिप्स पर रूस के हमलों का खतरा था। लिहाजा, उसने सप्लाई रोक दी और इससे चेन एंड सप्लाई कमजोर पड़ गई। कई यूरोपीय और अफ्रीकी देशों में लोगों के भूख से मरने का खतरा पैदा हो गया।

तुर्किये की कोशिशों से पिछले साल जुलाई में एक डील हुई। इसमें यह था कि रूस और यूक्रेन दोनों ही एक-दूसरे के कार्गो शिप्स पर हमले नहीं करेंगे।

इसके अलावा ह्व के अफसर हर शिप की जांच करेंगे, ताकि इनका इस्तेमाल हथियार ले जाने में न हो। ये डील 17 जुलाई को एक्सपायर हो गई और रूस ने इसे रिन्यू करने से इनकार कर दिया। इसका मतलब अब वो अनाज ले जा रहे जहाजों को भी निशाना बना सकता है।

अमेरिका बोला- यूक्रेन इस्तेमाल कर रहा क्लस्टर हथियार

दूसरी तरफ, अमेरिका ने पुष्टि की है कि यूक्रेन अब उसके क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल कर रहा है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा- शुरुआती फीडबैक से पता चला है कि रूस के खिलाफ हथियारों का इस्तेमाल प्रभावी ढंग से किया जा रहा है। इससे पहले 13 जुलाई को ज्वाइंट स्टाफ जे3 के संचालन निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डगलस सिम्स ने इस बात की पुष्टि की थी कि क्लस्टर हथियार यूक्रेन पहुंच चुके हैं।

यूक्रेन में इस्तेमाल हो रहे क्लस्टर बम क्या होते हैं

क्लस्टर बम एक ऐसा हथियार है, जिसे हवा में रिलीज करने पर कई छोटे-छोटे बम निकलते होते हैं। ये छोटे बम साधारण बमों की तुलना में ज्यादा इलाके को प्रभावित करते हैं। ये खतरनाक इसलिए माने जाते हैं क्योंकि मुख्य बम से निकलने वाले कई सारे छोटे विस्फोटक निर्धारित लक्ष्य के आसपास भी नुकसान पहुंचाते हैं।

ज्यादातर मामलों में इनकी चपेट में आम नागरिक भी आते हैं। इन्हें लड़ाकू विमानों के जरिए आसमान और तोपों के जरिए जमीन से भी दागा जा सकता है। बम के फटने के बाद आसपास गिरने वाले छोटे विस्फोटक लंबे समय तक पड़े रह सकते हैं। ऐसे में जंग खत्म हो के बाद भी इनकी चपेट में आने से जान जा सकती है। यह विरोधी सैनिकों को मारने या उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं।

भारत-अमेरिका मिलकर बनाएंगे लंबी दूरी तक वार करने वाली तोप

अमेरिकी अधिकारी ने कहा- ये चीन को काउंटर करने में बढ़ाएंगी सेना की ताकत

वॉशिंगटन।
भारत और अमेरिका मिलकर लंबी दूरी तक वार करने वाले हथियार बनाने पर काम कर रहे हैं। इनका इस्तेमाल चीन को काउंटर करने के लिए एलएसी पर किया जाएगा। ये जानकारी अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन के टॉप अधिकारी एली रैटनर ने दी है। चीन को लेकर अमेरिकी संसद में हो रही एक बैठक के दौरान इंडो-पैसिफिक सिक्योरिटी अफेयर्स के एसिस्टेंट सेक्रेटरी रैटनर ने अमेरिका के इस फैसले को अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा- ये फैसला दिखाता है कि बाइडेन प्रशासन इंडो-पैसिफिक में अपने दोस्तों की मदद के लिए तैयार है। रैटनर ने कहा है कि अमेरिका न सिर्फ भारत बल्कि जापान और ऑस्ट्रेलिया की भी दुश्मन पर हमला करने की क्षमता बढ़ाने में मदद कर रहा है।

पीएम मोदी की विजिट से पहले तैयार हुआ था मसौदा

फर्स्टपोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और अमेरिका के बीच लंबी दूरी तक वार करने वाली तोपें और बख्तरबंद गाड़ियां बनाने का मसौदा पीएम मोदी के अमेरिका दौरे से पहले तैयार हुआ था। रैटनर ने कहा कि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे पर हमने मिलकर जेट इंजन बनाने की डील की थी। जबकि हम भारत के साथ लंबी दूरी की तोप और बख्तरबंद गाड़ियां बनाने के प्रपोजल पर भी काम कर रहे हैं। जो चीन बॉर्डर पर भारत की जरूरतें पूरी करने का काम करेंगे। दरअसल, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और अमेरिका के जैक सुलिवन ने इस साल की शुरुआत में (इनिशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी) की शुरुआत की थी। यह पहल अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर शुरू की गई है। मई 2022 में टोक्यो में अपनी बैठक के बाद दोनों देशों की सरकारों ने उद्योगों और अकादमिक संस्थानों के बीच टेक्नोलॉजी शेयर करने व रक्षा औद्योगिक साझेदारी बढ़ाने की घोषणा की थी।

वैगनर चीफ से बदला लेंगे पुतिन, सीआईए चीफ का दावा: कहा- वो सही समय का इंतजार कर रहे; अमेरिका ने रूस पर लगाई नई पाबंदियां

वॉशिंगटन।
अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए के चीफ विलियम बर्न्स ने कहा है कि पुतिन वैगनर चीफ प्रिगोजिन से बगावत करने का बदला जरूर लेंगे। वो बस सही समय का इंतजार कर रहे हैं। एक सिक्योरिटी फोरम के दौरान बर्न्स ने कहा कि पिछले महीने रूस में जो कुछ हुआ उसने वहां के खोखले हो चुके सिस्टम को उजागर किया है। दरअसल, फोरम के दौरान सीआईए चीफ से प्रिगोजिन के भविष्य को लेकर सवाल किया गया था। इसके जवाब में उन्होंने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा- रूस में हालात काफी पेचीदा हैं। प्रिगोजिन बगावत के बाद काफी ट्रैवल कर रहे हैं। वो बेलारूस और फिर मॉस्को गए। अफ्रीका में रूस के लिए वैगनर अभी भी काफी जरूरी है। इसके चलते पुतिन पहले वैगनर आर्मी पर प्रिगोजिन के असर को खत्म करेंगे। उसके बाद ही कोई बड़ा फैसला लेंगे।

पुतिन बदला लेने में माहिर

सीआईए चीफ ने कहा है कि पुतिन वो हैं जिन्हें लगता है कि बदला लेना है तो पहले मामले को ठंडा करना जरूरी है। बर्न्स कहते हैं- पुतिन बदला लेने में माहिर हैं, अगर प्रिगोजिन बगावत के बावजूद बच जाते हैं तो ये उनके लिए काफी हैरानी की बात होगी। बर्न्स ने बताया कि उन्हें प्रिगोजिन की बगावत के बारे में पहले से पता था। उन्होंने कहा कि रूस के आर्मी जनरल सर्गेई सुरोविकिन को भी प्रिगोजिन के विद्रोह की पहले से जानकारी थी। रूस में अब उनकी आवाजाही पर नजर रखी जा रही है।

23 जून को वैगनर ने किया था विद्रोह

23 जून को वैगनर ग्रुप ने रूस के खिलाफ विद्रोह की घोषणा की थी। वैगनर आर्मी यूक्रेन के कैंप छोड़कर रूसी सीमा में दाखिल हो गई थी। उसने रोस्तोव शहर और मिलिट्री हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया था। प्रिगोजिन ने तब कहा था- हम मरने से नहीं डरते। उन्होंने दावा किया था कि वैगनर लड़ाकों ने रूसी सेना के कई हेलिकॉप्टर्स को मार गिराया।

इमैनुएल मैक्रों ने किया कैबिनेट में फेरबदल, शिक्षा से लेकर इन मंत्रालयों तक हुआ बदलाव

फ्रांस।
फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को अपने कैबिनेट में फेरबदल किया है। शिक्षा, आवास और शहरी मामलों जैसे प्रमुख घरेलू विभागों में उन्होंने बदलाव किया है। कहा जा रहा है कि बदलाव ऐसे समय में किया है, जब सरकार को हर तरफ से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बता दें, सबसे बड़ा बदलाव शिक्षा मंत्रालय में हुआ है। यहां ब्लैक स्टडीज विश्वविद्यालय के विद्वान पैप एनडियाये को हटाकर 34 वर्षीय बजट मंत्री गैब्रियल अटल को नियुक्त किया गया है। एनडियाये दक्षिणपंथी और रूढ़िवादियों की आलोचना के शिकार हुए थे।

मैक्रों के दूसरा कार्यकाल संकटों से घिरा

बता दें, यह फेरबदल राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के दूसरे कार्यकाल में हुआ है, जो आंतरिक संकटों का सामना कर रहा है। इसमें पेंशन सुधारों को लेकर महीनों से चल रहे प्रदर्शन और ट्रैफिक जांच के दौरान एक किशोर की पुलिस की गोली लगने से हुई मौत के बाद पांच दिनों तक भड़के दंगे शामिल हैं।

इन लोगों को मिला ये कार्यभार

राष्ट्रपति मैक्रों ने शहरी मामलों के मंत्रालय का पदभार उत्तरी अफ्रीकी मूल के कानूनविद् सबरीना एग्रेस्टी-रूबाचे को दिया है। वहीं, ऑरेलियन रूसेऊ को देश का स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान पेरिस क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकरण चलाने के लिए प्रशंसा हासिल की थी। कैबिनेट के फेरबदल में वित्त मंत्री ब्रूनो ले मायेर, विदेश मंत्री कैथरीन कोलोना और आंतरिक मंत्री गेराल्ड डर्मेनिन का पदभार नहीं बदला गया है।

नए शिक्षा मंत्री से जुड़ी खास बातें

नए शिक्षा मंत्री समाजवादी खेमे से हैं। वह फ्रांस के राष्ट्रपति के खास कहे जाने लगे हैं। अटल ने सरकारी प्रवक्ता के रूप में शुरुआत करते हुए लगातार राजनीतिक सीढ़ी चढ़ी है। जब उन्हें पांच साल पहले पहली बार सरकार में नियुक्त किया गया था, तो वह पांचवें गणतंत्र के इतिहास में सबसे कम उम्र के मंत्री बने थे। अटल कुछ मायनों में एनडियाये के बिल्कुल उल्ट हैं। उन्हें एक समझदार, सहज राजनीतिक संचालक के रूप में जाना जाता है। उनका अधिकांश वयस्क जीवन राजनीति में बीता है।

संसद में विरोध का करना पड़ सकता है सामना

सरकार 2024 के लिए अपना बजट पेश करेगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि उसे संसद में कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है। यहां उसका गठबंधन अल्पमत में है। मैक्रों की सरकार नेशनल असेंबली में कई अविश्वास प्रस्तावों से बच गई है, लेकिन आने वाले महीनों में उसे और भी अविश्वास प्रस्तावों का सामना करना पड़ सकता है। बुधवार देर रात अपने सांसदों के साथ बातचीत में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि सरकार को देश में हो रहे दंगों पर बिना किसी सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने से बचना चाहिए और नई नीति का मसौदा तैयार करने से पहले गहराई से देखना चाहिए।

सऊदी अरब ने सिलेबस से इजराइल विरोधी बातें हटाईं

यहूदियों के लिए मंकी और पिग्स जैसे शब्द इस्तेमाल नहीं होंगे, प्रिंस सलमान का फैसला

रियाद/तेल अवीव।
सऊदी अरब और इजराइल के बीच बैकडोर डिप्लोमैसी कामयाब होती नजर आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- सऊदी स्कूल और कॉलेजों के सिलेबस में अब इजराइल या यहूदी विरोधी बातें नहीं होंगी। सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के आदेश पर यह फैसला अमल में लाया गया है। हालांकि, सऊदी और इजराइल की सरकारें इस मसले पर ऑफिशियली कुछ भी बोलने से परहेज कर रही हैं।

एमबीएस को कट्टरपंथ पर सख्त ऐतराज

अरब देशों पर नजर रखने वाली वेबसाइट की एक रिपोर्ट के मुताबिक- प्रिंस सलमान ने दो साल पहले ही देश के तमाम स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटीज के सिलेबस से कट्टरपंथी बातें हटाने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा था कि इस मामले में रिफॉर्म बेहद जरूरी हैं।

करीब दो साल से सभी तरह के सिलेबस में इजराइल और यहूदी विरोधी बातों को हटाया जा रहा था। यहूदियों को इन किताबों में मंकी और पिग्स तक बताया गया है। इसके अलावा यहूदी महिलाओं के बारे में भी आपत्तिजनक बातें थीं। अब ये हटाई जा चुकी हैं। इन किताबों में इजराइल को साजिश करने वाला देश बताया जाता था। इनमें कहा गया था कि इजराइल मिलिट्री पॉवर और टेक्नोलॉजी के दम पर इजिप्ट की नील नदी से इराक तक कब्जा चाहता है।

आतंकी संगठनों का समर्थन भी बंद

रिपोर्ट के मुताबिक- प्रिंस सलमान ने पांच साल पहले ही देश में हर स्तर पर सुधार का एजेंडा तैयार कर लिया था और इस पर अमल के लिए कई अफसरों को लगाया था। कट्टरपंथ और आतंकी सोच वाले संगठनों जैसे हिजबुल्लाह, हूती और मुस्लिम ब्रदरहुड का समर्थन बंद किया गया और इसके बदले अमन बहाली पर फोकस किया गया। यूनेसको के साथ दुनिया के तमाम देशों में सिलेबस कंटेंट पर नजर रखने वाले इंस्टीट्यूट 'इम्पैक्ट' के मुताबिक- पांच साल में सऊदी अरब की 301 टेक्स्ट बुक्स में जबरदस्त बदलाव किया गया। इम्पैक्ट की रिपोर्ट में कहा गया- सऊदी प्रिंस ने नफरत, कट्टरपंथ और आतंकवाद की सोच वाली तमाम बुक्स को रद्दी की टोकरी में फेंक दिया। सऊदी की एजुकेशन मिनिस्ट्री ने अब इन किताबों का वजूद ही खत्म कर दिया है। इस मामले में सबसे ज्यादा फोकस इजराइल और यहूदी विरोधी बातों पर रहा। मसलन, फिलिस्तीन के समर्थन और इजराइल के विरोध वाली एक कविता को सिलेबस से इसी साल हटा दिया गया। कुछ किताबों में दुनिया का नक्शा तो मौजूद था, लेकिन उसमें इजराइल को दिखाया ही नहीं गया था। अब नक्शे पर न सिर्फ इजराइल की मौजूदगी दर्ज है, बल्कि उसके इस्लाम से टकराव की बातें भी सिलेबस से हटा दी गई हैं। एमबीएस की हिम्मत की दाद देनी होगी 'इम्पैक्ट' के वाइस प्रेसिडेंट एरिक अगासी के मुताबिक- सऊदी क्राउन प्रिंस एमबीएस ने जो बदलाव या सुधार किए हैं, उनके लिए बहुत हिम्मत की जरूरत थी। इसलिए उनकी तारीफ करनी होगी। एमबीएस ने बता दिया है कि वो किस तरह का मुल्क चाहते हैं। सऊदी अरब की किताबें दुनिया के कई मुस्लिम देशों के लाखों स्टूडेंट्स पढ़ते हैं। इन्हें मस्जिदों से लेकर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स में भी पढ़ाया जाता है। लिहाजा, इससे बहुत बड़े बदलाव आएंगे। इजराइल को मान्यता भी देगा सऊदी वर्ल्ड मीडिया में यह खबरें आती रही हैं कि गल्फ कंट्रीज की सबसे बड़ी ताकत सऊदी अरब जल्द इजराइल को मान्यता दे सकता है। कुछ वक्त पहले सऊदी के परमानेंट रिप्रेजेंटेटिव अब्दुल्ला अल मोआलिमिनी ने साफ तौर पर इसका जिक्र किया था।

राजस्थान विस : अन्नपूर्णा फूड-पैकेट योजना में भ्रष्टाचार पर भाजपा का हंगामा, वॉकआउट

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में हर महीने फ्री राशन किट पहुंचाने की अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना में भारी भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को भाजपा विधायकों ने विधानसभा में हंगामा किया। हंगामे के बीच उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने यहां तक कह दिया कि यह सरकार अली बाबा और चालीस चोर की सरकार है। ऐसी सरकार का सत्यानाश हो जाए तो भी कम है। हंगामे के बाद बीजेपी विधायक सदन से वॉकआउट कर गए। शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव के जरिए उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, बीजेपी विधायक अनिता बघेल, सुभाष पूनिया, प्रताप सिंह सिंघवी ने स्थगन प्रस्ताव के जरिए फ्री राशन किट योजना में सरकार पर भ्रष्टाचार के जमकर आरोप लगाए। उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि जो मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करतें हैं, लेकिन जनता स्वीकार करती हैं कि हमें रिश्वत देनी पड़ती है। सरकार की अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना भ्रष्टाचार करने एक सुनियोजित साजिश साबित हो रही है। यही योजना सरकार बनते ही 2018 में आती तो खुशी होती कि किसी गरीब के घर में अन्न का दाना जाएगा। जो सरकार कोरोना काल में दवाई खा जाए, कफन खा जाए। उस सरकार से किस न्याय की उम्मीद कर सकते हैं? उन्होंने कहा कि योजना को लेकर अदालत ने फटकार लगाई। योजना में आरटीपीपी एक्ट की धज्जियां उड़ाई गई हैं। एक कंपनी विशेष को फायदा देने के लिए सरकार के गरीबों के कमाई के पैसे पर डाका डालने की कोशिश की है। अन्नपूर्णा फूड पैकेट वोटर्स को लुभाने योजना तो है ही, यह अपने चहेतों को लाभ देने की भ्रष्टाचार ज्वलंत उदाहरण साफ तौर पर दिखाई पड़ता है। यह मैं नहीं कह रहा ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल कहती है, करप्शन सर्वे कहता है कि राजस्थान के 78 प्रतिशत लोगों को रिश्वत देनी पड़ती है। इस सरकार में हर तरह के अन्नपूर्णा फूड पैकेट माफिया हैं। इस सरकार में हर तरफ माफिया हावी हैं- भूमाफिया, शराब माफिया, तबादला माफिया, खनन माफिया, शिक्षा माफिया, जेल माफिया, राजनीति माफिया, ये माफिया, वो माफिया। मैं तो ये कहता हूं कि ऐसी सरकार का सत्यानाश हो जाए तो भी कम है। पूनिया ने कहा कि अन्नपूर्णा योजना में भ्रष्टाचार का तांडव खडा किया है। राजस्थान की जनता है, पब्लिक सब जानती है, यह फैसला जरूर करेगी। राजस्थान की जनता की अदालत में इस सरकार के हाथ भ्रष्टाचार से रंगे हुए हैं। इसलिए यह सरकार अली बाबा और 40 चोर की सरकार है। बीजेपी विधायक अनिता भदेल ने कहा कि अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना को लेकर पहले मुख्यमंत्री और खाद्य मंत्री के बीच विवाद हुआ। खाद्य विभाग से इसे सहकारिता विभाग को दे दिया। जब बजट पास हो गया तो बिना विधानसभा की मंजूरी के इसे बदला नहीं जा सकता। इसके बावजूद सरकार ने करप्शन करने के लिए पहले इसे सहकारिता को दिया फिर कलेक्टरों के जरिए टेंडर करने का प्रावधान कर दिया। फिर मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि फूड पैकेट के बदले तीन सौ रुपए खाते में डाल देंगे। आप इस तरह की योजनाओं में करप्शन क्यों करना चाहते हैं? क्यों जनता की गाढ़ी कमाई को लुटाना चाहते हैं? भदेल ने कहा, फूड पैकेट योजना में करप्शन और मनमानी शर्तों के खिलाफ हाईकोर्ट तक में मामला गया है। मुख्यमंत्री ने फ्री फूड पैकेट बांटने की घोषणा की थी, आम आदमी फूड पैकेट का इंतजार कर रहा है। सरकार को केवल कमिशन की चिंता है।

आई फ्लू के बड़े मामले 150 पार हुई ओपीडी

सोनीपत (हिंस)। खरखौदा क्षेत्र में आई फ्लू के मरीजों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। आंखों से संबंधित बीमारी में निरंतर बढ़ोतरी होने के कारण सरकारी अस्पताल में भी ओपीडी 150 तक पार कर गई है। नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश ने बताया कि परिवार में अगर एक बच्चे को आई फ्लू रोग हो जाता है तो पूरे परिवार में इस रोग के फैलने की संभावना बन जाती है। परिवारों में कई बार सावधानी नहीं बरती जाती। जिसके कारण यह रोग फैल जाता है। स्कूल में आई फ्लू के मामले आ रहे हैं। उन बच्चों को स्कूल आने से कई बार मना कर देते हैं। आई फ्लू वाले मरीज को यह सावधानी अवश्य रखनी चाहिए कि रोगी को अपनी आंखों को सीधे तौर नहीं छूना चाहिए। अगर वह सीधे तौर पर आंखों को स्पर्श करता है तो हाथ दूसरी जगह लग जाने से दूसरे लोगों को लग सकते हैं। जिससे यह रोग फैलने लगता हैं।

जलापूर्ति एवं सेनिटेशन विभाग में आई 98 प्रतिशत शिकायतों का निपटारा: जिम्पा

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के जलापूर्ति एवं सेनिटेशन मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने कहा है कि विभाग में 16 महीनों के दौरान आईं शिकायतों में से 98 प्रतिशत से भी ज्यादा का निपटारा किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व अधीन सरकार राज्य के गांवों में साढ़े पीने वाला पानी मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मकसद की पूर्ति के लिए जल सप्लाई और सेनिटेशन विभाग पूरी शिद्दत के साथ काम कर रहा है। जिम्पा ने बताया कि विभाग की तरफ से जारी टोल फ्री नंबर 1800-180-2468 पर यदि किसी गांववासी या पंचायत की तरफ से पानी सप्लाई, आरओप्लांट, सीवरेज या निजी शौचालयों संबंधी शिकायत मिलती है तो उसका समाधान संबंधी अधिकारी की तरफ से समयबद्ध तरीके साथ किया जाता है। इस नंबर पर 16 मार्च 2022 से लेकर 18 जुलाई, 2023 तक 24 हजार 277 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 23 हजार 918 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। शिकायतों का निपटारा करने की यह दर 98.52 प्रतिशत बनती है। उन्होंने बताया कि शिकायत का निपटारा होने के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक भी लिया जाता है और यदि वह शिकायत के समाधान से संतुष्ट नहीं तो उसकी शिकायत पर दोबारा योग्य कार्यवाही की जाती है।

लुधियाना व फरीदकोट में अनुसूचित जाति के फर्जी प्रमाण पत्र रद्द

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान लुधियाना व फरीदकोट में दो महिलाओं के फर्जी अनुसूचित जाति प्रमाण पत्रों को रद्द कर दिया है। पंजाब की सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री बलजीत कौर ने शुक्रवार को बताया कि सिमरजीत कौर पत्नी गुरमेल सिंह जिला फरीदकोट ने सामाजिक न्याय विभाग के पास शिकायत दर्ज करवाई थी कि फरीदकोट निवासी गीता ने जनरल जाति से संबंधित होने के बावजूद भी अनुसूचित जाति का सर्टीफिकेट बनाया है। इसके अलावा जतिंदर कौर बेटी प्यारा सिंह पत्नी अमनिन्दर सिंह गांव के डाकजाना मंडियाणी जिला लुधियाना ने जनरल जाति के साथ संबंधित होने के बावजूद भी अनुसूचित जाति का सर्टीफिकेट बनाया था। उसने स्वयं अपना अनुसूचित जाति का सर्टीफिकेट रद्द करवाने के लिए तहसील दफ्तर में जमा करवा दिया था और इस सर्टीफिकेट को रद्द करवाने के लिए कोर्ट में सिविल रिट्ट पिटीशन दायर की गई है। उसने इस सर्टीफिकेट पर कोई लाभ नहीं लिया गया। मंत्री ने बताया कि सामाजिक न्याय विभाग की जांच में गीता और जतिंदर कौर के अनुसूचित जाति के सर्टीफिकेट फर्जी होने की पुष्टि हुई है। मंत्री ने बताया कि विभाग ने फिरोजपुर के जिला उपायुक्त को पत्र लिखकर गीता व लुधियाना के उपायुक्त को जतिंदर कौर के अनुसूचित जाति सर्टीफिकेट रद्द और जब्त करने के निर्देश दिया है।

बीएसएफ ने सीमावर्ती क्षेत्र से बरामद किया पाकिस्तानी ड्रोन

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ के जवानों ने भारत-पाक सीमावर्ती क्षेत्र में पाकिस्तान की घुसपैठ को विफल करते हुए एक ड्रोन को कब्जे में लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है। बीएसएफ तथा पंजाब पुलिस ने मिलकर कई घंटे तक सर्च आपरेशन भी चलाया। बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार यह ड्रोन पंजाब के तरनतारन के सीमावर्ती गांव मस्तगढ़ से बरामद किया गया है। सतर्कता के लिए बीएसएफ और पंजाब पुलिस की तरफ से तरनतारन के सरहदी गांवों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। इसी दौरान मस्तगढ़ के खेतों में ड्रोन गिरा मिला। उसके बाद ड्रोन को जब्त करके फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है।

भाजपा सरकार की लापरवाही से लोगों को करना पड़ा बाढ़ का सामना : भूपेंद्र हुड्डा

फरीदाबाद (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि यमुना के जलस्तर बढने् से फरीदाबाद से सटे गांवों व कालोनियों में भारी नुकसान हुआ है। लोगों के मकान टूट गए, फसलें नष्ट हो गई और पशुधन की भी हानि हुई है। छोटे व्यापारी भी इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए हैं। वे शुक्रवार को तिगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले यमुना प्रभावित गांव मंझावली, घरौंडा, अरुआ, चांदपुर, फज्जूपुर, नचौली, अमीपुर में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान हुड्डा ने बाढ़ पीड़ितों से मिलकर उनका दुख बांटते कहा कि कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि अवैध माइनिंग के चलते यमुना का रास्ता बदल गया, जिसके चलते इस आपदा का सामना लोगों को करना पड़ा, क्योंकि हथिनीकुंड बैराज से इस बार तीन लाख 80 हजार क्यूसिक पानी छोड़ा गया था, जबकि वर्ष 2006 में आठ लाख क्यूसिक पानी छोड़ा गया था, यह सरकार को प्रशासन की लापरवाही का ही नतीजा है, जो लोगों को बाढ़ का सामना करना पड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि आपदा के इस समय में सरकार को लोगों की मदद करनी चाहिए, लेकिन जो मुआवजा राशि सरकार ने घोषित की है, वह नाकाफी है। उन्होंने कहा कि जिस लोगों की फसल नष्ट हुई है, उन्हें 15 हजार प्रति एकड़ की बजाए 40 हजार रूपए प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए वहीं जिनके मकान नष्ट हुए है, उन्हें नए मकान दिए जाने चाहिए। जिन लोगों की इस आपदा में मौत हुई है, उन्हें 4 लाख की जगह 20 लाख का मुआवजा मिलना चाहिए। भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि मौसम विभाग ने पहले ही अलर्ट कर दिया था, इसके बावजूद हरियाणा व दिल्ली की सरकारें सोती रही, नतीजतन लोगों को परेशानियों से जूझना पड़ा। मणिपुर की घटना को पूर्व मुख्यमंत्री श्री हुड्डा ने शर्मनाक बताते हुए कहा कि इस मामले में कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए क्योंकि इस घटना ने देश को शर्मसार कर दिया है। भाजपा सरकार पर हल्ला बोलते हुए हुड्डा ने कहा कि आज हरियाणा बेरोजगारी में नंबर वन पर है, मौजूदा आंकड़े जो सरकार ने पॉलियामेंट में पेश किए है, उसके अनुसार आज हरियाणा में बेरोजगारी दर 9 प्रतिशत है, जबकि वर्ष 2013-14 में 2.9 प्रतिशत थी। 2013-14 में प्रति व्यक्ति आय, प्रति व्यक्ति निवेश, कानून व्यवस्था में हरियाणा पूरे देश में नंबर वन था, जबकि अब बेरोजगारी, महंगाई, अपराध में नंबर है। इस अवसर पर पूर्वमंत्री करण दलाल, विधायक नीरज शर्मा, पूर्व विधायक ललित नागर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता लखन कुमार सिंगला, योगेश गौड़, तेज प्रकाश भारद्वाज सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

गठबंधन सरकार के कार्यकाल में उचाना हलका में हुए रिकार्ड तोड़ विकास कार्य : दुष्यंत चौटाला

जींद (हिंस)। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि मौजूदा गठबंधन सरकार के कार्यकाल में उचाना हलका में रिकार्ड तोड़ विकास कार्य हुए हैं। शहरों एवं गांवों में लोगों को मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए हलका में सेंकड़ों विकास परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपए गत साढ़े तीन साल के दौरान खर्च किए गए हैं। आगे भी विकास का यह पहिया निरंतर सरपट दौड़ता रहेगा। विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। वे शुक्रवार को हलका के गांव अलेवा, डाहौला तथा उचाना मंडी में पांच दर्जन से अधिक जलपान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जननायक स्वर्गीय चौधरी देवीलाल के समुचित ग्रामीण विकास के सपने को साकार करना उनकी पहली मंशा है और वो इसके लिए हमेशा संघर्षरत्त रहेगें। वर्षों से पिछड़ा उचाना हलका वर्तमान में विकासशील क्षेत्रों में शुमार हुआ है और उचाना में हुए विकास की यह दास्तान गांवों एवं शहरों में बनी चमचमाती सड़कें खुद बयान कर रही है। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि उनकों हर मूलभूत सुविधा एवं सहुलियत प्रदान करवाई जाएगी, इसके लिए वे स्वयं निरंतर प्रयासरत्त हैं। उन्होंने कहा कि उचाना हलका के करीब 17 गांव पेयजल के लिए तरसते रहे, उनकी इस समस्या का उन्होंने स्थायी समाधान करवाया है। इन 17 गांवों के लोगों को पीने के लिए अब जल्द ही भाखड़ा का नीला पानी उपलब्ध होगा। इस संबंध में परियोजना को सरकार द्वारा मंजूर कर दिया गया है। उचाना के बाईपास को मंजूरी मिल गई है, इसके बनने से क्षेत्र व आसपास के लोगों को सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी। चौटाला ने कहा कि सरकार ने किसानों का दर्द समझा है और इसीलिए फसल बिक्री प्रणाली अंत्यत सरल बनाया है। वर्तमान खरीफ फसल में आगामी सीजन के दौरान बाजरा, धान, कपास व अन्य फसलों की बिक्री के लिए भी किसान को इंतजार नहीं करना पड़ेगा। किसानों की सुविधा के लिए खरीफ फसल की खरीद के लिए प्रदेश में खरीद केंद्रों की संख्या बढ़ानी पड़ी तो सरकार इस पर भी साकारात्मक कदम उठाएगी। इसके लिए किसान अपनी फसल का रजिस्ट्रेशन करवाएं। इस मौके पर उचाना एसडीएम गुलजार मलिक, जेजेपी जिलाध्यक्ष कृष्ण राठी, उपमुख्यमंत्री के निजी सचिव प्रो. जगदीश सिहाग, हलका जजपा प्रधान विश्ववीर उर्फ काला नंबरदार, जिला परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि कुलदीप रंधावा, शमशेर नगूरां, जोरासिंह डूमरखां, बलवान नैन दनौदा, समेत विभिन्न कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजस्थान में भूकंप से तीन बार कांपी धरती

जयपुर(हिंस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित पूरे प्रदेश में शुक्रवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। कुछ-कुछ देर के अंतराल में लगातार तीन बार आए भूकंप के झटकों से भयभीत लोग घरों से बाहर निकल आए। फिलहाल भूकंप से किसी भी तरह की क्षति की सूचना नहीं है। लोगों ने पहला झटका सुबह करीब 4 बजकर 9 मिनट पर महसूस किया। इसकी तीव्रता काफी तेज थी। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक पहला भूकंप सुबह करीब चार बजकर चार बजकर नौ मिनट पर आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 रही। इसका केंद्र जयपुर ही रहा। दूसरा भूकंप करीब चार बजकर 23 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता 3.1 और अगला भूकंप करीब चार बजकर 25 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता 3.4 रही। तीनों का केंद्र जयपुर और आसपास ही रहा है।

पुलिस एनकाउंटर में एक बदमाश ढेर, जीप छोड़ पांच फरार

सीकर (हिंस)। छह दुकानों से चोरी करने के दौरान जाग होने पर भागे बदमाशों से पुलिस की घेराबंदी में मुठभेड़ हुई। बदमाशों के पुलिस के साथ हुए एनकाउंटर में जीप में सवार एक बदमाश की मौत हो गई तथा पांच अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहे। तीन जिलों की पुलिस ने बारह टीमें बनाकर फरार बदमाशों की तलाश जारी कर दी है। पुलिस को खेतों में भी खून के निशान मिले है जिससे कयास लगाया जा रहा है कि एक अन्य बदमाश भी एनकाउंटर में घायल हुआ है। पुलिस के अनुसार बीकानेर जिले के डूंगरगढ़ तहसील के मोमासर गांव में देर रात छह बदमाशों ने ज्वेलरी की छह दुकानों के शटर तोड़कर लूटपाट की थी। बदमाशों ने ज्वेलरी की दुकानों से तिजोरियां निकाल जीप में डालने का प्रयास किया। मौके से गुजर रहे तीन चार राहगीरों एवं ट्रेक्टर सवार ने शोर मचाकर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मोमासर चौकी के साथ ही श्रीडूगरगढ़ पुलिस ने मौके पर पहुंच कर बीकानेर, रतनगढ़, फतेहपुर और सीकर पुलिस को सक्रिय कर दिया। पुलिस की सभी जिलों में पुलिस की कराई गई नाकेबंदी के दौरान बीकानेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रतनगढ़ पुलिस ने बदमाशों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस की नाकाबंदी तोड़ बदमाश राष्ट्रीय राजमार्ग छोड़कर सीकर जिले के रोलसाहबसर ग्राम से ढांढण रोड से भागने के दौरान रामगढ़ सेठान पुलिस से आमना-सामना हो गया। पुलिस से घिरा हुआ पाकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की जिसके जवाब में पुलिस की फायरिंग में एक बदमाश ढेर हो गया।

फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने वाले 9 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दायर

श्रीनगर (हिंस)। क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा ने एसकेआईएमएस सौरा में फर्जी तरीके से नौकरी हासिल करने में शामिल होने के आरोप में 9 आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। शाखा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और प्रमाणपत्रों की जालसाजी आदि करने के बाद एसकेआईएमएस सौरा में धोखाधड़ी से नौकरियां हासिल करने में संलिप्तता के लिए नौ व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। आरोपों के मुताबिक शकूर अहमद तांत्रे पुत्र मोहम्मद यूसुफ तांत्रे निवासी पोनीपोरा कुलगाम, मोहम्मद शाहिद मुर्तजा पुत्र मोहम्मद शाबान डार निवासी वानपोरा कुलगाम, शाड़िया हसन पुत्री गुलाम हसन निवासी कुलपोरा सरंदू कुलगाम, मुदासिर बशीर सोफी पुत्र बशीर अहमद सोफी निवासी नूरबाग कुलगाम और शमीम अहमद नाइक पुत्र हमीदुल्ला नाइक निवासी बनिमुल्ला कुलगाम को नर्सिंग ऑर्डरली के रूप में नियुक्त किया गया था। सत्यापन रिपोर्ट के अनुसार यह पता चला कि शैक्षणिक अथवा जन्म प्रमाण पत्र फर्जी और जाली थे। जांच के दौरान पाया गया कि आमिर हसन खान पुत्र गुलाम हसन खान निवासी बदरकुंड गांदरबल और जहांगीर अहमद डार पुत्र गुलाम हसन डार निवासी अश्मुजी कुलगाम ने एसकेआईएमएस सौरा में नौकरी हासिल करने के लिए फर्जी प्रमाणपत्र भी पेश किया था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि राशिद-उल-हसन गोज्जर पुत्र गुलाम हसन निवासी अरिगुटनू कुलगाम और मोहम्मद अकबर लोन (अब मृतक) पुत्र गुलाम रसूल लोन निवासी गुंड फतेहपोरा अनंतनाग मौद्रिक लाभ के लिए अंक कार्ड की जालसाजी और निर्माण के लिए जिम्मेदार थे।

थाना प्रभारी पर केस दर्ज करने की मांग को लेकर वकीलों का वर्क सस्पेंड

रेवा ?ी (हिंस)। रेवाड़ी में एसएचओ पर आपराधिक केस दर्ज करने की मांग को लेकर वकीलों का आक्रोश ब ?ता ही जा रहा है। शुक्रवार को बार एसोसिएशन की तरफ से अनिश्चिकालीन वर्क सस्पेंड की घोषणा कर दी गई। वकीलों की मांग है कि थाना प्रभारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। गौरतलब है कि रेवाड़ी के गांव खिजूरी निवासी एडवोकेट मुकेश कुमार का 14 जुलाई को उनके गांव में ही बने शराब ठेके के पास धारूहेड़ा थाना प्रभारी प्रह्लाद सिंह के साथ विवाद हो गया था। आरोप है कि इस दौरान थाना प्रभारी ने वकील मुकेश कुमार को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद एडवोकेट मुकेश ने बार एसोसिएशन में इसकी जानकारी दी। बार एसोसिएशन ने एसपी दीपक सहारण से मुलाकात कर कार्रवाई की मांग की थी। एसपी ने मामले की जांच एएसपी धारणा यादव को सौंपी थी। लेकिन कार्रवाई नहीं होती देख बुधवार को वकीलों ने वर्क सस्पेंड कर दिया था। जिसके बाद एसपी ने तुरंत प्रभाव से धारूहेड़ा थाना प्रभारी प्रह्लाद सिंह को लाइन हाजिर कर दिया, लेकिन इससे वकील नाखुश दिखे और गुरुवार को भी उन्होंने वर्क सस्पेंड रखा। बार एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल धारूहेड़ा थाना प्रभारी प्रह्लाद सिंह पर आपराधिक मामला दर्ज कराने की मांग को लेकर रेवाड़ी रेंज के एडीजीपी से मिले। एडीजीपी ने मामले की जांच महेन्द्रगढ़ एसपी विक्रांत को सौंप दी है। बार एसोसिएशन का कहना है कि इस मामले में तुरंत एसएचओ के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। जब तक मामला दर्ज नहीं होता वे वर्क सस्पेंड रखेंगे। जिला बार एसोसिएशन की तरफ से शुक्रवार को भी रेवाड़ी में वर्क सस्पेंड रखा गया। बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट सौरभ यादव ने कहा कि हम एसपी दीपक सहारण से मिल चुके है। एसएचओ को सस्पेंड करने की बजाए सिर्फ लाइन हाजिर किया गया। थाना प्रभारी सीसीटीवी में एडवोकेट मुकेश को थप्पड़ मारते हुए दिख रहे है। ऐसे में उनके खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए। जब तक केस दर्ज नहीं होता वे अनिश्चितकालीन वर्क सस्पेंड रखेंगे। लगातार तीसरे दिन वर्क सस्पेंड रहने से अदालतों में कामकाज के लिए आने वाले लोगों को भी खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने तकनीकी शिक्षा मंत्री को जारी किया नोटिस

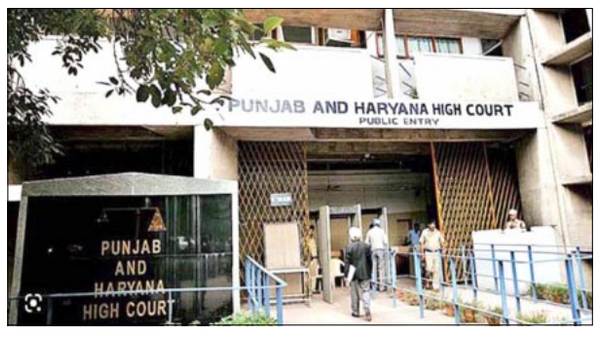

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक कालेज के स्टाफ को वेतन नहीं मिलने के मामले में पंजाब के शिक्षा मंत्री व तकनीकी शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। पंजाब सरकार इस नोटिस पर 28 सितंबर तक स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करेगी। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ही टेक्नीकल एजुकेशन और बाबा हीरा सिंह भट्टल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी लहरागागा (संगरूर) के गवर्नर्स बोर्ड के चेयरमैन हैं। संगरूर जिले में स्थित बाबा हीरा सिंह भट्टल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कर्मचारी सुनत्या कुमार ने हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने उन्हें और अन्य स्टाफ को 16 दिसंबर, 2019 से अब तक वेतन नहीं दिए जाने की बात कही है। हाई कोर्ट ने 16 मई 2023 को इंस्टीट्यूट की संपत्ति बेचकर याचिकाकर्ता व अन्य स्टाफ को वेतन देने के आदेश जारी किए थे। हाई कोर्ट द्वारा पंजाब सरकार को कर्मचारियों को वेतन देने के लिए एक महीने का समय दिया गया था।

अवैध खनन करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई : विक्रम सिंह

फरीदाबाद (हिंस)। डीसी विक्रम सिंह ने कहा है कि जिला में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की टीमें निरंतर पेट्रोलिंग कर पुख्ता निगरानी करें और इंपाउंड किए गए वाहनों के खिलाफ कोर्ट केसों की पैरवी पुख्ता सबूतों के साथ करना सुनिश्चित करें। वे शुक्रवार को जिला स्तरीय टास्क फोर्स /खनन कार्य की मासिक समीक्षा बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे। डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार जिला फरीदाबाद में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ सम्बंधित क्षेत्र के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सख्ती से पेश आकर सख्त कार्यवाही अमल में लाना सुनिश्चित करें और इस कार्य टीमें निगरानी के लिए डेली बेसीज पर गश्त कर समीक्षा करके उसकी प्रगति रिपोर्ट भी आन लाइन प्लेट फार्म प्रणाली के जरिए मुख्यालय में प्रस्तुत करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अपने इलाकों में अवैध खनन गतिविधियों को लेकर पूर्णत: सतर्कता बरते। जहां भी अवैध खनन करने वालों की शिकायतें और सूचनाएं मिल रही हैं वहां पर तत्परता के साथ सख्त कानूनी कार्यवाही अमल में लाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही अवैध रूप से ओवरलोडिंग वाहनों को लेकर भी सख्ती से पेश आकर चालान करना सुनिश्चित करें और इंपाउंड किए गए वाहनों के खिलाफ कोर्ट केसों की पैरवी पुख्ता सबूतों के साथ करना सुनिश्चित करें। डीसी ने विभाग वार एक एक करके अवैध खनन क्षेत्रों के अलावा पाली व मोहताबाद क्रेशर जोनों की समीक्षा करके सम्बंधित अधिकारियो को दिशा-निर्देश भी दिए। वहीं जिला टास्क फोर्स की बैठक में चालू वित वर्ष 2023 में हुई, अवैध खनन की घटनाओं पर की गई कार्रवाई की एक-एक करके समीक्षा करके विभाग वार अवैध खनन की जांच के लिए निगरानी दलों/डीएलटीएफसी के सदस्यों के आपसी समन्वय पर भी समीक्षा की और अवैध खनन से जुड़े संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में समीक्षा कर प्रशासनिक अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम फरीदाबाद परमजीत सिंह चहल, एसडीएम बल्लबभगढ़ त्रिलोक चंद व आरटीए जितेन्द्र गहलोत, जिला खनन अधिकारी कमलेश बिड़लान, प्रदूषण बोर्ड की क्षेत्रीय अधिकारी आकांक्षा तंवर, दिनेश कुमार, एआईपीआरओ संजय कुमार, डीए बिभोर खटाणा सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

यूपीआई के जरिए श्रीलंका में भी भुगतान होगा संभव, श्रीलंका के राष्ट्रपति से मिल पीएम ने ये कहा

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की उपस्थिति में भारत और श्रीलंका के बीच कई समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। इनमें से एक समझौता श्रीलंका में यूपीआई स्वीकृति के लिए नेटवर्क-टू-नेटवर्क डील के लिए भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बीच व्यापक बातचीत के बाद भारत और श्रीलंका ने आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने के लिए शुक्रवार को एक महत्वाकांक्षी दृष्टिपत्र स्वीकार किया। इस दौरान पीएम ने कहा, आज हमने हमारी आर्थिक साझेदारी के लिए एक विज़न डॉक्यूमेंट अपनाया है। यह विजन है - दोनों देशों के लोगों के बीच समुद्री, हवाई, ऊर्जा और पीपल-टू-पीपल कनेक्टिविटी को मजबूती देने का। पीएम मोदी ने पिछले साल श्रीलंका में आई आर्थिक कठिनाइयों का जिक्र करते हुए अपने बयान में कहा कि भारत संकट के दौरान एक करीबी दोस्त के रूप में द्वीपीय राष्ट्र के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि श्रीलंका में यूपीआई भुगतान प्रणाली शुरू करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देने से दोनों पक्षों के बीच फिनटेक कनेक्टिविटी होगी। उन्होंने कहा कि पिछला एक साल श्रीलंका के लोगों के लिए चुनौतियों से भरा रहा है और एक करीबी दोस्त होने के नाते हमेशा की तरह भारत श्रीलंका के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। मोदी ने अपनी टिप्पणियों में कहा कि भारत और श्रीलंका के सुरक्षा हित और विकास एक दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक दूसरे के सुरक्षा हितों और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए मिलकर काम करना जरूरी है। मोदी ने कहा कि आर्थिक साझेदारी के लिए एक दृष्टि पत्र स्वीकार किया गया है। उन्होंने कहा कि पर्यटन, बिजली, व्यापार, उच्च शिक्षा, कौशल विकास और कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में आपसी सहयोग में तेजी लाने का दृष्टिकोण है।उन्होंने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच समुद्री, वायु, ऊर्जा और लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करने का दृष्टिकोण है। मोदी ने यह भी कहा कि यह तय किया गया कि आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर एक समझौते पर जल्द ही बातचीत शुरू होगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि श्रीलंका सरकार तमिल समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करेगी।

न्यूज ब्रीफ

पूर्वोत्तर के राज्य जीएसटी संग्रह और हस्तांतरण के मिसाल, असम-त्रिपुरा दौरे पर बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त व कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों ने वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) के संग्रह और हस्तांतरण में सफलता की कहानी लिखी है। उन्होंने कहा कि राज्यों के वित्त पर आरबीआई की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार आठ पूर्वोत्तर राज्यों ने 27.5 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक जीएसटी वृद्धि दर्ज की है। सीतारमण केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अधिकारियों और कर्मचारियों को सेवा के विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान करने के लिए आयोजित अलंकरण समारोह में बोल रही थीं। मंत्री ने कहा कि जीएसटी अधिनियम पारित होने के चार दिन बाद असम इसका अनुमोदन करने वाला पहला राज्य था और तब से करों के संग्रह में 12 गुना वृद्धि हुई है। जीएसटी लागू होने से पहले असम का बिक्री कर संग्रह 558.26 करोड़ रुपये था, लेकिन यह कई गुना बढ़कर 7,097 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि सिक्किम और मेघालय ने भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसमें सिक्किम का संग्रह 263.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 3,036 करोड़ रुपये और मेघालय का संग्रह 587.21 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,078 करोड़ रुपये हो गया है। सीतारमण ने कहा, जीएसटी ने प्रणाली में महत्वपूर्ण सुधार किया है, जिससे न केवल राज्यों को बल्कि अंततः लोगों को भी लाभ हुआ है। पूर्वोत्तर की सीमाएं चार देशों के साथ लगती हैं और इस क्षेत्र में 25 कार्यात्मक भूमि सीमा शुल्क स्टेशन (एलसीएस) हैं, इनमें से केवल 15 में इलेक्ट्रॉनिक सुविधाएं हैं।

पीएमएलए में संशोधन से जुड़े मामले में होगी सुनवाई, सीजेआई की बेंच ने सूचीबद्ध करने के दिए निर्देश

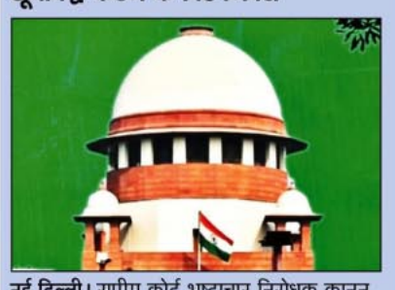

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट भ्रष्टाचार निरोधक कानून के उस प्रावधान की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को जल्द सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया है जिसमें भ्रष्टाचार के एक मामले में सरकारी अधिकारी के खिलाफ जांच शुरू करने के लिए पूर्व मंजूरी लेने को अनिवार्य किया गया है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वकील प्रशांत भूषण की इस दलील का संज्ञान लिया कि जनहित याचिका को सुनवाई के लिये सूचीबद्ध किये जाने की जरूरत है क्योंकि नोटिस 26 नवंबर 2018 को जारी किया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं सुनवाई की तारीख आगे बढ़ाऊंगा। शीर्ष अदालत ने 2018 में जनहित याचिका पर नोटिस जारी करने के बाद 15 फरवरी, 2019 को केंद्र से चार दिनों के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा था और उसके बाद याचिका को पीठ के समक्ष सूचीबद्ध नहीं किया गया। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा था कि जनहित याचिका दायर करने वाला एनजीओ सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) केंद्र के जवाब दाखिल करने के एक सप्ताह के भीतर अपना प्रत्युत्तर दाखिल कर सकता है।

एफटीएक्स ने अपने संस्थापक व पूर्व अधिकारियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा, एक अरब डॉलर का दावा

नई दिल्ली । एफटीएक्स ट्रेडिंग ने शुक्रवार को क्रिप्टोक्यूरेंसी एक्सचेंज के संस्थापक सैम बैंकमैन-

फ्राइड और अन्य पूर्व अधिकारियों पर मुकदमा दायर किया, जिसमें एफटीएक्स के दिवालिया होने से पहले कथित तौर पर दुरुपयोग किए गए 1 अरब डॉलर से अधिक की भरपाई करने की मांग की गई है। डेलावेयर दिवालियापन अदालत में दायर शिकायत में प्रतिवादी के रूप में कैरोलीन एलिसन का भी नाम है, जिन्होंने बैंकमैन-फ्राइड के अलामेडा रिसर्च हेज फंड का नेतृत्व किया था। इनके अलावे पूर्व एफटीएक्स प्रौद्योगिकी प्रमुख ज़िज़ियाओ गैरी वांग और एफटीएक्स के पूर्व इंजीनियरिंग निदेशक निषाद सिंह के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। एफटीएक्स ने कहा कि प्रतिवादियों ने लगातार लक्जरी कोंडोमिनियम, राजनीतिक योगदान, सट्टा निवेश और अन्य निजी फायदे से जुड़ी परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए धन का दुरुपयोग किया, जो कि इतिहास में सबसे बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी में से एक का कारण बना।

टीआरआई ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रेगुलेट करने की सिफारिश की

कहा - एआई का प्रभाव केवल टेलीकॉम तक ही सीमित नहीं, एआईडीआई के गठन का सुझाव

नई दिल्ली।
टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को रेगुलेट करने के लिए एक रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने की सिफारिश की है। टीआरआई ने अपनी 10 पन्नों की सिफारिशों में कहा कि एआई को रेगुलेट करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डेटा अथॉरिटी ऑफ इंडिया को तुरंत एक इंडिपेंडेंट संवैधानिक अथॉरिटी के रूप में स्थापित करना चाहिए।

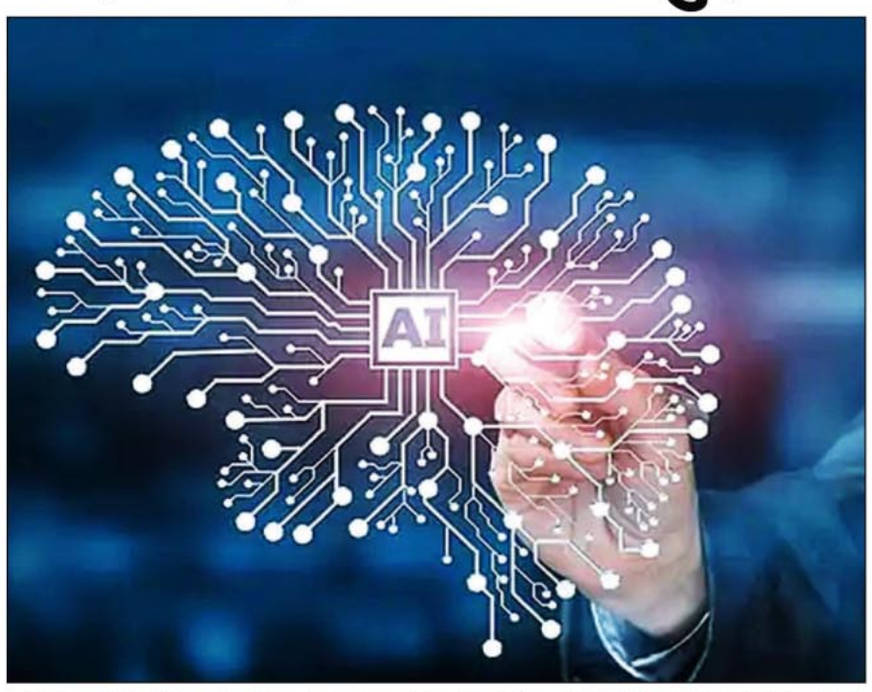

एआई रेगुलेटरी फ्रेमवर्क में दो तरह की संस्थाएं हों

ट्राई ने सुझाव दिया है कि एआई को रेगुलेट करने के लिए दो तरह की संस्थाएं हों। एक इंडिपेंडेंट संवैधानिक अथॉरिटी और दूसरी मल्टी स्टेकहोल्डर्स बॉडी, जो सलाहकारी संस्था के तौर पर संवैधानिक अथॉरिटी की मदद करेगी। वहीं, इंडिपेंडेंट संवैधानिक अथॉरिटी का काम अलग-अलग पहलुओं पर नियम बनाना और सिफारिशी निकाय के रूप में काम करने की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

एआई का प्रभाव केवल टेलीकॉम सेक्टर तक ही सीमित नहीं

ट्राई ने कहा कि एआई का प्रभाव केवल टेलीकॉम सेक्टर तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य, फाइनेंस, ट्रांसपोर्टेशन, एजुकेशन, एग्रीकल्चर सहित अन्य क्षेत्रों को प्रभावित करने की क्षमता है। इसलिए केवल टेलीकॉम पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सभी क्षेत्रों में एआई के प्रभाव की जांच करने के लिए एक रेगुलेटरी अथॉरिटी होना चाहिए।

एआई को रेगुलेट करने के लिए दुनियाभर में चर्चा जारी

इस साल की शुरुआत में यूरोपीय यूनियन के सांसदों ने एआई टेक्नोलॉजी को रेगुलेट करने के लिए नियम पेश किए है। इसके साथ ही अन्य देश में भी एआई के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के लिए बहस कर रहे हैं।

इसी बीच मई महीने में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था,जब और बार्ड 5से एआई प्लेटफॉर्म की बात आती है तो कॉपीराइट और एल्गोरिथम को लेकर चिंताएं सामने आती हैं। यह किसी एक देश का मुद्दा नहीं है। यह वैश्विक मुद्दा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नजरिए से देखा जाना चाहिए। एआई प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव को विभिन्न देश देख रहे हैं। भारत में एआई से रिलेटेड कानून अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ मिलकर तैयार किया जाएगा।

हाल ही में एलन मस्क ने एआई कंपनी और मेटा ने लामा-2 लॉन्च किया है

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने यूनिवर्स के रियल नेचर को समझने के गोल के साथ एक नई एआई कंपनी की शुरुआत की। इस कंपनी का नाम एआई है। इस दौरान मस्क ने कहा कि एआई 5 साल में ह्यूमन इंटेलिजेंस से आगे निकल जाएगा। इसके साथ ही मेटा ने एआई लैंग्वेज मॉडल लामा-2 लॉन्च किया है, जिसे रिसर्च और कॉमर्शियल पर्पज के लिए फ्री में यूज किया जा सकता है।

अभी 2 बड़ी एआई कंपनियां

- ओपन एआई की चैटजीपीटी
- गूगल का बार्ड

चैटजीपीटी और बार्ड से आप कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। यानी ईमेल लिखने से लेकर सीवी तक आप इससे बनवा सकते हैं। रील या अपनी वीडियो कैसे वायरल करना है, इसका भी जवाब चैटजीपीटी देता है। वाइफ को क्या गिफ्ट दें, इस पर भी चैटजीपीटी आपको सुझाव देता है। जैसे यदि किसी स्टूडेंट को डेमोक्रेसी पर एसे यानी निबंध लिखना है तो वह तुरंत चैटजीपीटी पर टाइप करेगा

16

श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे से मिले गौतम अडाणी

दोनों के बीच कोलंबो पोर्ट वेस्ट कंटेनर टर्मिनल, सोलर और ग्रीन एनर्जी के डेवलपमेंट पर हुई चर्चा

नई दिल्ली।
अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने दिल्ली में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की है। इस मुलाकात में दोनों के बीच कोलंबो पोर्ट वेस्ट कंटेनर टर्मिनल के विकास के साथ-साथ कई अन्य डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे दो दिन की भारत यात्रा पर राजधानी दिल्ली में हैं। मुलाकात के बाद गौतम अडाणी ने ट्वीट करके कहा, राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मिलना बड़े सम्मान की बात है। हम कोलंबो पोर्ट वेस्ट कंटेनर टर्मिनल का निरंतर विकास, 500 मेगावाट के विंड प्रोजेक्ट और ग्रीन हाईड्रोजन के उत्पादन के लिए अपनी एक्सपर्टीज को बढ़ाने पर चर्चा करेंगे।

श्रीलंका में 3625 करोड़ इन्वेस्ट करेगा अडाणी ग्रुप

अडाणी ग्रुप श्रीलंका में 3625 करोड़ रुपए से अधिक का विंड पावर प्रोजेक्ट लगाने वाला है, ग्रीन एनर्जी के इस प्रोजेक्ट को फरवरी में मंजूरी मिली थी। श्रीलंका के इन्वेस्टमेंट बोर्ड ने अडाणी ग्रीन को श्रीलंका के मन्नार और पूनेरिन क्षेत्रों (उत्तरी) में 2 विंड पावर प्रोजेक्ट शुरू करने की मंजूरी दी थी। ये इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट श्रीलंका की व्यापार क्षमताओं को बढ़ाने, आर्थिक विकास के लिए नए रास्ते खोलने और मजबूत क्षेत्रीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

श्रीलंका में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में अडाणी ग्रुप

सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में 35 वर्षों की अवधि के लिए निर्माण, संचालन और ट्रांस्फर के आधार पर विकसित किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट से कंटेनर हैंडलिंग कैपेसिटी को बढ़ावा मिलने के साथ श्रीलंका के पोर्ट और ग्लोबल व्यापार के एक महत्वपूर्ण और सबस व्यस्त नोड के रुप में बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कोलंबो पोर्ट पहले से ही भारतीय कंटेनरों और मेन लाइन जहाज ऑपरेटरों के ट्रांसशिपमेंट के लिए सबसे पसंदीदा रीजनल हब रहा है। जिसमें कोलंबो के 45प्रतिशत ट्रांसशिपमेंट वॉल्यूम भारत में अडाणी पोर्ट टर्मिनल से आते हैं या भेजे जाते हैं।

सरकार ने नॉन-बासमती व्हाइट राइस के एक्सपोर्ट पर लगाया बैन: देशभर में चावल की बढ़ती कीमतों को कंट्रोल करने के लिए यह कदम उठाया

नई दिल्ली।
सरकार ने नॉन-बासमती व्हाइट राइस (सफेद चावल) के एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया है। इस बात की जानकारी सरकार ने एक नोटिफिकेशन जारी कर दी है। देश में चावल की कीमत में तेजी को रोकने और डोमेस्टिक सप्लाई बढ़ाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। कुछ शर्तों के साथ चावल के एक्सपोर्ट को अनुमति दी जाएगी डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड ने नोटिफिकेशन में यह भी बताया है कि कुछ शर्तों के साथ चावल के एक्सपोर्ट को अनुमति दी जाएगी। अगर नोटिफिकेशन से पहले जहाजों में चावल की लोडिंग शुरू हो गई है तो उसके एक्सपोर्ट की अनुमति होगी। साथ ही उन मामलों में भी चावल के एक्सपोर्ट की अनुमति होगी, जहां सरकार ने दूसरे देशों को इसकी इजाजत दे रखी है। पिछले 10 दिन में देशभर में चावल की कीमत 20प्रतिशत बढ़ी सरकार ने इन देशों की फूड सिक्योरिटी की जरूरतों को देखते हुए इस तरह की अनुमति दी है। देश में पिछले कुछ समय से खाने-पीने की चीजों की कीमत में काफी तेजी आई है। गेहूं, चावल, दूध और सब्जियों की कीमत तेजी से बढ़ी हैं। पिछले 10 दिन में देशभर में चावल की कीमत में 20प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। मॉनसून की बारिश में कमी के कारण धान और दलहन की

बुवाई का रकबा (जमीन/भूमि/खेत का क्षेत्रफल) घटा है। 14 जुलाई तक के आंकड़ों के मुताबिक, खरीफ की बुवाई 2प्रतिशत कम हुई है। धान का रकबा 6.1प्रतिशत और दलहन का 13.3प्रतिशत है। इसकी वजह यह है कि पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र और कर्नाटक में कम बारिश हुई है। पश्चिम बंगाल धान का बड़ा उत्पादक है, जबकि महाराष्ट्र और कर्नाटक में देश का 50प्रतिशत से भी ज्यादा दलहन होता है। दलहन और धान की बुवाई के लिए अगले 2 हफ्ते काफी अहम हैं। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर है। पिछले साल सितंबर में सरकार ने टूटे हुए चावल के एक्सपोर्ट पर रोक लगा दी थी।

डी-मार्ट के फाउंडर ने हेल्थ एंड ग्लो का अधिग्रहण किया: 750 करोड़ रुपए में हुई डील, नायका जैसे ब्रांडों को ब्यूटी-पर्सनल केयर मार्केट में मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली।
डी-मार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी ने ब्यूटी एवं पर्सनल केयर रिटेल चेन हेल्थ एंड ग्लो का अधिग्रहण कर लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, दमानी ने 700-750 करोड़ रुपए में राजन रहेजा और हेमेंद्र कोठारी से बेंगलुरु बेस्ड इस कंपनी को खरीदा है।

2015 में बॉम्बे स्वदेशी स्टोर्स के बाद यह दमानी का दूसरा बड़ा अधिग्रहण है, जो देश का सबसे पुराना रिटेलर है। इस स्टोर की स्थापना स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक, मनमोहनदास रामजी और बिजनेसमैन टाटा ने की थी।

हेल्थ एंड ग्लो के देश में 175 से ज्यादा स्टोर

हेल्थ एंड ग्लो का पहला स्टोर 1997 में चेन्नई में खोला गया था। इसके बाद कंपनी बेंगलुरु, पुणे, मुंबई, कोलकाता, भोपाल, भुवनेश्वर और हैदराबाद सहित अन्य

शहरों में 175 से ज्यादा स्टोर खोल चुकी है। नायका सहित अन्य ब्रांडों को मिलेगी टक्कर मार्केट रिसर्च फर्म यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के अनुसार, साल 2023 के लास्ट तक भारत में ब्यूटी एवं पर्सनल केयर का मार्केट कैप 18.3 बिलियन डॉलर यानी 1.50 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का हो सकता है। दमानी के इस बिजनेस में आने से नायका जैसे ब्रांड को टक्कर मिलेगी। पहली तिमाही में कंपनी को 658.71 करोड़ का कंसोलिडेटेड प्रॉफिट हुआ डी-मार्ट को चलाने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ने पिछले हफ्ते फाइनेंशियल ईयर 2024 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड प्रॉफिट 658.71 करोड़ रुपए रहा, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 642.89 करोड़ रुपए था। इसके साथ ही कंपनी की कंसोलिडेटेड इनकम 18.2प्रतिशत बढ़कर 11,865.44 करोड़ रही, जो 2023 की पहली तिमाही में 10,594.11 करोड़ रुपए थी। इसके अलावा इस तिमाही में कंपनी ने 3 नए स्टोर खोले हैं। 30 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी 327 स्टोर ऑपरेट करती है। डी-मार्ट का पहला स्टोर 2002 में मुंबई में खुला था। इससे पहले 1999 में दमानी ने नई मुंबई के नेरूल में अपना बाजार की एक फ्रेंचाइजी की शुरुआत की थी, पर उन्हें यह मॉडल जमा नहीं था।

आईटीसी का शेयर ऑल टाइम हाई पर

6 लाख करोड़ के मार्केट कैप को पार करने वाली भारत की 7वीं लिस्टेड कंपनी बनी

मुंबई।
इंडियन टोबैको कंपनी यानी आईटीसी लिमिटेड 6 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैपिटलाइजेशन को पार करने वाली भारत की 7वीं लिस्टेड कंपनी बन गई है। इस साल यानी 2023 में अब तक आईटीसी के शेयरों में 48प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी देखने को मिली है।

आईटीसी के शेयर ने नया ऑल टाइम हाई बनाया

आईटीसी का शेयर 2.64प्रतिशत की तेजी के साथ 491.50 रुपए पर बंद हुआ है, यह इसका ऑल टाइम क्लोजिंग हाई है। वहीं कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर ने 493.70 रुपए का अपना नया ऑल टाइम रिकॉर्ड हाई भी बनाया है।

आईटीसी का मार्केट कैप 6.13 लाख करोड़ रुपए हुआ

इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैपिटलाइजेशन 6.13 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। बीते एक महीने में कंपनी का शेयर करीब 10प्रतिशत और 6 महीने में लगभग 45प्रतिशत बढ़ा है। वहीं पिछले एक साल की बात करें तो इसके शेयर में करीब 65प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस देश की सबसे बड़ी कंपनी

सिगरेट से लेकर होटल और पेपर तक का कारोबार करने वाली कंपनी आईटीसी लिमिटेड से पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियां हैं।

इस मामले में 17.71 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज टॉप पर है। इसके बाद दूसरे नंबर पर है, इसका मार्केट कैप 12.73 लाख करोड़ रुपए है।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के कुल आउटस्टैंडिंग शेयरों की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप = आउटस्टैंडिंग शेयरों की संख्या शेयर की कीमत

मार्केट कैप कैसे काम आता है किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स से लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

ड्रीम गर्ल-2 होगी 25 अगस्त को प्रदर्शित

-आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी हिट थी यह

मुंबई (ईएमएस)। आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी हिट कॉमिक सेपर ड्रीम गर्ल थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर 142.26 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी। यह आयुष्मान के करियर की सबसे बड़ी हिट भी है। इसलिए, जब सीक्वल की घोषणा की गई, तो इससे उद्योग जगत और प्रशंसकों में काफी उत्साह फैल गया। निमार्ताओं ने शाहरुख खान की पठान और सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान की रिलीज के आसपास विचित्र प्रोमो जारी किए और इसे खूब सराहा गया। सिने गलियारों में बहती बरसाती हवाओं का कहना है कि हाल ही में इस फिल्म को 12 दिन तक लगातार रीशूट किया गया है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार हाल ही में फिल्म का त्वरित रीशूट हुआ है। एक सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया, ह्लनिर्देशक राज शांडिल्य और निमार्ता एकता कपूर ने फिल्म का पहला कट देखा। वे फिल्म से खुश थे लेकिन उन्हें लगा कि इसमें सुधार की गुंजाइश है। उन्होंने आयुष्मान और अन्य लोगों से बात की और वे सभी दोबारा शूटिंग करने के लिए तुरंत तैयार हो गए। यह कार्यक्रम 12 दिनों तक चला और इस महीने की शुरूआत में हुआ। पुनः शूटिंग शनिवार, 15 जुलाई को मुंबई के मड आइलैंड में पूरी हुई। सूत्र ने आगे कहा, लोकप्रिय धारणाओं के विपरीत, रीशूट बहुत आम बात है और कई फिल्में इसके लिए गई हैं। हाल ही में, दिल्ली क्राइम का दूसरा सीजन भी मुख्य शूटिंग पूरी होने के बाद फिर से शूट किया गया, और परिणाम सभी के सामने है। महामारी के बाद, लोग पहले जैसा संपूर्ण मनोरंजन का अनुभव करने के लिए सिनेमाघरों में आना चाहते हैं। इसलिए, निमार्ताओं को लगा कि उन्हें अतिरिक्त प्रयास करना चाहिए क्योंकि यह इसके लायक होगा। यह पूछे जाने पर कि क्या फिल्म 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो पाएगी, सूत्र ने जवाब दिया, रिलीज की तारीख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। राज शांडिल्य ने पहले ही रीशूट दृश्यों पर काम करना शुरू कर दिया है और उन्हें विश्वास है कि फिल्म अपने तय समय पर ही प्रदर्शित होगी।

आलिया निभा रही इंटेलेक्चुअल बंगाली जर्नलिस्ट का किरदार

-तेजतर्रार पंजाबी लड़के का किरदार निभा रहे रणवीर

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की रोमांटिक ड्रामा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में आलिया, जो एक इंटेलेक्चुअल बंगाली जर्नलिस्ट रानी चटर्जी का किरदार निभा रही हैं, ने जवाब देते हुए कहाः रणवीर और करण का जो एप्रिसिएशन है, वह मैंने कहीं और नहीं देखा। करण और मैं फ्लो के साथ चलना चाहते हैं। हमने तो बस मजे किये। रणवीर के पास 51 वर्षीय फिल्ममेकर के बारे में शेयर करने के लिए कुछ मजेदार बातें थी। उन्होंने कहा, करण या मेरे अंदर ऐसा मर्द है जिनके अंदर दिल्ली की आंटी है। तेजतर्रार पंजाबी लड़के रॉकी रंधावा का किरदार निभा रहे रणवीर ने कहा, हम कपड़ों, ब्रांड के बारे में बात करते हैं। करण जन्म से ही एंटरटेनर हैं। मैं अभी उठा और सेट पर जाने के लिए उत्सुक था। यह एक तरह का दोस्तों का गेट टुगेदर था। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म में आलिया-रणवीर शादी करने से पहले एक-दूसरे के परिवारों के साथ रहने का फैसला करते हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई, नई दिल्ली, रूस और जम्मू-कश्मीर में की गई है। जोया अख्तर द्वारा निर्देशित 2019 की फिल्म गली बॉय के बाद इस फिल्म में आलिया और रणवीर एक बार फिर स्क्रीन स्पेस शेयर करते नजर आएंगे। हीरू यश जौहर, करण जौहर और अपूर्व मेहता द्वारा निर्मित यह फिल्म 28 जुलाई को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। बता दें कि रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में के गाने वे कमलिया के लॉन्च पर मुख्य जोड़ी रणवीर सिंह और आलिया भट्ट ने निर्देशक करण जौहर के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। लॉन्च के दौरान दोनों से करण के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा गया।

जीनत अमान ने रेखा संग अपनी तस्वीर पोस्ट की

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री जीनत अमान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। उन्होंने रेखा के साथ पुरानी तस्वीर साझाकर अपने प्रशंसकों से कहा कि हम दोनों में काफी गहरा रिश्ता है। जीनत ने रेखा को ऐसा दोस्त बताया जिसके साथ वहां घंटों चैट कर सकती हैं। तस्वीर में रेखा को जीनत की बाहों में बाहें डाले और अपना चेहरा छिपाते हुए देखा जा सकता है। जहां जीनत अच्छी ड्रेस में सुंदर लग रही हैं, वहीं रेखा साड़ी में खूबसूरत दिख रही हैं। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, सालों तक हमारी कोई बातचीत नहीं होती, फिर हम एक दिन टकराएंगे और बिना किसी हिचकिचाहट के जीवन के अपडेट साझा करने में बिताएंगे। किसी और के पास ऐसा कोई दोस्त है? हालांकि जीतन ने कहा कि उन्हें स्पष्ट रूप से याद नहीं है कि तस्वीर कब की है और उन्होंने अपने प्रशंसकों से कहा कि यदि उन्हें याद हो तब उनकी मदद करें। उन्होंने लिखा, मैं जीवन भर यह याद नहीं कर पाऊंगी कि यह तस्वीर कहां ली गई थी, लेकिन मैं इस आपमें से किसी के सामने नहीं रखूंगी! यदि आप ऐसा करते हैं, तब कृपया मुझे बताएं। जीनत अमान और रेखा के प्रशंसक तस्वीर देखकर बहुत खुश हुए और अभिनेत्री को उनकी यादें ताजा करने में मदद करने की कोशिश करने लगे। इस बीच, जीनत को आखरी बार आशुतोष गोवारिकर की पानीपत में देखा गया था। अब वह शोस्टॉपर नाम की वेब सीरीज के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

नो मेकअप लुक में जबरदस्त दिखीं मिसेज मल्होत्रा

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा दोनों हमेशा एक दूसरे की खुशी का खूब ख्याल रखते हैं। अब जब कियारा 31 जुलाई को पूरे 30 साल की हो जाएंगी तो ऐसे में सिद्धार्थ अपनी पत्नी संग कुछ दिनों पहले ही वेकेशन पर निकल गए हैं। वेकेशन के लिए रवाना होते हाल ही में कपल को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जहां दोनों की कमाल की केमिस्ट्री देखने को मिली। सिद्धार्थ -कियारा की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। एयरपोर्ट पर सिद्धार्थ और कियारा को कैजुअल लुक में देखा गया। व्हाइट टैंक टॉप के साथ ब्लू डेनिम जॉगर्स पैंट में एक्ट्रेस का लुक देखते ही बना। उन्होंने इसके साथ पिंक हैंडबैग कैरी किया है। इस दौरान कियारा नो मेकअप लुक में काफी इम्प्रेसिव लगीं। वहीं, सिद्धार्थ ब्लैक टीशर्ट और व्हाइट पैंट में हैंडस्म दिखे। दोनों ने एक साथ में पैपराजी को जबरदस्त पोज दिए।

भगवान शिव के किरदार में नजर आएंगे अक्षय

बालीवुड एक्टर अक्षय कुमार भगवान शिव के किरदार में नजर आएंगे। इन दिनों अक्षय और पकंज त्रिपाठी अपनी अपकमिंग फिल्म ओएमजी 2 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। यह साल 2012 में आई फिल्म ओह माई गॉड का सीक्वल है। इससे पहले एक्टर को भगवान कृष्ण के अवतार में देखा गया था। फिल्म के टीजर के बाद मेकर्स के हाल ही में इसका पहला सॉन्ग ऊंची-ऊंची वादी रिलीज कर दिया है। हाल ही में अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर सॉन्ग शेयर किया है, जिसमें पकंज त्रिपाठी भोलेनाथ की अथाह भक्ति करते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं अक्षय के रूप में भगवान शिव भी अपने भक्तों के हर सुख-दुख में साथ रहते हैं। इस भक्तिमय गाने को हंसराज रघुवंशी ने अपनी आवाज दी है, जिसे सुनकर दर्शक भक्ति में लीन हो जाएंगे। अमित राय द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय और पंकज त्रिपाठी के अलावा यामी गौतम भी मुख्य किरदार में नजर आएंगी।

कंगना रनौत ने रणबीर कपूर और आलिया की शादी को झूठा करार दिया

मुंबई (ईएमएस)। कंगना रनोट बॉलीवुड की वो बिंदास एक्ट्रेस हैं, जो अपनी बात कहने से बिल्कुल भी नहीं कतराती हैं। हाल ही में कंगना रनोट ने एक ऐसा ही पोस्ट शेयर किया, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। कंगना ने इंडायरेक्टली रणबरी कपूर और आलिया भट्ट की शादी को फेंक बताया है। अपने इस हालिया पोस्ट में एक्ट्रेस ने एक कपल की शादी पर निशाना साधते हुए उन्हें फर्जी बताया है। इतना ही नहीं एक्ट्रेस ने ये भी लिखा कि एक्टर उनसे मिलने की भीख मांग रहा था। कंगना रनोट ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की। इस पोस्ट में उन्होंने एक कपल को फर्जी बताया और उनकी शादी के बारे में खुलासा किया। कंगना ने अपनी स्टोरी में जो बातें लिखी हैं उससे सोशल मीडिया पर ये अंदाजा लगाया जा रहा है कि एक्ट्रेस ने इस पोस्ट के जरिये रणबीर कपूर और आलिया भट्ट पर इनडायरेक्टली निशाना साधा है। कंगना ने अपनी इंस्टा स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, फर्जी(फेक) हसबैंड और वाइफ की जोड़ी की एक और न्यूज, जो अलग-अलग फ्लोर पर रहते हैं और ऐसे दिखाते हैं जैसे वह कपल हो। हालांकि, अपनी इस पोस्ट में कंगना ने कहीं भी उन दोनों का नाम मेंशन नहीं किया है। कंगना ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, ये कपल फिल्म घोषणाओं के बारे में फेक न्यूज फैलाते हैं, जो कि बनी भी नहीं है। मिंत्रा को खुद का ब्रांड बताते हैं। इसके अलावा किसी ने भी ये नहीं लिखा कि कैसे पत्नी और बेटी को हालिया फैमिली ट्रिप में नजरअंदाज किया गया। जबकि, तथाकथित पति मुझे टेक्स्ट कर रहा था और मिलने की गुजारिश कर रहा था। इस फर्जी जोड़ी को बेनकाब करने की जरूरत है। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले रणबीर कपूर लंदन में अपनी मां नीतू कपूर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे, जबकि आलिया भट्ट इंडिया में बेटी के साथ थी। कंगना यहीं पर नहीं रुकीं उन्होंने एक और स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, ऐसा ही होता है जब आप मूवी प्रमोशन, पैसे और काम के लिए शादी करते हैं। कंगना रनोट ने अपनी पोस्ट में आगे लिखा, इस एक्टर ने माफिया डैडी के प्रेशर में आकर शादी की। उससे ये प्रॉमिस किया गया था कि पापा की परी से शादी करने पर उसे ट्रायोलॉजी रिटर्न में मिलेगी।

फिल्म गदर 2 का फैंस को बेसब्री से इंतजार

बालीवुड एक्टर सनी देओल और अमीशा पटेल की मचअवेटेड फिल्म गदर 2 का बेसब्री से इंतजार हो रहा हैं। बीते दिनों फिल्म का पहला गाना उड़ जा काले कावां रिलीज हुआ, जिसे दर्शकों ने ढेर सारा प्यार मिला। वहीं अब फिल्म का दूसरा गाना खैरियत भी रिलीज हो गया है। फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं गाने के बीच-बीच में अमीशा पटेल और उत्कर्ष शर्मा की भी झलक दिखाई गई है। फिल्म में सनी और अमीशा के अलावा उत्कर्ष शर्मा भी अहम किरदार में नजर आएंगे। गदर 2 और ओएमजी 2 दोनों ही 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देंगी। बता दें कि इस गाने को अरिजीत सिंह ने गाया है। फिल्म का गाना आपको बेहद भावुक कर देगा, जहां फिल्म की पूरी कहानी दिखाई गई है। फिल्म का गाना आपको बेहद भावुक कर देगा, जहां फल्म की पूरी कहानी दिखाई गई है। पूरे गाने में तारा सिंह की जर्नी दिखाई गई है कि किस वजह से वह इस बार पाकिस्तान जाएगा। जी हां, इस बार तारा सिंह अपने बेटे जीते को लेने पाकिस्तान जा रहा है।

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना को बेहद पसंद आए इलेक्ट्रिक वाहन

मुंबई (ईएमएस)। युवा बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना को इलेक्ट्रिक वाहन बहुत पसंद हैं। वे कहते हैं कि लगता है कि इलेक्ट्रिक वाहन ही आने वाले समय में यातायात का भविष्य हैं क्योंकि पूरी दुनिया आज पर्यावरण की रक्षा पर ध्यान फोकस कर रही है। आज हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां हमें जीने के सस्टेनेबल तरीकों को अपनाने के विकल्प को जागरूक होकर चुनना ही होगा। खुराना ने कहा कि मुझे खुशी है कि जिम्मेदार लोग इस पर न केवल फोकस कर रहे हैं, बल्कि लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहे हैं। हम सभी को इस विकल्प के बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है क्योंकि अब समय आ गया है कि हम सभी हमारे पर्यावरण की रक्षा के उपायों पर विचार करें। आगे आयुष्मान कहते हैं, हमें जागरूक होकर से कारों का अधिक से अधिक कुशलता से उपयोग करना होगा और इलेक्ट्रिक वाहन पूरी दुनिया में इस दिशा में बड़े पैमाने पर सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। मुझे लगता है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को शहरी यातायात काफी तेजी से अपना लेगा, बशर्ते इस ट्रांसफॉर्मेशन को सपोर्ट करने के लिए बुनियादी इन्फ्रास्ट्रक्चर मौजूद हो। खुराना ने कहा कि मैं लगातार पढ़ता रहता हूँ कि इस दिशा में कई प्लान्स पर काम हो रहा है। इस लिए अब इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना अपरिहार्य होने वाला है। वह कहते हैं कि लोग अपने जीवन जीने के तरीके के बारे में अधिक जागरूक हो रहे हैं और यह एक अपरिहार्य वास्तविकता है। आज हर कोई चाहता है हम हमारी पृथ्वी को बचाएँ, ताकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए रहने योग्य जगह बनी रहे रहे। हम सभी यह जानते हैं कि हमारे द्वारा उठाए गए कदम किस प्रकार पर्यावरण की सहायता कर सकते हैं।

अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ हुई करोड़ों की ठगी

अभिनेता विवेक ओबेरॉय ने रुपये की हेराफेरी के आरोप में पुलिस से गुहार लगाई है। इस संबंध में बुधवार को अंधेरी एमआईडीसी पुलिस स्टेशन में निमार्ता संजय साहा समेत नंदिता साहा, राधिका नंदा और अन्य आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने ओबेरॉय मेगा एंटरटेनमेंट के अकाउंटेंट देवेन बाफना की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। उनकी शिकायत के अनुसार, ओबेरॉय ऑर्गेनिक एलएलपी को 24 फरवरी, 2017 को शामिल किया गया था। विवेक और उनकी पत्नी प्रियंका फर्म में भागीदार हैं। चूंकि ऑर्गेनिक सेक्टर में ज्यादा मांग नहीं थी, इसलिए उन्होंने सिनेमा सेक्टर में काम करने का फैसला किया। इसी बीच विवेक की मुलाकात संजय साह से हुई। चूंकि साहा को फिल्म निर्माण का अनुभव था, इसलिए उन्होंने साथ काम करने का फैसला किया। योजना के मुताबिक संजय साहा के साथ-साथ नंदिता साहा, राधिका नंदा को भी उनकी फर्म में पार्टनर बनाया गया। बाद में, उन्होंने नंदिता एंटरटेनमेंट एलएलपी नामक फर्म की स्थापना की। इसमें विवेक ओबेरॉय को अपने व्यक्तिगत खाते के साथ-साथ फर्म ओबेरॉय मेगा एंटरटेनमेंट एलएलपी के माध्यम से निवेश करने के लिए मजबूर किया गया था। समय-समय पर अलग-अलग बहाने बनाकर सलाह देते हुए नंदिता ने विवेक के 1.5 करोड़ रुपये का इस्तेमाल फर्म को बिना बताए अपने फायदे के लिए कर लिया। जैसे ही उन्हें इस बात का एहसास हुआ तो वह पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में कहा गया है कि धोखाधड़ी 4 फरवरी, 2020 से 30 अप्रैल, 2022 के बीच हुई।

रत्नाकर कुमार लेकर आ रहे हैं "अक्षरा", फिल्म में लीड रोल में होंगी अक्षरा सिंह

रियल नाम का किरदार कई कलाकारों को उनको उनकी फिल्म में निभाते देखा गया है लेकिन किसी कलाकार के नाम पर बनी फिल्म और उसमें लीड रोल निभाते देखना दुर्लभ ही रहा है। इस दुर्लभ को सुलभ बना रहे हैं फिल्मकार और वर्ल्ड वाइड के ऑनर रत्नाकर कुमार। रत्नाकर कुमार इन दिनों भोजपुरी में फिल्म "अक्षरा" लेकर आ रहे हैं, जिसकी मुख्य भूमिका में अक्षरा सिंह हैं। फिल्म का मुहूर्त हो चुका है, जहां खुद अक्षरा सिंह फिल्म के निमार्ता रत्नाकर कुमार और कुलदीप श्रीवास्तव के साथ मौजूद रहीं। ताजा खबर ये है कि फिल्म की शूटिंग भी गोरखपुर में शुरू हो गई है और यह फिल्म इसी साल बॉक्स ऑफिस पर भी आने वाली है। उससे पहले फिल्म के निमार्ता रत्नाकर कुमार ने फिल्म के टाइटल को लेकर कहा कि अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से आती हैं, जिनका नाम लेकर भी फिल्म बनाया जा सकता है। फिल्म की कहानी अक्षरा सिंह से मिलती झ्र जुलती है। इसलिए फिल्म का नाम अक्षरा है और फिल्म में वही लीड कैरेक्टर को प्ले भी कर रही है।

उन्होंने कहा कि अक्षरा सिंह के साथ हमने बहुत काम किया है। मगर यह फिल्म अलग है और मुझे लगता है कि अक्षरा ये डिजर्व करती हैं। बाकी फिल्म के बारे में यही कहूंगा कि यह बड़े बजट की फिल्म है। हम लोग इसका निर्माण भव्यता के साथ कर रहे हैं। अक्षरा सिंह ने फिल्म को लेकर कहा कि यह एक सम्मान की बात है कि मेरे नाम से कोई फिल्म बन रही है और उस फिल्म का हिस्सा मैं भी हूँ। इसके लिए रत्नाकर कुमार और कुलदीप श्रीवास्तव को शुक्रिया कहूँगी। उन्होंने कहा कि जहां तक फिल्म की बात है तो इस फिल्म की कहानी से खुद को रिलेट कर पा रही हूँ। मुझे लगता है यह मेरी लाइफ की सबसे बड़ी और बेहतरीन फिल्मों में से एक होने वाली है। इसलिए मैं इसको लेकर एक्साइटेड हूँ। अक्षरा ने कहा कि देव पाण्डेय के निर्देशन में हमलोग एक यादगार फिल्म करने जा रहे हैं। मुझे उम्मीद है जब यह सिनेमाघरों में आएगी, तो दर्शक खूब प्यार देंगे। गौरतलब है कि वर्ल्ड वाइड चैनल व सबरंग फिल्म प्रोडक्शन के बैनर और रत्नाकर कुमार प्रस्तुत फिल्म "अक्षरा" के निमार्ता कुलदीप श्रीवास्तव और रत्नाकर कुमार हैं। निर्देशक देव पाण्डेय हैं।

सूडोकु नवताल- 6499

★★★★★ कठिनतम

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6498 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्दजाल - 7246

रि	अ	मे	क	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न
ति	भि	क	म	क्ष	डो	ने	ग	ति	मा	ला
क	षे	र	ला	य	ग	अं	द	ह	प	आ
रो	क	ल	का	कु	न	स	ध	ह	लि	मि
श	ब	स	ल	मा	न	खा	न	का	न	र
न	च्च	का	र	र	ल	का	त	ह	र	खा
र	न	ल	मा	व	शा	ह	रु	ख	खा	न
र	ज	भा	र	न	प	स	रा	ल	वि	ला
क	न	नी	अ	सै	फ	अ	ली	खा	न	दे
र	का	ति	कां	न	शा	हि	द	क	पू	र
बां	र	ल	प	त	स	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में ऐसे 10 अभिनेता ढूंढिए जो सर्वाधिक पारिश्रमिक लेते हैं. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

अमिताभ बच्चन, रितीक रोशन, शाहरुख खान, रजनीकांत, आमिर खान, अक्षय कुमार, सलमान खान, सैफ अली खान, अभिषेक बच्चन, शाहिद कपूर

शब्दजाल -7245 का हल

म	अ	मु	न	सी	जा	म	न	ग	र	व
रा	वि	ली	प्रे	क	ना	स	द	ज	कां	ड़
सू	र	त	बा	दी	छ	सि	आ	ब	वृ	ज
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	क	ल	ष	ल
वा	अ	मी	ल	ज	चा	न	त्रो	न	भ	गां
रा	ल	न	र	य	ब	ली	ती	बैं	घ	व
ण	सिं	र्नि	ग	पु	न	ल	स	ग	व	स
सी	ह	ऊ	ई	र	ब	क	पु	लो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	र	र	आ
क	गॉ	सो	नी	प	त	कुं	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	क	र्त	शि	म	ला	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6199

	1				2	4
	30	2	37	6	31	
	5		4		1	6
6	30	3	27	1	33	5
	3			5	6	
	33	4	32	4	30	
4	7				2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6198 का हल

4	2	6	3	5	1	7
2	32	4	39	7	34	4
6	1	7	4	3	5	2
5	30	3	38	6	31	1
1	2	5	6	4	7	3
3	27	2	25	1	31	6
7	6	1	4	2	3	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत और वेस्टइंडीज दूसरा टेस्ट...कोहली शतक के करीब: टीम इंडिया का स्कोर 288/4; यशस्वी-रोहित फिफ्टी बनाकर आउट, गिल-रहाणे फिर फ्लॉप

नई दिल्ली ।
भारत और वेस्टइंडीज के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला त्रिनिदाद के पोर्ट ऑफ स्पेन में जारी है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने 4 विकेट पर 288 रन बना लिए। विराट कोहली 87 और रवींद्र जडेजा 36 रन बनाकर नॉटआउट रहे। दोनों दूसरे दिन भारत की पारी आगे बढ़ाएंगे।

यशस्वी-रोहित ने फिफ्टी लगाई

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया को यशस्वी जायसवाल और कप्तान रोहित शर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 20वें ओवर में ही सेंचुरी पार्टनरशिप कर दी। यशस्वी 57 और और रोहित 80 रन बनाकर आउट हुए। नंबर-3 पर उतरे विराट कोहली ने पारी संभाली। लेकिन दूसरे एंड पर शुभमन गिल 10 और अजिंक्य रहाणे 8 ही रन बनाकर आउट हो गए। वेस्टइंडीज से केमार रोच, अल्जारी जोसेफ, शैनन गेब्रियल और जोमेल वारिकन को 1-1 विकेट मिला।

पहली पारी में ऐसे गिरे भारत के विकेट

पहला: जेसन होल्डर की वाइड लेंथ बॉल को यशस्वी ड्राइव करना चाहते थे, लेकिन उनकी बॉडी बॉल की लाइन से दूर थी। बॉल बैट का बाहरी किनारा लेकर गली पोजिशन पर खड़े कर्क मैकेंजी के हाथों चली गई।

दूसरा: केमार रोच ने ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ की बॉल फेंकी। गेंद शुभमन गिल के बल्ले का किनारा छूते हुए विकेटकीपर जोशुआ डा सिल्वा के पास पहुंच गई।

तीसरा: मिडिल स्टंप की गुड लेंथ बॉल को रोकने के प्रयास में रोहित शर्मा बोल्ड हो गए। वह जोमेल वारिकन का पहला शिकार बने।

चौथा: शेनन गैब्रियल ने ऑफ स्टंप के बाहर शॉर्ट पिच बॉल फेंकी। अजिंक्य रहाणे बैकफुट पर शॉट खेलने गए, लेकिन बॉल दब गई और रहाणे बोल्ड हो गए।

कोहली-जडेजा में सेंचुरी पार्टनरशिप

नंबर-6 पर बैटिंग करने उतरे रवींद्र जडेजा ने टीम इंडिया की पारी संभाली। उन्होंने कोहली के साथ मिलकर 106 रन की पार्टनरशिप की और तीसरे सेशन में टीम का कोई और विकेट नहीं गिरने दिया। कोहली 87 और जडेजा 36 रन के स्कोर पर नॉट आउट रहे।

पहले दिन का सेशन-दर-सेशन खेल

दिन का पहला और तीसरा सेशन भारत के नाम रहा। टीम ने इस दौरान 221 रन बनाए और विकेट भी नहीं गिरने दिया। लेकिन दूसरे सेशन में टीम ने 61 रन बनाने में ही 4 विकेट गंवा दिए।

न्यूज ब्रीफ

महिला विश्वकप में पहला मैच जीती न्यूजीलैंड की टीम, बड़ा उलटफेर कर नॉर्वे को हराया

नई दिल्ली । सह-मेजबान न्यूजीलैंड की टीम ने गुरुवार को बड़ा उलटफेर करते हुए महिला फुटबाल विश्वकप में पहली बार जीत का स्वाद चख लिया। हन्ना विलकिंसन के गोल की मदद से न्यूजीलैंड की टीम ने टूर्नामेंट के पहले ही मैच में नॉर्वे को 1-0 से शिकस्त दी। ग्रुप-ए के इस मुकाबले में पहले हाफ में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं। 1995 की विजेता टीम नॉर्वे को पहले हाफ में गोल करने के मौके मिले, लेकिन न्यूजीलैंड ने उसे गोल में बदलने नहीं दिए। फिर दूसरे हाफ में न्यूजीलैंड की टीम नॉर्वे के डिफेंस को भेदने में सफल हो गई। दूसरे हाफ में 48वें मिनट में हन्ना विलकिंसन ने बॉक्स के अंदर से गोल कर न्यूजीलैंड को मैच में 1-0 से आगे कर दिया। हालांकि इसके बाद दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं। रिकॉर्ड करीब 42,137 दर्शक ईडन पार्क स्टेडियम में मौजूद थे जो न्यूजीलैंड में फुटबाल मैच में एक रिकॉर्ड संख्या है। इस दौरान, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस भी मैच देखने के लिए स्टेडियम में मौजूद थे। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने इससे पहले हुए पांच विश्वकप में शिरकत की थी, लेकिन कोई मैच जीतने में सफल नहीं हो पाई थी। दोनों टीमें विश्वकप में 32 साल पहले आमने-सामने हुई थी और तब नॉर्वे ने 1991 में सह न्यूजीलैंड की टीम को 4-0 से शिकस्त दी थी। मैच से पहले महिला विश्वकप का उद्घाटन समारोह रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ। इस दौरान बेहतरीन आतिशबाजी का भी नजारा देखने को मिला। सह मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने यहां आयरलैंड को 1-0 से हराकर महिला विश्वकप में जीत से अपना अभियान शुरू किया। स्टेफ कैटले ने 52वें मिनट में पेनाल्टी पर किए गए गोल से अपनी टीम को जीत दिलाई। स्टेडियम में मैच देखने करीब 75,784 दर्शक पहुंचे हुए थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया को अपनी शीर्ष स्कोरर केर की अनुपस्थिति से करारा झटका लगा जो चोट के कारण दो मैच नहीं खेल पाएंगी।

एशिया कप शेड्यूल पर बांग्लादेश बोर्ड ने निराशा जताई: कहा- ट्रैवलिंग ज्यादा करना पड़ेगा; टीम 4 दिन में 2 अलग देशों में खेलेगी

नई दिल्ली । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2023 के शेड्यूल पर निराशा जताई है। बीसीबी ने गुरुवार को कहा, अत्यधिक यात्रा का असर आगामी एशिया कप पर पड़ेगा। टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में खेला जा रहा है। ऐसे में बांग्लादेश लीग स्टेज का पहला मैच 31 अगस्त को श्रीलंका के खिलाफ श्रीलंका में खेलेगा। वहीं मैच 3 सितंबर को अफगानिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेलेगा। अगर टीम सुपर-4 में पहुंचती है तो उसे फिर श्रीलंका जाना होगा। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के अध्यक्ष जलाल यूनुस ने बुधवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में मीडिया से कहा, हम कुछ नहीं कर सकते हैं, क्योंकि यह फैसला है। यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए अधिकारियों ने टीमों को चार्टर्ड प्लेन में यात्रा कराने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा, यदि आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो आपको 2 घंटे पहले जाना होगा।

युवराज ने भारतीय टीम के संयोजन पर सवाल उठाये

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि

भारतीय टीम घरेलू मैदान पर 2023 विश्व कप जीत पायेगी। इस क्रिकेटर से जब भारत के 2023 विश्व कप जीतने की संभावनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, निश्चित नहीं हूं कि वे विश्व कप जीतने जा रहे हैं या नहीं। इसका कारण ये है कि टीम मध्यक्रम में खिलाड़ियों के चोटिल होने से परेशान है , इसके साथ ही उन्होंने टीम संयोजन पर भी सवाल उठाये। 2011 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के हीरो रहे युवी ने कहा, टीम को विश्व कप न जीतते हुए देखना हमारे लिए निराशाजनक है पर ऐसा ही है। उन्होंने कहा कि यह संयोजन ही है जो भारतीय टीम को निराश कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारे पास एक समझदार कप्तान रोहित शर्मा हैं। उन्हें अपना संयोजन सही करना चाहिए। हमें तैयार होने के लिए कुछ खेलों की आवश्यकता है।

भारतीय फुटबॉल में असमानता

महिला टीम की रैंकिंग पुरुष से बेहतर, फिर भी प्राइज मनी में 60 गुना तक का अंतर

नई दिल्ली ।
इस महीने की शुरुआत में जब भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ चैम्पियनशिप जीती, तो शीर्ष खिलाड़ियों सहित देश की कई लोकप्रिय हस्तियों ने सोशल मीडिया पर टीम को बधाई दी। इसके ठीक दो महीने पहले अहमदाबाद में गोकुलम केरला एफसी ने देश की शीर्ष महिला प्रतियोगिता में से एक इंडियन विमेंस लीग जीती, लेकिन इस सफलता पर किसी का ध्यान नहीं गया।

इस मामले में यह तर्क दिया जा सकता है कि सैफ चैम्पियनशिप के विपरीत एक घरेलू लीग थी। हालांकि, महिला टीम भी पांच सीजन में से चार बार सैफ चैम्पियनशिप जीत चुकी है। जब वेतन, प्राइज मनी, एक्सपोजर की बात आती है तो देश में महिला और पुरुष फुटबॉल में अंतर साफ नजर आता है।

आईडब्लूएम विजेता गोकुलम केरला को 10 लाख रुपए मिले थे। वहीं, आईएसएल चैम्पियन को 6 करोड़ रुपए मिलते हैं। विजेता टीम को चेक अहमदाबाद में समारोह में दिया गया था।

आईडब्लूएम का यह पुरस्कार वितरण समारोह उस इवेंट में आयोजित किया गया था, जिसमें गुजरात स्टेट फुटबॉल एसोसिएशन की पुरुष वर्ग की क्लब चैम्पियनशिप हुई थी। मतलब महिला फुटबॉल के लिए अलग इवेंट तक नहीं हुआ। रैंकिंग में महिला टीम में 60वें स्थान पर है, जबकि पुरुष टीम 99वें पर है।

महिला टीम को साल में केवल 3 टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलता है

महिला टीम की पूर्व खिलाड़ी सुजाता कर कहती हैं, 'पुरुष टीम पूरे साल कई स्तरों पर टूर्नामेंट खेलती है। महिलाओं को केवल तीन टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलता है- सीनियर महिला नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशिप, अंडर-17 नेशनल और अगर महिलाओं को भी ज्यादा एक्सपोजर मिले, तो प्रदर्शन कहीं बेहतर होगा।

भारतीय टीम की फॉरवर्ड एन. बाला देवी कहती हैं, 'जब मैं ब्रिटेन में खेल रही थी, तो घरेलू स्तर पर 30 मैच होते थे। इसके अलावा वहां खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए भी 20 मैच खेल लेती है। यानी वे सालभर में 50 मैच खेलती हैं। यहां हम मुश्किल से तीन महीने की ट्रेनिंग करते हैं और खेलते हैं।

महिला लीग के पास ब्रॉडकास्टर नहीं, यू-ट्यूब पर दिखाते हैं मैच

आईडब्लूएम की विजेता को जो राशि मिली, वह पुरुषों की आई-लीग में चौथे नंबर पर रहने वाली टीम को मिलने वाली राशि के आधे से भी कम है। उसे 25 लाख रुपए मिलते हैं। देश में महिला फुटबॉल का मीडिया कवरेज भी अच्छा नहीं होता।

सुविधाएं भी खराब, खिलाड़ियों को 30 किमी दूर ठहराया गया था

आईडब्लूएम के ब्रॉडकास्टिंग का नोटिस 21 अप्रैल को पब्लिश किया गया था, टूर्नामेंट शुरू होने से महज 5 दिन पहले। आखिरकार लीग शुरू होने से एक दिन पहले ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने घोषणा की थी कि उसके यू-ट्यूब चैनल पर मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। वो भी शाम 4.30 बजे से होने वाले मैचों की। सुबह 8.30 बजे से खेले गए मैचों की स्ट्रीमिंग नहीं हुई।

आईडब्लूएम टूर्नामेंट के दौरान सुविधाएं भी बेहद खराब थीं। बाला देवी कहती हैं, 'हमें मैच शुरू होने से दो घंटे पहले मैदान पर पहुंचना होता था और स्टेडियम (अहमदाबाद में) पहुंचने में हमें एक घंटा लग जाता था। इसलिए खिलाड़ियों को सुबह 5 बजे ही स्टेडियम के लिए निकलना होता था।' कई खिलाड़ियों ने घटिया आवास की भी शिकायत की थी। कुछ टीमों को वेन्यू से 30 किमी दूर ठहराया गया था। टीम की एक पूर्व खिलाड़ी का कहना है कि मैच गर्मियों में नहीं होने चाहिए थे। डिफेंडर दलिमा छिब्बर कहती हैं, 'लीग को बेहतर तरीके से आयोजित किया जा सकता था। इस लीग के दौरान खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दबाव बहुत ज्यादा था।'

फ्लडलाइट्स ने जिम-एफ्रो टी-10 लीग का ओपनिंग मैच रोका

समय पर इंस्टॉल नहीं हुईं लाइट्स; इरफान, श्रीसंथ और उथप्पा जैसे खिलाड़ी लीग का हिस्सा

नई दिल्ली ।
जिम्बाब्वे में फ्लडलाइट्स नहीं लग पाने के कारण जिम-एफ्रो टी-10 लीग का ओपनिंग मुकाबला नहीं खेला जा सका। मुकाबला हरारे हरिकेंस और बुलवायो ब्रेव्स के बीच होना था, इसमें रॉबिन उथप्पा, श्रीसंथ और इरफान पठान जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेने वाले थे। उथप्पा तो हरिकेंस टीम के कप्तान हैं, इस टीम में ऑएन मॉर्गन और मोहम्मद नबी जैसे प्लेयर्स भी हैं। ओपनिंग मैच (भारतीय समयानुसार) से हरारे में होना था, लेकिन फ्लडलाइट्स टाइम पर नहीं लग सकी, जिस कारण मैच शुक्रवार तक पोस्टपोन किया गया।

जिम्बाब्वे बोर्ड ने वेबसाइट पर बताया

जिम्बाब्वे क्रिकेट एसोसिएशन ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर लिखा कि जिम एफ्रो टी-10 टूर्नामेंट की ओपनिंग सेरेमनी को एक दिन के लिए टाला गया है। यह मैच गुरुवार की जगह शुक्रवार को होगा।

पहली बार लग रही थी फ्लडलाइट्स

जिम्बाब्वे के किसी भी स्टेडियम में फ्लडलाइट्स नहीं लगे हैं। इसी कारण वहां के ज्यादातर मैच डे फॉर्मेट में ही होते हैं, यहां वनडे वर्ल्ड कप क्वालिफायर के सभी मैच में भी डे-फॉर्मेट में ही हुए। हरारे के हरारे स्पोर्ट्स क्लब मैदान में टी-10 टूर्नामेंट के लिए पहली बार फ्लडलाइट्स इंस्टॉल की जा रही थी। लेकिन उसे भी समय पर पूरा नहीं किया जा सका। जिम्बाब्वे के एक पत्रकार ने फ्लड लाइट्स इंस्टॉल किए जाने की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं। लेकिन समय पर फ्लडलाइट्स नहीं लग पाने के कारण ओपनिंग मैच पोस्टपोन करना पड़ गया।

18 साल की पाकिस्तानी क्रिकेटर आयशा नसीम ने संन्यास लिया: मार्च में विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप खेला था; धार्मिक कारणों के चलते फैसला लिया

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की युवा खिलाड़ी आयशा नसीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। 18 साल की आयशा ने अपने संन्यास की जानकारी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को दी। आयशा ने अपने संन्यास के फैसले की वजह धार्मिक बताई। उन्होंने पीसीबी को भेजे अपने पत्र में कहा, मैं क्रिकेट छोड़ रही हूं, मैं इस्लाम के अनुसार अपना जीवन आगे जीना चाहती हूं।

15 साल की उम्र में किया था डेब्यू

15 साल की उम्र में आयशा ने साल 2020 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान डेब्यू किया था। उन्हें थाईलैंड के खिलाफ मैच खेलने का मौका मिला था। अब तक वह पाकिस्तान के लिए 30 टी-20 और 4 वनडे मुकाबले खेल चुकी हैं।

उन्होंने 30 टी-20 मैचों में 128.12 की स्ट्राइक रेट से 369 रन बनाए, जबकि 4 वनडे मैचों में 89.89 की स्ट्राइक रेट से 30 रन बनाए।

लंबे छक्के थे आयशा की पहचान

आयशा को स्पेशलिस्ट पावर हिटर बैटर के तौर पर जाना जाता था। उनकी तेज बल्लेबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह 30 टी-20 मैचों में 18 छक्के और 20 चौके जड़ चुकी थीं। वह पाकिस्तान महिला टीम के लिए टी-20 इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। उनसे अनुभवी आगे निदा दार ही हैं। निदा ने 130 मैचों में 27 छक्के लगाए हैं। आयशा 2-3 साल और टी-20 क्रिकेट खेलतीं तो जरूर ही इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लेतीं। उन्होंने भारत के खिलाफ 2023 के विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 81 मीटर लंबा छक्का लगाया था। यह टूर्नामेंट का सबसे लंबा छक्का था। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले में भी 79 मीटर लंबा छक्का लगाया था।

पाकिस्तान के लिए दो टी-20 वर्ल्ड कप खेल चुकीं

आयशा ने पाकिस्तान के लिए 2020 और 2023 में 2 बार विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप खेले। हालांकि, उन्हें 3 मैचों में ही खेलने का मौका मिला। इनमें उन्होंने 181.48 के स्ट्राइक रेट से 49 रन बनाए थे।

वसीम अकरम ने की थी तारीफ

पाकिस्तान दिग्गज वसीम अकरम भी उनकी तारीफ कर चुके थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच में उनकी पावर हिटिंग देख अकरम ने सोशल मीडिया पर कहा था, आयशा नसीम बेहद टेलेंटेड खिलाड़ी हैं।

आंदोलन करने वाले पहलवानों में फूट, साक्षी ने बजरंग-विनेश को ट्रायल में छूट देने का किया विरोध

नई दिल्ली ।
भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाले पहलवान बजरंग, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक की एकता में दरार पड़ गई है। बजरंग और विनेश को बिना ट्रायल के एशियाई खेलों की टीम में शामिल करने का साक्षी ने विरोध किया है। साक्षी ने कहा कि उन्हें भी ट्रायल में छूट देने का प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसके लिए मना कर दिया। साक्षी ने कहा कि बजरंग-विनेश को सीधे टीम में प्रवेश देना गलत है। वहीं बजरंग-विनेश के साथ धरने पर बैठने वाली अंशु मलिक भी जूनियर पहलवानों के समर्थन में उतर आई हैं।

जूनियर पहलवानों को प्रदर्शन करते देख दुख हो रहा

साक्षी ने कहा कि वह नहीं चाहती हैं कि किसी भी बच्चे का हक छीना जाए। वह बजरंग-विनेश को सीधे टीम में प्रवेश दिए जाने के खिलाफ हैं। उन्हें यह देखकर दुख हो रहा है कि जूनियर पहलवान अपने हक के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं। साक्षी कहती हैं कि इस मामले में पारदर्शिता अपनाई जानी चाहिए थी। उनकी मांग सिर्फ इतनी है कि जो उन्होंने 10 अगस्त का तैयारियों के लिए समय मांगा था। उसी के अनुसार ट्रायल कराए जाएं। 10 अगस्त के ट्रायल को ध्यान में रखते हुए वह तैयारियों के लिए बाहर आई हैं। उन्हें तीन-चार दिन पहले बताया गया कि बजरंग और विनेश को सीधे टीम में शामिल किया जा रहा है। वह भी इस बारे में मेल कर दें। उन्हें भी टीम में जगह दे दी जाएगी, लेकिन उन्होंने टीम में सीधे प्रवेश दिए जाने से तुरंत इन्कार कर दिया। साक्षी ने कहा कि न तो वह बिना ट्रायल के किसी टूर्नामेंट गई हैं और न ही आगे जाएंगी। साक्षी इस वक्त अपने पति सत्यव्रत कादियान के साथ अमेरिका में तैयारियां कर रही हैं।

आईओए के दरवाजे पहुंचा पहलवानों का प्रदर्शन

वहीं, आंदोलनकारी पहलवान बजरंग और विनेश फोगाट को सीधे एशियाई खेलों की टीम में प्रवेश दिए जाने के खिलाफ किया जा रहा धरना-प्रदर्शन बृहस्पतिवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के दरवाजे पर पहुंच गया। ज्यादातर जूनियर पहलवानों के परिजनों ने आईओए दफ्तर के बाहर प्रदर्शन करते हुए वहां धरना दे दिया। विनेश के भार वर्ग 53 किलो में खेलने वाली जूनियर विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल और बजरंग के भार 65 किलो में खेलने वाले सुजीत कलकल ने तदर्थ समिति की ओर से बजरंग, विनेश को बिना ट्रायल के टीम में शामिल करने के विरोध किया था। अंतिम और उनके परिजनों ने बुधवार को हिसार में प्रदर्शन भी किया था। आज लगभग डेढ़ सौ लोग आईओए पहुंच गए। ये सभी आईओए अध्यक्ष पीटी उषा और तदर्थ समिति सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा से मिलकर फैसले को वापस करवाना चाहते थे, लेकिन उनकी किसी से मुलाकात संभव नहीं हो सकी।

मनिका बत्रा ने दिलाई बेंगलुरु स्मैशर्स को पहली जीत, चेन्नई लायंस को 8-7 से हराया

नई दिल्ली ।
अल्टीमेट टेबल टेनिस के चौथे सीजन में बेंगलुरू की टीम ने पहली जीत हासिल कर ली है। बेंगलुरु की इस जीत में सबसे अहम योगदान रहा भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा का। भारत की सर्वोच्च रैंकिंग वाली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सुतीर्था मुखर्जी को हराकर एक बार फिर से अपना दबदबा कायम किया और अपनी टीम बेंगलुरू स्मैशर्स को सीजन की पहली जीत दिलाई। मौजूदा चैंपियन चेन्नई लायंस पर 8-7 की जीत के साथ बेंगलुरु स्मैशर्स अब लीग तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

मनिका, जो पिछले मुकाबले में मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन श्रीजा अकुला से हार गई थीं। उन्होंने इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चेन्नई लायंस की पैडलर के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। दुनिया की 35वें नंबर की खिलाड़ी ने पहले गेम की धमाकेदार शुरुआत की और अपने शक्तिशाली फोरहैंड से सुतीर्था को चौंका दिया। बाद में मनिका ने अपने सटीक बैकहैंड का भी इस्तेमाल करते हुए गेम को 11-6 के अंतर से जीत लिया।

दूसरे गेम में सुतीर्था ने जोरदार वापसी की। उन्होंने मैच की शुरुआत में बढ़त ले ली और अपने तेज नेट प्ले और टेबल के दोनों ओर सटीक शॉट्स से मनिका को दबाव में डाल दिया। सुतीर्था ने अपनी हमवतन खिलाड़ी के खिलाफ बढ़त हासिल की और फिर गोल्डन प्वाइंट के जरिए गेम जीत लिया। मनिका ने हालांकि तीसरे गेम में जोरदार वापसी की और अपने अनुभव और पहुंच का पूरा फायदा उठाया। एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता ने सुतिर्था को स्थिर नहीं होने दिया और जल्द ही गेम को 11-8 से अपने नाम कर मैच भी जीत लिया।

इससे पहले अनुभवी अचंता शरत कमल को अपने मैच में हार का सामना करना पड़ा। किरिल गेरासिमेंको ने पहले गेम में शुरुआती बढ़त ले ली। इसके बाद भारतीय पैडलर ने अपने अनुभव और सटीक बैकहैंड शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए गेम में वापसी की और स्कोर को 10-10 पर ला दिया। हालांकि, किरिल ने गोल्डन प्वाइंट के जरिए गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी कजाक पैडलर ने शुरुआत में बढ़त बना ली, लेकिन दो बार के एशियाई खेलों के पदक विजेता अचंता शरत कमल ने आश्चर्यजनक अंदाज में वापसी की। टॉप क्लास टॉप स्पिन और साइड स्पिन के दम पर मैच 11-7 से अपने नाम किया। तीसरा गेम भी काफी रोमांचक रहा। किरिल ने इसे गोल्डन प्वाइंट के जरिए जीता।

मुकाबले के तीसरे मैच में मनिका और किरिल ने शरत और यांग्जी लियू को 2-1 से हराकर बेंगलुरु की बढ़त 6-3 कर दी। मनिका और किरिल को शुरुआत में तालमेल बिठाकर खेलने में दिक्कत हुई। इसका फायदा उठाकर चेन्नई लायंस की जोड़ी ने पहला गेम 11-6 से जीत लिया, लेकिन बेंगलुरु स्मैशर्स की जोड़ी ने जोरदार वापसी की और दूसरा गेम 11-9 से जीतकर मैच बराबर कर लिया। इसके बाद किरिल और मनिका ने तेज पेस का इस्तेमाल करते हुए इस गेम को 11-7 से अपने नाम कर लिया और अपनी फ्रेंचाइजी की बढ़त को 6-3 तक पहुंचा दिया। भारत के उभरते स्टार जीत चंद्रा वर्ल्ड नंबर 33 बेनेडिक्ट डूडा से 1-2 से हार गए, लेकिन इस मैच के दौरान जीत ने अपनी काबिलियत का शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय पैडलर ने पहले गेम की शुरुआत बेहद आत्मविश्वास के साथ की और अपनी ऊर्जा और पिनपॉइंट शॉट्स से डूडा को चौंका दिया और पहला गेम 11-9 से अपने नाम कर लिया। हालांकि, अनुभवी जर्मन पैडलर ने इसके बाद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और आखिरी दो गेम 11-9, 11-7 से जीतकर बेंगलुरु की बढ़त को 7-5 कर दिया। मुकाबले के आखिरी मैच में यांग्जी ने नतालिया बाजोर को 2-1 से हराया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी क्योंकि बेंगलुरु स्मैशर्स ने सीजन 4 की अपनी पहली जीत हासिल कर ली। पुनेरी पलटन आगामी मुकाबले में दबंग दिल्ली से भिड़ेगी।

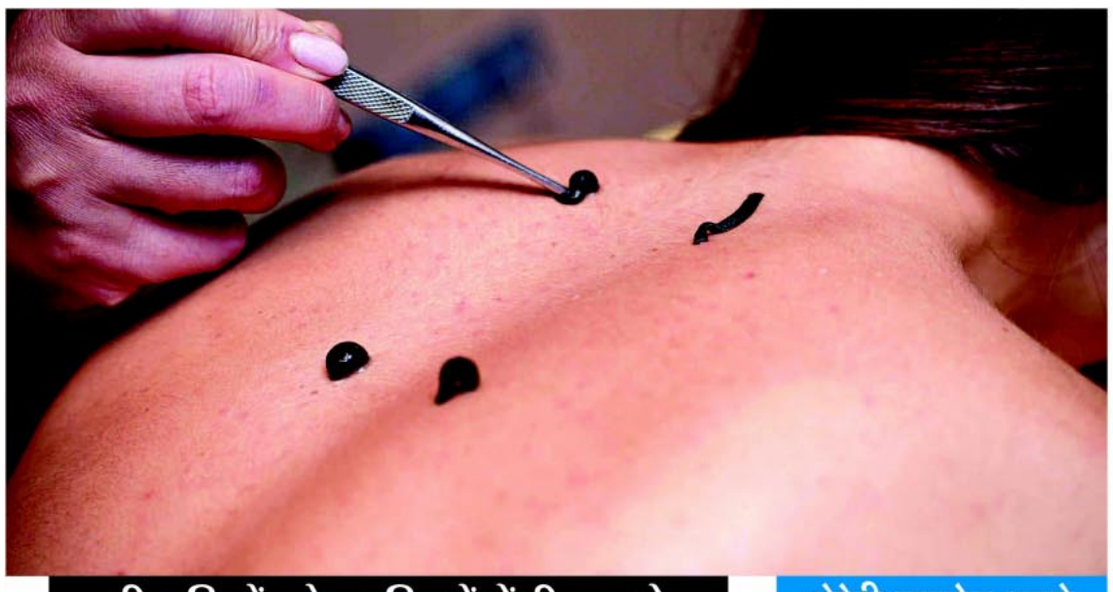

बीमारियों को चुटकियों में ठीक करे

जोंक थेरेपी

लीच थेरेपी यानि जोंक चिकित्सा को प्राचीन काल से ही इस्तेमाल किया जाता है। उन्नीसवीं सदी की शुरूआत में यह थेरेपी उच्चतम लोकप्रियता पर पहुंच गई थी। लेकिन बींसवी सदी में लोगों के बीच इसका क्रेज नहीं रहा। आधुनिक विज्ञान ने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और तर्क के आधार पर चिकित्सा करनी शुरू की दी। लेकिन हाल ही में कुछ शोधकर्ताओं ने पाया यह चिकित्सा पद्धति काफी स्वास्थ्यकारी है।

इस उपचार विधि को हिरुदथेरेपी के नाम से जाना जाता है। लीच थेरेपी को हृदय रोगों के उपचार में प्रयोग किया जाता है। लीच यानि जोंको के द्वारा निकलने वाली लार से शरीर का रक्त पतला होता है और रक्त का थक्का नहीं जमता है। यह शरीर में रक्त का संचार अच्छा कर देता है और संयोजी ऊतकों में दर्द के लिए संवेदनशीलता को बढ़ाता है। वैकल्पिक चिकित्सा की समीक्षा में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जोंक चिकित्सा, सूजन और पैर दर्द में भी लाभकारी होती है और त्वचा के मलिनकरण को भी कम कर देती है। अगर पैरों में गहरी नसों में रक्त का थक्का जम जाता है तो इससे सही हो जाता है। बस, प्रभावित हिस्से में चार से पांच जोंक को चिपका दिया जाता है और उन्हें काटने दिया जाता है।

बहुत सारे चिकित्सकों का मानना है कि लीच थेरेपी, सर्जरी के बाद टिश्यू को हेल्दी बनाएं रखने के लिए भी अच्छी रहती है। जोंक की लार की मदद से रक्त पतला बना रहता है और शिराओं में घनापन नहीं हो पाता है।

थेरेपी उपयोग करने के फायदे

- दर्दनाक चोंटों और पुनर्निर्माण सर्जरी के फलस्वरूप होने वाली सूजन में भी यह थेरेपी कारगर होती है। शोधकर्ताओं का यह भी मानना है कि यह कैंसर ड्रग के रूप में भी उपयोगी हो सकती है।
- लीच यानि जोंक की लार में घिलाटेन नामक घटक पाया जाता है जो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर की ग्रोथ को रोक देता है। साथ ही इसकी लार में पेप्टाइड भी होता है जिसे हीरूडिन कहा जाता है जो काफी बेहतर एंटीकोग्लुएंट होता है और इसमें कैंसर-विरोधी गुण भी होते हैं। अचानक से होने वाले बहरेपन, सूजन और टिटनेस में भी यह लाभकारी होती है।
- अनुसंधान आयुर्वेद लेख के अनुसार, जब लीच थेरेपी को रोगी की टांग पर शुरू किया जाता है जो गठिया की समस्या में उसे काफी लाभ मिलता है। हालांकि, इसे बेहद सावधानी से करने की आवश्यकता होती है क्योंकि इसके काफी साइडइफेक्ट भी होते हैं। इससे त्वचा पर दाग पड़ सकता है, फफोले पड़ सकते हैं और वहां पर घाव भी हो सकता है।

फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक...

चीन की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी शाओमी ने नई फोल्डेबल स्मार्ट इलेक्ट्रिक बाइक लॉन्च की है जिसकी कीमत 2,999 युआन यानी करीब 30,699 रुपए है। बाइक में इलेक्ट्रिक मोटर लगी है जो टार्क मेजरमेंट मेथड से राइडर को बाइक चलाने में मदद करती है। यह बाइक फिटनेस से संबंधित मानकों को भी जैसे कैलोरीज बर्नड, डिस्टेंस ट्रेवल्ड और स्पीड के बारे में भी बताती है। इसमें पैनासोनिक की 18650 बैटरी लगाई गई है जो एक बार चार्ज करने पर 45 किलोमीटर का बैकअप देती है। इसके डिजाइन को इस तरह बनाया गया है कि आप आसानी से फोल्ड कर इसे कहीं भी अपने साथ लेकर जा सकते हैं।

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया क्या है ?

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया (ओएसए) नामक रोग में सोते समय अक्सर सांस लेने की प्रक्रिया कुछ पलों के लिए रुक जाती है और इसके बाद यह फिर शुरू हो जाती है।

लक्षण

- इतनी जोर से खर्राटे लेना कि अन्य लोगों की नींद में खलल पड़े।
- सोते हुए बीच-बीच में अचानक सांस नहीं आना, जिससे अक्सर पीड़ित व्यक्ति नींद से उठ जाता है।
- सोते समय बीच-बीच में सांस रुकना।
- दिन भर सुस्ती छाई रहना, जिससे व्यक्ति काम के दौरान, टेलीविजन देखते हुए या वाहन चलाते हुए सो सकता है।

किन लोगों को है जोखिम

- मोटापे से ग्रस्त लोगों को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होनी की आशंकाएं ज्यादा होती हैं।
- गर्दन के मोटा होने से सांस मार्ग छोटा हो सकता है और यह स्थिति मोटापे का संकेत हो सकती है। पुरुषों के लिए गर्दन की माप 17 इंच और महिलाओं के लिए 16 इंच से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे अधिक होने पर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया का जोखिम बढ़ जाता है।
- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया होने की संभावना उन लोगों में दोगुनी हो जाती है, जिन्हें रात में अक्सर नाक बंद होने की समस्या रहती है।

जटिलताएं

इलाज न होने पर ओएसए से कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कार्डियो-वैस्क्युलर समस्याएं

ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया के दौरान रक्त के ऑक्सीजन स्तर में अचानक कमी आना, ब्लड प्रेशर बढ़ना और कार्डियो-वैस्क्युलर सिस्टम पर दबाव बढ़ना सरीखी समस्याएं पैदा हो जाती हैं। इस रोग से ग्रस्त कई लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या होती है, जिससे हृदय संबंधी रोग होने की आशंका बढ़ जाती है। ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया जितना गंभीर होगा, कोरोनरी आर्टरी डिजीज, दिल का दौरा पड़ना, हृदय की धड़कन रुक जाना और स्ट्रोक होने का जोखिम उतना ही बढ़ जाता है।

- दूसरों की नींद पूरी नहीं होना- तेज खर्राटों के कारण आपके आसपास के लोगों को भी सही तरीके से आराम नहीं मिल पाता। इसका असर आपके संबंधों पर भी पड़ने लगता है।

जांच

स्लीप स्टडी या पॉलीसोम्नोग्राफी की जाती है। इसके अंतर्गत पल्स ऑक्सीमेट्री (ऑक्सीजन), मस्तिष्क की तरंगें (ईईजी), दिल की धड़कन (ईकेजी), सीने और आंखों की स्थिति का अध्ययन किया जाता है।

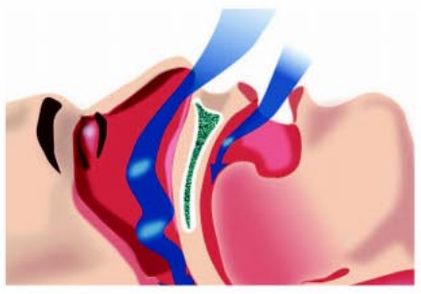

आधुनिक जांच प्रक्रिया

आधुनिक तकनीक की मदद से आप इस रोग से संबंधित परीक्षणों को अपने घर में करा सकते हैं ताकि आपको अस्पताल में रात बिताने की जरूरत न पड़े। घड़ी की तरह दिखने वाली इस डिवाइस को आपकी उंगलियों के पौरों और बाजुओं पर लगा दिया जाता है, जिससे आपकी सोने की स्थितियों और आंखों की हरकतों पर नजर रखी जा सके।

निद्रा अध्ययन भी जरुरी

निद्रा-अध्ययन के माध्यम से आपकी निद्रा संबंधी समस्याओं की जांच की जाती है। यह निद्रा के दौरान आपके मस्तिश्क की गतिविधियों, हृदय गति, पांवों के संचलन, ऑक्सीजन के स्तर तथा श्वास-संचालन की 6 से 8 तक घंटे की रिकॉर्डिंग होती है।

निद्रा संबंधी सामान्य समस्याएं

- नींद आने में कठिनाई/समय लगना
- स्लीप एप्निआ जिसमें नींद के दौरान कभी-कभी साँस बंद हो जाती है
- खर्राटे लेना
- दिन में उनींदा लगना
- चीखते हुए, संभ्रम (कंफ्यूजन) अथवा घबराहट के साथ जागना यदि आपके अध्ययन से पता चलता है कि आप निद्रा संबंधी किसी अव्यवस्था के शिकार हैं तो आपके लिए सर्वश्रेश्ठ इलाज चुना जा सके, इसके लिए आपको एक और रात वापस आना होगा।

इलाज

- निरंतर हवा का सकारात्मक दबाव बने रहना (सीपीएपी): यह एक छोटा पोर्टेबल मैकेनिकल डिवाइस है। इस डिवाइस में एक पंखा लगा होता है, जो नींद के दौरान लगातार हवा देकर आपके सांस मार्ग को खुला रखता है।
- कुछ ऐसे प्लास्टिक डिवाइस होते हैं, जिन्हें मुंह में पहना जाता है। दिखने में ये ऑर्थोडॉन्टिक रिटेनर्स या स्पोर्ट माउथ गार्ड्स की ही तरह होते हैं। ये ओरल डिवाइस सांस मार्ग को चिपकने से रोकते हैं।
- सर्जिकल इलाज के अंतर्गत नाक, तालू, जीभ, जबड़ा, गर्दन और कई अन्य जगहों की समस्याओं को दूर किया जाता है। सबसे लोकप्रिय सर्जरी लेजर प्रक्रिया है, जो खर्राटे भरने और सोते वक्त सांस की समस्या को दूर करने में सक्षम हैं।

कान छिदवाने के इन फायदों के बारे में पता है आपको ?

कान छिदवाना ना मात्र फैशन की देन है बल्कि यह भारतीय संस्कार का एक अहम हिस्सा भी है। जहां लड़कियां कान और नाक दोनों ही छिदवाती हैं वहीं आज कल तो पुरुष भी फैशन के चक्कर में एक कान या दोनों कान छिदवाने से पीछे नहीं हटते।

कान छिदवाने के बाद देखभाल करने के खास टिप्स: भारत के अनेक राज्यों में आज भी कर्णवेध संस्कार होता है जिसमें बालक और बालिकाओं का कान छेदा जाता है। अन्य संस्कारों की भांति इसे भी आवश्यक माना जाता था। कान छिदवाने की प्रथा कोई ऐसे ही नहीं शुरु की गई थी, बल्कि इसके पीछे कई स्वास्थ्य लाभ भी छुपे हुए थे।

कान छिदवाना समय ध्यान रखें ये बातें : कान के बीच की सबसे खास जगह पर जब प्रेशर लगाया जाता है तो इसके बीच की सभी नसें एक्टिव हो जाती हैं। आज हम मात्र फैशन को ध्यान में रख कर कान छिदवाते हैं मगर जब आप इसके स्वास्थ्य लाभो के बारे में पढ़ेंगे तो आप चौंक जाएंगे।

दिमाग का विकास होता है: महान ऋषि सुश्रुत के अनुसार कान के निचले हिस्से (ear lobes) में एक प्वाइंट होता है, जो मस्तिष्क के बाएं और दाएं गोलार्द्ध से कनेक्ट होते हैं। जब इस प्वाइंट पर छेद किए जाते हैं तो, यह दिमाग के हिस्से को एक्टिव बनाते हैं। इसलिए जब बच्चे का दिमाग बढ रहा हो, तभी उसके कान छिदवा देने चाहिए।

हार्ट अटैक को अब मात देगा पीपल

पीपल का पेड़ यानी भूतों का घर, ऐसा हमारा कहना नहीं लोगों का कहना है। पीपल वो वृक्ष है जो छाव तो देता ही है, बल्कि हार्ट अटैक जैसी बड़ी बिमारी को भी मात देने की ताकत भी रखता है। बहुत ही कम लोग इस पीपल के पत्तों के इन फायदों को जानते है। रोजाना पीपल के पत्तों का पानी पीने से हार्ट अटैक का खतरा टल जाता है। जो लोग हार्ट अटैक के रिस्क के साथ जीते है, उन्हें इस पीपल के घरेलु उपायों को जरूर इस्तेमाल करना चाहिए। जिन लोगों को हार्ट अटैक आ चूका है, वे कुछ दिन छोड़कर इस उपाय का इस्तेमाल करें। रोजाना एक पीपल की पत्तियां लिजिए व उसे एक गिलास पानी में पकाइए, जब पानी एक तिहाई रह जाए तो उसे ठंडा करके पी लीजिए। ध्यान रहे की पत्ती के ऊपर का भाग काटकर अलग रख दें। पीपल के इन पत्तों को लेने का भी अलग तरीका होता है। इस दवा को दिन में तीन बार पिया जाता है।15 दिन इस काढ़े को पीने से दिल के दौरे का खतरा कम हो जाता है। पीपल का पत्ता दिल को अद्भुद ताकत देता है। इस काढ़े तो दिन में तीन बार लेना चाहिए, एक सवेरे नाश्ता करने के बाद 8 बजे, एक 11 बजे और एक दिन में 2 बजे। पीपल के पत्तों का उपचार करते वक्त तली हुई चीजें, मांस, मच्छी, शराब, धूम्रपान , नमक खाना बंद कर दें। इस उपचार को करते वक्त मैथी दाना,बथुआ,आंवला, अनार, पपीता,सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ का सेवन. सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ। ध्यान रहे उपचार करते समय हरे, कोमल और विकसित पत्ते ही लीजिए, भूलकर भी पीपल के गुलाबी कोपलों को न लें।

शहद के उपयोग से बारिश में नहीं आएंगी बीमारियां

हम सब जानते हैं कि बारिश के मौसम में बड़ी जल्दी- जल्दी बीमार पड़ते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इस दौरान हमारे शरीर की इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है और ज़रा सा बारिश में भीग जाने की वजह से हम बीमार पड़ जाते हैं।अगर आयुर्वेद की मानें तो, हमारे पास शहद है जो एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरी होती है। शहद का एक चम्मच रोजाना सेवन करने से हमारा शरीर बारिश की तमाम बीमारियों से बचा रह सकता है। आइये जानते हैं शहद हमारी रक्षा कैसे करेगी...

वायरल फीवर और सर्दी-खांसी से लड़े

शहद में एंटीऑक्सीडेंट और रोगाणुरोधी गुण होते हैं, जो खांसी और गले की समस्या में राहत प्रदान करती है। वे लोग जिन्हें रेसपिरेट्री ट्रैक इंफेक्शन होता है उनके लिए भी शहद लाभकारी है। 1 कप गरम पानी में 1 चम्मच नींबू का जूस और 1 चम्मच शहद मिक्स के धीरे धीरे सेवन करना चाहिए।

पेट के संक्रमण से राहत दिलाए

शहद में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो एक अच्छा बैक्टीरिया होता है। यह पेट संक्रमण और फूड प्वाइजनिंग से आपकी रक्षा करेगा इसलिए रोजाना 1 चम्मच शहद का सेवन करना न भूलें।

इम्यूनिटी बढ़ाए

शहद में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो संक्रमण से लड़ने में सहायक होता है। 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच अदरक का रस और नींबू का रस मिला कर गरम पानी के साथ पिएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बढ़ेगी।

बैक्टीरियल इंफेक्शन से बचाए

शहद में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण होते हैं। यह बैक्टीरिया और जर्म से लड़ने में मदद करती है। बारिश की वजह से कॉलरा और डायरिया ना हो जाए इसलिए आपको शहद का सेवन जरुर करना चाहिए।

रेसिपी

पापड़ पनीर फ्रिटर्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, **तलने के लिए:** तेल , **परोसने के लिए:** टमेटो कैचप

विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूंथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसें।

मिक्स्ड वेजिटेबल सागु

सामग्री

सागु मसाला के लिए: 2 स्पून उड़द दाल, 2 से 3 हरी मिर्च , कटी हुई, 4 से 5 काली मिर्च, 2 स्पून धनिया पाउडर, 1/2 स्पून ज़ीरा, 1/2 दालचीनी का टुकड़ा, 2 लौंग, 4 स्पून कसा नारियल। **अन्य सामग्री:** 1 स्पून घी/ नारियल का तेल/ अन्य तेल, 1 स्पून सरसों, 1 स्पून उड़द दाल, 1 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , टुकड़ो में तोड़ी हुई, 1/2 टी-स्पून हींग, 7 से 8 कड़ी पत्ता, 1/4 कप बारिक कटा हुआ प्याज़, 2 कप कटी हुई मिली-जुली सब्जियां, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1 स्पून सागु मसाला पाउडर , 1 चक्र फूल और 1 तेजपत्ता

विधि

सागु मसाला पाउडर के लिए: एक छोटा पैन गरम करें और लगातार हिलाते हुए, उड़द दाल के सुनहरा होने तक, मध्यम आंच पर सूखा भुन लें। एक तरफ रख दें। ठंडा करने के बाद, शेष बची हुई सामग्री डालकर मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** कढ़ाई में घी/तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, उड़द दाल, लाल मिर्च, हींग और कड़ी पत्ता डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, दाल के सुनहरा होने तक मध्यम आंच पर भुन लें। प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर उनके पार्दर्शी होने तक लगातार हिलाते हुए भुन लें। मिली-जुली सब्जियां, हल्दी पाउडर, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और ढ़ककर, बीच में एक बार हिलाते हुए, 12 से 15 मिनट तक मध्यम आंच पर, सब्जियों के नरम होने तक पका लें। सागु मसाला पाउडर डालकर हल्के हाथों मिला लें और 5 मिनट तक धीमी आंच पर उबाल लें। चक्र फूल और तेज़पत्ता से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**